RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रुबरु

स्मार्ट हलचल

smarthalchal.com

वर्षः 11 अंकः 138 | जयपुर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़ ,मंगलवार, 17 नवम्बर 2026 | मूल्यः 4 रुपए | पृष्ठः 08

▶ 48 सवाल पूछना चाहता है विपक्ष, सुप्रीम कोर्ट से मांगी इजाजत

चुनाव आयोग से होंगे तीखे सवाल, फॉर्म-6 किसने बदला, SIR का फैसला किसका

सभी 48 सवालों की सूची सुप्रीम कोर्ट को सौंपी, याचिका में आरोप-हलफनामे में वोट चोरी और एसआईआर से जुड़े किसी भी सवाल का चुनाव आयोग ने नहीं दिया है जवाब

● नई दिल्ली /

इंडिया ब्लॉक के नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट से मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दोनों आयुक्तों और आयोग के आईटी महानिदेशक से व्यक्तिगत रूप से पूछताछ करने की अनुमति मांगी है। इस बावत इंडिया ब्लॉक ने सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की है। कांग्रेस ने कहा है कि ये सवाल एसआईआर में हुई उन भारी खामियों के बारे में हैं, जिसके चलते कथित रूप से वोट चोरी का रास्ता खोला गया।



कांग्रेस ने कहा है कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दोनों आयुक्तों से पूछे जाने वाले अहम सवालों में चार महत्वपूर्ण हैं। इनमें कितने फैसलों पर मुख्य चुनाव आयुक्त की राय से दो अन्य चुनाव आयुक्त असहमत थे? पूरे देश में एसआईआर कराने का फैसला किसने लिया? फॉर्म 6 को बदलने का फैसला किसने लिया? और ERONET और ECINET को सेंट्रलाइज करने और वोटर लिस्ट को केंद्रीय नियंत्रण में रखने का फैसला किसका था? अपनी याचिका में में विपक्षी गठबंधन ने आयोग से पूछने के लिए कथित वोट चोरी और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से जुड़े 48 बुनियादी सवाल पूछे हैं। याचिका में आरोप लगाया है कि निर्वाचन आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में जो हलफनामा दाखिल किया है उसमें वोट चोरी और मतदाता सूची पुनरीक्षण से जुड़े किसी भी मुख्य सवाल का जवाब नहीं दिया गया है।

वोटर लिस्ट के डेटा तक किसकी थी पहुंच

विपक्ष ने मतदाता सूची के डिजिटल डेटाबेस की सुरक्षा और पारदर्शिता को लेकर भी सवाल उठाए हैं। इंडिया गठबंधन जानना चाहता है कि वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने, हटाने, संशोधित करने या दोबारा बहाल करने का अधिकार किन अधिकारियों और संस्थाओं के पास था। इसके साथ ही यह भी पूछा गया है कि क्या निजी कंपनियों के कर्मचारियों या ठेकेदारों को मतदाता डेटा में बदलाव करने की विशेष अनुमति यानी राइट एक्सेस दी गई थी। इंडिया ब्लॉक का कहना है कि मतदाता सूची में होने वाले हर बदलाव का रिकॉर्ड सार्वजनिक जवाबदेही के लिहाज से बेहद जरूरी है। एसआईआर प्रक्रिया के दौरान नए मतदाताओं के पंजीकरण के लिए इस्तेमाल होने वाले फार्म-6 को लेकर भी विपक्ष ने सवाल किए हैं। आवेदन में ऑनलाइन फार्म-6 प्रक्रिया के तहत जोड़ी गई घोषणा और मैपिंग से संबंधित जानकारी मांगी गई है। विपक्ष जानना चाहता है कि घोषणा पत्र या जरूरी मैपिंग जानकारी जमा नहीं करने के कारण कितने आवेदन खारिज किए गए और कितने आवेदन लंबित रखे गए। इसके अलावा एसआईआर के दौरान कितने मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए, इसका आंकड़ा भी मांगा गया है।

आज सुप्रीम कोर्ट में होगी अहम सुनवाई

एसआईआर के खिलाफ दाखिल याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार 17 नवंबर को सुनवाई निर्धारित है। इससे पहले 27 अक्टूबर को मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन जजों की पीठ ने याचिकाकर्ताओं को चुनाव आयोग के जवाबी हलफनामे पर अपना पक्ष रखने के लिए 10 दिनों का समय दिया था। चुनाव आयोग ने अपने जवाब में कहा था कि एसआईआर से जुड़े तीनों प्रमुख फैसले सर्वसम्मति से लिए गए थे। अब इंडिया गठबंधन के 48 सवालों और आयोग के जवाबों पर सुप्रीम कोर्ट में होने वाली सुनवाई पर सबकी नजरें टिकी हैं। पश्चिम बंगाल में एसआईआर से जुड़ी प्रक्रिया भी विपक्ष के सवालों के केंद्र में है। इंडिया गठबंधन ने उन मामलों का ब्योरा मांगा है, जिनमें न्यायिक अधिकारियों ने मतदाता सूची में नाम शामिल करने का आदेश दिया था और उसके खिलाफ चुनाव आयोग की ओर से अपील दाखिल की गई। विपक्ष जानना चाहता है कि ऐसी कुल कितनी अपीलें दायर की गईं, उन्हें दाखिल करने की मंजूरी किन अधिकारियों ने दी और किन मानदंडों के आधार पर मामलों का चयन किया गया।

सीजेआई सूर्यकांत से सुप्रीम कोर्ट में वकील बोला

आप इस कुर्सी पर बैठने के लायक नहीं हैं, आपमें कोई ईमानदारी नहीं

वकील को कोर्ट से किया बाहर, कार्यवाही को म्यूट किया गया

● नई दिल्ली



सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को एक बहुत ही अजीब स्थिति पैदा हो गई। एक वकील ने भारत के चीफ जस्टिस से कह दिया कि आप इस कुर्सी पर बैठने के लायक नहीं हैं। सीजेआई सूर्यकांत ने शालीनता से कहा कि वो उनके मामले को देखेंगे, लेकिन वकील इसके लिए तैयार नहीं हुआ।

जस्टिस वी मोहना ने वकील को टोका भी कि वो इस तरह से मेंशन नहीं कर सकते। वकील के रवैए को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने अदालत की कार्यवाही के ऑडियो-वीडियो को म्यूट कर दिया। बाद में अदालत में मौजूद वकीलों ने बताया कि उस वकील को कोर्ट से बाहर ले जाया गया। उसने कथित रूप से यह भी कहा कि वह बेंच में मौजूद जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना का सम्मान करता है, लेकिन सीजेआई सूर्यकांत को लेकर उसने नहीं लगता कि वह इस पद के लायक हैं। कोर्ट में मौजूद अन्य वकीलों ने कथित रूप से उस वकील के खिलाफ कड़ी कर्रवाई का अनुरोध किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को सीजेआई सूर्यकांत की बेंच में बहुत ही हैरान कर देने वाली स्थिति पैदा हो गई। स्थिति को अप्रिय होते देख अदालत की कार्यवाही को म्यूट कर देना पड़ा। दरअसल, सीजेआई सूर्यकांत की बेंच के सामने पेश होकर एक वकील ने कहा कि वह एक अर्जेंट मामला मेंशन करना चाहते हैं और अदालत में अपने केस को मेंशन करने के तरीके पर खेद भी जताया। वकील ने सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई की अगुवाई वाली बेंच से कहा, यह आइटम 2 नवंबर को मिस्टर जस्टिस (सूर्यकांत) के ऑफिस में दिया गया था। 15 दिनों बाद इन्होंने मुझे जवाब नहीं दिया है। इसलिए मैं इस कोर्ट के सामने आने को मजबूर हुआ हूं। इसपर जस्टिस वी मोहना ने वकील को टोकते हुए कहा, आप कोई चीज इस तरह से मेंशन नहीं कर सकते।

(शेष पेज 8 पर)

सुप्रीम कोर्ट में पहले भी हो चुकी है ऐसी अप्रिय घटना

इसी साल जुलाई में सीजेआई सूर्यकांत की बेंच में ही इसी तरह की एक और घटना घटी थी। तब प्रबल प्रताप नाम का शख्स खुद ही याचिकाकर्ता बनकर पेश हुआ और सीजेआई सूर्यकांत के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की। हालांकि, बेंच ने उसे मानसिक रूप से परेशान मानकर उसके खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरू करने से मना कर दिया। इसके बाद से सुप्रीम कोर्ट में यह व्यवस्था शुरू हुई कि जब भी खुद याचिकाकर्ता अपने मामले की पैरवी करने के लिए पहुंचता है तो अदालत की कार्यवाही का ऑडियो-वीडियो प्रसारण बंद कर दिया जाता है। इससे पहले पिछले साल सीजेआई सूर्यकांत के कार्यभार संभालने से कुछ समय पहले (अक्टूबर, 2025) में राकेश किशोर नाम के एक 71 वर्षीय बुजुर्ग वकील ने तत्कालीन सीजेआई बीआर गवई की ओर अपना जूता फेंकने की कोशिश की थी। वह कथित रूप से मध्य प्रदेश के खजुराहो मंदिर में भगवान विष्णु की खंडित प्रतिमा की बहाली पर जस्टिस गवई के टिप्पणी से नाराज बताया गया था।

लश्कर का आतंकी कमांडर लतीफ भट एनकाउंटर में ढेर

सीआरपीएफ पर हमले का था मास्टरमाइंड, एक साथी भी मारा गया



● कुलगाम /

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में बड़ा एनकाउंटर हुआ है। इसमें लश्कर के आतंकी कमांडर लतीफ भट को सुरक्षा बलों ने ढेर कर दिया है। इसमें उसका एक साथी भी मारा गया है।

लतीफ भट पिछले दिनों सीआरपीएफ पर हुए हमले और मजदूरों की टारगेट किलिंग का मास्टरमाइंड था। उसे मारा जाना सुरक्षा बलों के लिए बड़ी कामयाबी है। बीते कई दिनों से उसकी तलाश में सर्च ऑपरेशन चल रहा था। अब्दुल लतीफ भट के आतंकवाद से जुड़ने की कहानी भी चर्चा में रही है। 22 साल का लतीफ कभी कारपेंटर का काम करता था, लेकिन फिर आतंकी संगठन का हिस्सा बन गया। सुरक्षा बलों के अनुसार वह कश्मीर घाटी का इकलौता सक्रिय आतंकवादी था, जो स्थानीय मूल का था। उस पर 15 लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया था। वह कुलगाम जिले के ही एक गांव का रहने वाला था। उसने 12वीं तक की पढ़ाई के बाद कॉलेज में एडमिशन लिया था, लेकिन पढ़ाई छोड़ दी। इसके बाद वह एक जगह पर कारपेंटर के तौर पर काम करने लगा था। वह 19 नवंबर 2025 को अपना घर से लापता हो गया था।

लंबे समय से थी लतीफ की तलाश

लतीफ भट सुरक्षा बलों की हाई प्रोफाइल लिस्ट में शामिल था। पुलिस और सुरक्षा बलों को उसकी कई मामलों में लाश थी। वह अनंतनाग में सुरक्षा बलों पर हमले का आरोपी था। सुरक्षा बलों ने उसकी कई बार घेरेबंदी की थी, लेकिन वह बच निकलता था। आखिरी बार दिसंबर 2025 में अनंतनाग में वह एक एनकाउंटर में बचकर भाग गया था। हिजबुल के आतंकी बुरहान वानी के बाद अब्दुल लतीफ भट एक ऐसा नया युवा आतंकी था, जो बीते कुछ समय में दहशतगर्दी का पोस्टरबॉय बन गया था।

बुलेटप्रूफ केबिन बनवा लो, फिर भी मारेंगे गोली

गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों की अमिताभ-अभिषेक को धमकी

● नई दिल्ली

पोस्ट में लिखा, 1984 के सिख विरोधी दंगों के दोषियों को माफ नहीं करेंगे

गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन और उनके बेटे अभिषेक बच्चन को जान से मारने की धमकी दी है। पोस्ट में गोल्डी ने 1984 के सिख विरोधी दंगों का जिक्र करते हुए कहा कि उन घटनाओं के दोषियों को कभी माफ नहीं किया जाएगा। गोल्डी ढिल्लों ने अपनी पोस्ट की शुरुआत वाहेगुरु जी का खालसा, वाहेगुरु जी की फतेह से की। उसने लिखा, मुंबई में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने हमारे दो साथियों विकास ठाकुर और दीपक सिंह को गिरफ्तार किया है। (शेष पेज 8 पर)

अमिताभ पर नारे लगाने के आरोप

अमिताभ बच्चन पर 1984 के सिख-विरोधी दंगों के दौरान हिंसा भड़काने वाले नारे लगाने के आरोप पहले भी लग चुके हैं। हालांकि, अभिनेता इन आरोपों से इनकार कर चुके हैं। साल 2011 में उन्होंने अकाल तख्त को पत्र लिखकर इन आरोपों को गलत बताया था।

शहडोल में बनेगा 'इंडस्ट्रियल पार्क' स्थानीय युवाओं को मिलेगा रोजगार

ब्यौहारी में सीएम ने जनजातीय गौरव सप्ताह कार्यक्रम को किया संबोधित, 357.71 करोड़ के 82 विकास कार्यों की दी सौगात

● भोपाल



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि देश के महान क्रांतिकारी और जननायक बिरसा मुंडा ने मात्र 25 वर्ष की आयु में अपने संघर्ष से तत्कालीन ब्रिटिश साम्राज्य को चुनौती दी। वे जल, जंगल और जमीन के लिए अपने कार्यों के आधार पर पूज्यनीय हो गए। वीर नायक भगवान बिरसा मुंडा ने देश और समाज के लिए अपना बलिदान दिया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में देशभर में बिरसा मुंडा जी की जयंती, राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाई जा रही है। अब 15 नवंबर की तिथि राष्ट्रीय गौरव का दिन बन चुकी है। भगवान बिरसा मुंडा सहित अनेक जनजातीय नायकों ने देश की आजादी के लिए जनजातीय क्षेत्रों में अलख जगाई, लेकिन देश की आजादी के बाद आई सरकारों ने हमारे जनजातीय महापुरुषों के योगदान को भुला दिया।

संजय टाइगर रिजर्व के लिए नया प्रवेश द्वार बनेगा

मुख्यमंत्री ने कटनी से सिंगरौली तक फोर लेन सड़क बनाने, ब्यौहारी विधानसभा में 10 करोड़ रूपए लागत से 18 किलोमीटर लंबी मुख्य सड़क बनाने, हनुमान मंदिर तक सुगम आवागमन के लिए 13 करोड़ लागत से बनने वाली सड़क को मंजूर करने, मऊ से चरखारी तक नई सड़क बनाने की घोषणा की। इसके साथ ही शहडोल में डिजिटल लाइब्रेरी और आधुनिक सुविधाओं से लैस ऑडिटोरियम बनाने, संजय टाइगर रिजर्व के लिए नया प्रवेश द्वार बनाने, हाथियों के सर्वेक्षण के लिए विशेष टीम शहडोल भेजने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि शहडोल में नए इंडस्ट्रियल पार्क का जल्द ही भूमिपूजन होगा।

अगर चर्च में नाच सकते हैं तो बार में क्यों नहीं

तिरुवनंतपुरम, आरएनएन। केरल हाई कोर्ट ने सोमवार को सवाल उठाया कि पुलिस किस आधार पर राज्य में डीजे पार्टियों और नाइटलाइफ को निशाना बना रही है। अदालत ने कहा कि सिर्फ संगीत पर नाचने को नशे के सेवन

केरल हाईकोर्ट ने पुलिस से किए तीखे सवाल

से जोड़कर नहीं देखा जा सकता और पुलिसिंग पूर्वाग्रहों या रूढ़ धारणाओं के आधार पर नहीं होनी चाहिए। जस्टिस देवन रामचंद्रन और जस्टिस बसंत बालाजी की डिवीजन बेंच राज्य सरकार की उस अपील पर सुनवाई कर रही थी, जो सिंगल जज के आदेश के खिलाफ दायर की गई थी। जज ने कोच्चि के एक होटल में देर रात होने वाले डीजे कार्यक्रमों पर रोक लगाने वाले पुलिस के नोटिसों को रद्द कर दिया था। होटल के पास एक्साइज डिपार्टमेंट से रात 3 बजे तक बार चलाने का लाइसेंस है। होटल ने पुलिस की ओर से लगाई गई पाबंदियों को चुनौती दी थी।

खराब ब्रेक के साथ 463 किमी तक दौड़ी वंदे भारत

नई दिल्ली, आरएनएन। वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें भारत की सबसे प्रीमियम ट्रेनों में शुमार है लेकिन अगर उस ट्रेन के साथ भी लापरवाही होगी तो रेलवे की साख पर बट्टा लगेगा। कुछ वैसा ही वाकया एक वंदे भारत ट्रेन के साथ हुआ है क्योंकि अक्टूबर में कथित तौर पर एक खराब ब्रेकिंग सिस्टम वाली वंदे भारत ट्रेन झारखंड से यूपी के झांसी तक चली गई लेकिन अधिकारियों ने इस पर कोई ध्यान नहीं दिया।

अधिकारियों ने नहीं दिया ध्यान, अब होगी जांच

रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रेन चला रहे लोकों पायलटों ने एक नहीं बल्कि कई बार अलग-अलग स्टेशनों पर कमजोर ब्रेकिंग सिस्टम की शिकायत की, लेकिन इस पर किसी का कोई ध्यान ही नहीं गया।

आत्मकथा | सोनिया बोलीं, भारत में उनके लिए कुछ चीजें शॉकिंग थी तो कुछ चीजें उन्हें समझ में ही नहीं आती थी

राहुल के नामकरण पर इंदिरा से अलग थी सोनिया की राय

● नई दिल्ली

सोनिया गांधी की किताब बिलॉन्गिंग अ जर्नी ऑफ लव आधिकॉरिक रूप से लॉन्च

सोनिया गांधी की चर्चित किताब बिलॉन्गिंग अ जर्नी ऑफ लव को सोमवार को दिल्ली में आधिकॉरिक रूप से लॉन्च किया गया। इस मौके पर सोनिया ने अपनी जिंदगी के अनछुए पहलुओं पर खुलकर बात की। सोनिया ने अपनी किताब में काफी डिटेल से घटनाओं का वर्णन किया है, इससे लगता है कि सोनिया अपने साथ गुजरने वाली घटनाओं और परिस्थितियों का रिकॉर्ड रखती थी। लेकिन सोनिया ने कहा कि वे किसी तरह की डायरी नहीं रखती थीं।

सोनिया ने राहुल गांधी के नामकरण को याद करते हुए कहा कि राहुल के जन्म के एक साल बाद नामकरण हो रहा था। मेरी सास के हाथ सबकुछ था। वे सभी चीजें आर्गनाइज कर रही थीं। लेकिन मुझे भारत में नामकरण परंपरा के बारे में पता नहीं था। इंदिरा जी पंडित बुलाकर नाम रखना चाहती थीं। मैं कह रही थी कि हमारे बच्चे का नाम रखना है तो इसके लिए पंडित क्यों जरूरी है। वो मेरा भी बेटा है, वो सिर्फ आपका पोता नहीं है, लेकिन इंडियन फैमिली में जब आप आते हैं तो उसी के होकर रह जाते हैं। बस... इसके बाद मेरी सास के साथ मेरा आर्गुमेंट हुआ, उसके बाद उन्होंने मुझे कहा- सॉरी।



राहुल-प्रियंका की वजह से किताब लिखी

सोनिया ने कहा, मैं हमेशा से अपने अंदर की भावनाओं और चीजों, लोगों और जगहों के बारे में जो महसूस करती हूं, उसे जाहिर करने में बहुत हिचकिचाती रही हूं। इसलिए, मैंने इसे एक तरह से नजरअंदाज कर दिया। लेकिन फिर, धीरे-धीरे, राहुल और प्रियंका दोनों के और मेरी एक प्यारी दोस्त मंजूलिका दुबे के जोर देने पर, मैं किताब लिखने के लिए मान गई।

इंदिरा जी को शुरुआत में मां कहना मुश्किल था...

कांग्रेस नेता ने अपने जीवन के पन्ने को उलटते हुए कहा कि हां मैं इंदिरा से डरी रहती थी। मुझे समझ में नहीं आता था कि मैं उनसे कैसे बात करूं। मेरे पति और संजय उन्हें मां कहते थे, मुझे भी इंदिरा जी को मां या मम्मी कहना था। ये एक ऐसी चीज थी जिसे मैं कतई नहीं करने वाली थी। क्योंकि मेरे लिए मेरी एक ही मां थी, मेरी इटालियन मां। और मैं उन्हें मां नहीं कहने वाली थी। इसलिए मैं कोशिश करती थी कि मुझे उन्हें सीधे एप्रोच नहीं करना पड़ा। लेकिन धीरे-धीरे चीजें सामान्य हुईं। सोनिया ने कहा कि जब इंदिरा जी को गुस्सा आता था तो मुझे अपने पिता की याद आ जाती थी। मैं फ्रीज हो जाती थी। तब राजीव और संजय चुप हो जाते थे और तूफान के शांत हो जाने का इंतजार करते थे। कांग्रेस नेता ने कहा कि राजीव का भी गुस्सा काफी बुरा होता था, उन्हें गुस्सा कभी कभार आता था, लेकिन जब आता था तो काफी बुरा होता था।

बिलकिस बानो केस में दो की उम्रकैद पर रोक

● नई दिल्ली /

- सुप्रीम कोर्ट ने जेल में 17 साल बिताने के आधार पर लिया फैसला
- इनमें से एक शख्स गंभीर रूप से शारीरिक रूप से दिव्यांग

सुप्रीम कोर्ट ने 2002 के बिलकिस बानो गैंगरेप केस में दोषी पाए गए दो लोगों की उम्रकैद की सजा पर रोक लगा दी है और उन्हें सशर्त जमानत दे दी है।

कोर्ट ने यह फैसला दोनों के 17 साल से ज्यादा समय जेल में बिताने के आधार पर लिया। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस प्रसन्ना बी वराले की बेंच ने 28 अक्टूबर को यह आदेश दिया। जिन दो दोषियों को जमानत मिली है, उनके नाम बिपिनचंद्र कनैयालाल जोशी और प्रदीप रामनलाल मोढिया हैं। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि दोनों को ट्रायल कोर्ट की तरफ से तय की जाने वाली शर्तों के आधार पर रिहा किया जाए। अपने आदेश में कहा कि दोनों दोषी 17 साल से ज्यादा समय जेल में बिता चुके हैं। कोर्ट ने यह भी ध्यान दिया कि उनमें से एक शख्स गंभीर रूप से शारीरिक रूप से दिव्यांग है।

संक्षिप्त समाचार

घर से निकलते समय आखिरी दिन समझना... कनाडा में बैठे गैंगस्टर ने दिल्ली के कारोबारी से मांगी 2 करोड़ की रंगदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेश में बैठकर दिल्ली में रंगदारी का नेटवर्क चलाने के आरोपी पूठ खुर्द निवासी नितिन डबास उर्फ विक्की हड्डुल ने मंगोलपुर कलां के एक टाइल्स कारोबारी से 2 करोड़ की रंगदारी मांगी है।

आरोप है कि वह फोन और वायस नोट भेजकर कारोबारी को जान से मारने की धमकी दे रहा है। कारोबारी ने पुलिस में औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई है, इसलिए केस दर्ज नहीं हुआ।

वायस नोट में कारोबारी को रोज घर से निकलते समय अपना आखिरी दिन समझने की धमकी दी गई है। धमकी देने वाला कहता है कि वह कहीं भी चला जाए, कोई सिफारिश उसे नहीं बचा पाएगी और पैसे दिए बिना उसका पीछा नहीं छूटेगा। पुलिस का कहना है कि शिकायत नहीं मिलने के कारण कार्रवाई नहीं हुई।

टाइल्स गोदाम पर गोलीबारी: बवाना और कीर्ति नगर के बाद मंगोलपुर में कारोबारी को धमकी मिलने से आशंका जताई जा रही है कि कोई व्यक्ति गैंगस्टर तक कारोबारियों की जानकारी पहुंचा रहा है। 19 अक्टूबर को पूठ खुर्द में टाइल्स गोदाम पर गोलीबारी हुई थी, जिसमें नितिन गैंग का नाम सामने आया था। 20 अक्टूबर को कीर्ति नगर में मार्बल कारोबारी के गोदाम पर हुई फायरिंग को भी इसी गैंग से जोड़ा जा रहा है।

विक्की करीब तीन वर्ष पहले कनाडा गया था। वहां से रंगदारी, फायरिंग और हत्या की साजिश रचने का आरोप है। उसका नाम अमेरिका में हिरासत में लिए गए हरियाणा के गैंगस्टर हिमांशु उर्फ भाऊ के नेटवर्क से भी जुड़ा बताया जाता है। विक्की सोशल मीडिया के माध्यम से कम उम्र के लड़कों को गिरोह से जोड़ता है और कनाडा में बसाने का लालच देता है। इसके बाद सोशल कालिंग एप से संपर्क कर उन्हें हथियार और पैसे दिए जाते हैं और कारोबारियों के ठिकानों की रेकी कराकर फायरिंग जैसी वारदात कराई जाती है।

एनडीएमसी कर्मचारियों पर गिरेगी गाज, बायोमेट्रिक अटेंडेंस नहीं लगाने वालों की रुकेगी सैलरी



नई दिल्ली, एजेंसी। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) में अधिकारियों और कर्मचारियों की कार्यप्रणाली को लेकर अब सख्ती शुरू हो गई है। कार्यालय में समय पर नहीं पहुंचने और बायोमेट्रिक हाजिरी नहीं लगाने वाले कर्मचारियों पर कार्रवाई की तैयारी है।

एनडीएमसी चेयरमैन मनोज कुमार द्विवेदी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि आधार आधारित बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली में पंजीकरण नहीं कराने वाले और पंजीकरण कराने के बावजूद हाजिरी नहीं लगाने वाले कर्मचारियों का वेतन रोक दिया जाए।

पूरी तरह अनुपालन होने तक उनका वेतन जारी नहीं किया जाएगा। हालांकि फिलहाल दो सप्ताह का समय दिया गया है अगर फिर भी पंजीकरण नहीं किया गया तो वेतन नहीं मिलेगा।

एनडीएमसी की रिपोर्ट के अनुसार 13376 कर्मचारियों में से महज 4352 ने ही बायोमेट्रिक हाजिरी 10 नवंबर को लगाई। वहीं, 9024 कर्मचारियों की उपस्थिति इस प्रणाली में दर्ज नहीं हुई। यानी करीब 67.5 प्रतिशत कर्मचारी बायोमेट्रिक हाजिरी नहीं लगा रहे हैं। केवल 32.5 प्रतिशत कर्मचारियों की ही उपस्थिति दर्ज हुई है। विभागवार आंकड़ों में सबसे खराब स्थिति सिविल इंजीनियरिंग विभाग की है। यहां 2789 कर्मचारियों में से 876 ने ही हाजिरी लगाई, जबकि 1913 की उपस्थिति दर्ज नहीं हुई। जनस्वास्थ्य विभाग में 2061 में से 405 कर्मचारियों ने हाजिरी लगाई और 1656 की उपस्थिति दर्ज नहीं हुई। बिजली विभाग के 1939 कर्मचारियों में से 448 ने ही बायोमेट्रिक हाजिरी लगाई। यहां 1491 कर्मचारियों की उपस्थिति दर्ज नहीं हुई। इसी तरह शिक्षा विभाग के 1810 कर्मचारियों में से 652, जबकि उद्यान विभाग के 1279 कर्मचारियों में से 431 ने ही हाजिरी लगाई। चिकित्सा सेवा विभाग में 647 में से 230 कर्मचारियों की उपस्थिति दर्ज हुई। 13 नवंबर को अधिकारियों के साथ साझा किए गए निर्देशों में चेयरमैन ने सभी विभागाध्यक्षों (एचओडी) को अपने विभाग की रिपोर्ट की समीक्षा करने को कहा है। अगले दो सप्ताह में बायोमेट्रिक प्रणाली में पंजीकरण कराने के लिए सर्कुलर जारी करने का निर्देश दिया गया है।

इलाज के साथ बिजनेस भी कर सकेंगे डॉक्टर

एम्स ने लागू की फैकल्टी एंटरप्रेन्योरशिप पॉलिसी



नई दिल्ली, एजेंसी। चिकित्सा अनुसंधान को अब सिर्फ शोध पत्रों और प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं रखा जाएगा। एम्स के डॉक्टर और वैज्ञानिक अपने शोध, आविष्कार और नई चिकित्सा तकनीक को बाजार तक पहुंचाने के लिए खुद मेडिकल स्टार्टअप शुरू कर सकेंगे। इसके लिए एम्स प्रबंधन ने फैकल्टी एंटरप्रेन्योरशिप पॉलिसी लागू की है। इस पहल से चिकित्सा क्षेत्र में स्वदेशी तकनीक, उपकरण और जांच की नई विधियों के विकास को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। खास बात यह है कि स्टार्टअप में एम्स की पांच प्रतिशत हिस्सेदारी होगी, जो आगे निवेश आने पर भी कम नहीं होगी।

आईआईटी की तर्ज पर तैयार इस नीति का उद्देश्य संस्थान में होने वाले शोध को व्यावहारिक उपयोग में लाना और उसका लाभ सीधे मरीजों तक पहुंचाना है। इसके तहत फैकल्टी सदस्य अपना स्टार्टअप स्थापित करने के साथ किसी मौजूदा स्टार्टअप से भी जुड़ सकेंगे।

यह पहल केंद्र सरकार की आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया और स्टार्टअप इंडिया मुहिम के अनुरूप है। इससे विदेशी तकनीक और उपकरणों पर निर्भरता कम करने में भी मदद मिल सकती है।

2 साल की सेवा पूरी करना अनिवार्य

नीति के तहत एम्स में नियमित नियुक्ति वाले और कम से कम दो साल की सेवा पूरी कर चुके फैकल्टी सदस्य ही इसका लाभ उठा सकेंगे। वे स्टार्टअप में संस्थापक, प्रमोटर, निदेशक, शेयरधारक, सलाहकार या मेंटर की भूमिका निभा सकेंगे। हालांकि, मरीजों का उपचार, शिक्षण और शोध उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी बनी रहेगी।

स्टार्टअप से जुड़े काम के लिए वे अपने नियमित कार्य समय का अधिकतम 20 प्रतिशत हिस्सा ही दे सकेंगे। इससे अधिक समय देने के लिए संस्थान की अनुमति लेकर बिना वेतन छुट्टी लेनी होगी।

लैब और तकनीकी सलाह

एम्स में पहले से सेंटर फार मेडिकल इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप (सीएमआईई) के रूप में बायो-इंक्यूबेटर स्थापित है। इसके माध्यम से स्टार्टअप शुरू करने वाले फैकल्टी सदस्यों को तकनीकी सलाह, प्रयोगशाला और आधुनिक उपकरणों की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। हालांकि, एम्स की बौद्धिक संपदा या संस्थान में विकसित तकनीक का इस्तेमाल करने के लिए संबंधित स्टार्टअप को लाइसेंस और जरूरी मंजूरी लेनी होगी।

मरीजों को मिलेंगे उत्पाद

नीति में यह भी प्रावधान किया गया है कि इन स्टार्टअप के उत्पाद एम्स में उपचार कराने वाले मरीजों को निशुल्क या रियायती दरों पर उपलब्ध कराए जाएंगे। एक फैकल्टी सदस्य अधिकतम पांच स्टार्टअप से जुड़ सकेगा। हालांकि, सभी स्टार्टअप में उसकी कुल हिस्सेदारी 25 प्रतिशत से अधिक नहीं हो सकेगी। वहीं, प्रत्येक स्टार्टअप में एम्स की पांच प्रतिशत हिस्सेदारी सुनिश्चित की गई है। एम्स प्रबंधन का मानना है कि इस नीति से संस्थान में विकसित होने वाली नई तकनीकों को व्यावसायिक रूप देने का रास्ता खुलेगा। इससे स्वदेशी चिकित्सा उपकरण, जांच की तकनीक और उपचार के नए विकल्प विकसित हो सकेंगे। साथ ही, चिकित्सा क्षेत्र में शोध करने वाले डाक्टरों और वैज्ञानिकों को अपने नवाचार को मरीजों के लिए उपयोगी उत्पाद में बदलने का अवसर मिलेगा।

भारतीय रेलवे ने फ्रेट कॉरिडोर तो बना लिए, ग्राहक ट्रकों के बजाय रेल से कराएंगे माल ढुलाई?

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रेलवे माल ढुलाई के एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है। पूर्वी और पश्चिमी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर अब पूरी तरह से चालू हो गए हैं, जिससे क्षमता में वृद्धि हुई है और माल की आवाजाही तेज और अधिक भरोसेमंद हो गई है।

भविष्य में क्षमता और बढ़ने वाली है। एक प्रस्तावित पूर्व-पश्चिम कॉरिडोर पूरे देश में कनेक्टिविटी को और मजबूत करेगा। कई दशकों तक निवेश की कमी झेलने के बाद अब रेल माल ढुलाई के पास प्रतिस्पर्धा करने के लिए जरूरी बुनियादी ढांचा मौजूद है लेकिन केवल बुनियादी ढांचे के दम पर सड़क मार्ग से माल ढुलाई का काम वापस नहीं जीता जा सकता।

सामने कई चुनौतियां: अब चुनौती केवल ट्रैक बिछाने की नहीं है, बल्कि ग्राहकों को यह समझाने की है कि वे ट्रकों के बजाय रेल मार्ग को चुनें। पहली नजर में रेल माल ढुलाई (फ्रेट) काफी फलती-फूलती दिखती है। माल की लोडिंग वित्त वर्ष 2015 में 1,098 मिलियन टन से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 में 1,617 मिलियन टन हो गई है और पिछले वित्त वर्ष में तो यह रिकॉर्ड 1,670 मिलियन टन तक पहुंच गई थी। फिर भी भारत की लॉजिस्टिक्स प्रणाली में रेल की स्थिति इन आंकड़ों के मुकाबले काफी कमजोर है। हाल ही में एक संसदीय समिति ने अनुमान लगाया है कि वित्त वर्ष 2025 में राष्ट्रीय माल ढुलाई में रेल की हिस्सेदारी केवल 27 प्रतिशत के आसपास है।

एएमसीए एयरक्राफ्ट को विकसित करने की दिशा में बड़ा कदम, 3 कंपनियों ने जमा की बोली; मूल्यांकन जारी



नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पांचवीं पीढ़ी के स्टील्थ फाइटर एयरक्राफ्ट को विकसित करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए तीन भारतीय दावेदारों ने रक्षा मंत्रालय द्वारा गठित एक उच्च-स्तरीय समीक्षा समिति के समक्ष अपनी बोलियां जमा की हैं।

ये बोलियां 15,000 करोड़ रुपये के एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट) कार्यक्रम के लिए प्रोटोटाइप विकसित करने से जुड़ी हैं और फिलहाल इनका मूल्यांकन किया जा रहा है।

किन कंपनियों ने जमा की बोली टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट में इंडस्ट्री के सूत्रों के हवाले से बताया गया कि इन तीन दावेदारों में एलएंडटी के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम (जिसमें बीइएल और डायनामैटिक शामिल हैं), टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड और भारत फोर्ज के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम शामिल हैं। इन तीनों ने 30 अक्टूबर की समय-सीमा तक अपनी-अपनी बोलियां जमा कर दी हैं। इन तीनों में से केवल ञ्जस्रु ही अकेली बोली लगाने वाली कंपनी है।

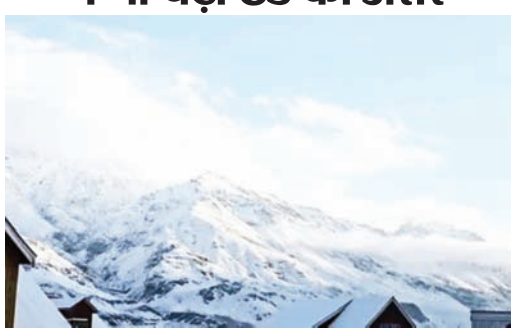
कब खोली गई बोलियां?: रिपोर्ट के मुताबिक, डीआरडीओ की प्रयोगशाला एरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी द्वारा डिजाइन किए गए पांच एएमसीए प्रोटोटाइप विकसित करने के लिए एक डेवलपमेंट-कम-प्रोडक्शन पार्टनर चुनने के वास्ते 1 नवंबर को बोलियां खोली गईं। बेंगलुरु स्थित एडीए ने इस परियोजना की परिकल्पना की थी और यही पांच ट्विन-इंजन एएमसीए प्रोटोटाइप के निर्माण की देखरेख करेगा।

दिल छू लेने वाली पहल, टायटेल्स और फीडिंग इंडिया ने 20000 जरूरतमंद बच्चों के हाथों में पहुंचाए रंग-बिरंगे खिलौने



नई दिल्ली, एजेंसी। जरूरतमंद बच्चों के जीवन में खुशियों के कुछ यादगार पल जोड़ने के उद्देश्य से टायटेल्स ने फीडिंग इंडिया के साथ मिलकर विशेष पहल की। इसके तहत देशभर के करीब 20 हजार बच्चों तक खिलौने पहुंचाए गए। इस आयोजन में बच्चों के लिए रस्साकशी सहित कई मनोरंजक खेल और गतिविधियां आयोजित की गईं। बच्चों ने उत्साह के साथ इनमें भाग लिया। कार्यक्रम का सबसे यादगार पल तब आया, जब बच्चों के सामने खिलौनों से भरे बक्से खोले गए। रंग-बिरंगे मुलायम खिलौने पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे। लक्ष्य निर्धारित किया उन्होंने खिलौनों के साथ मस्ती की और नृत्य कर अपनी खुशी जाहिर की। टायटेल्स के निदेशक गौरव गोयल ने इस पहल का विस्तार करते हुए अगले चरण में दो लाख बच्चों तक पहुंचने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

पहाड़ों में बर्फ की सफेद चादर से ढकी ऊंची चोटियां, मैदानों में भी बढ़ा ठंड का असर



नई दिल्ली, एजेंसी। पहाड़ों में ऊंची चोटियां बर्फ की सफेद चारद से ढक गई हैं। उत्तराखंड में बदरीनाथ, हेमकुंड साहिब और पंचाचूली सहित उच्च क्षेत्रों में रविवार को हिमपात हुआ। हिमाचल में लाहुल स्पीति, रोहतांग व कुल्लू के जलोड़ी और कश्मीर में सोनमर्ग व जोजिला में जबर्दस्त बर्फबारी हुई। मौसम का मिजाज बदलने से पहाड़ से लेकर मैदानों तक ठंड बढ़ी है। दिल्ली-एनसीआर सहित उत्तर भारत के राज्यों में भी ठंड का असर बढ़ रहा है।

देहरादून-मसूरी के इलाकों में हल्की बूंदाबांदी: वहीं कुमाऊं मंडल की व्यास, दारमा और जोहार घाटियों में भी बर्फबारी दर्ज की गई। मुनस्यारी के खलिया टाप में इस सीजन का पहला हिमपात हुआ है। देहरादून और मसूरी के कुछ क्षेत्रों में भी हल्की बूंदाबांदी हुई। वहीं नैनीताल, अल्मोड़ा और बागेश्वर में हल्की बूंदाबांदी दर्ज की गई। जौलजीबी में वर्षा और तेज हवाओं के कारण मेले के लिए लगाए गए बैनर और पोस्टर उड़ गए।

कश्मीर में एक से दो इंच गिरी बर्फ: कश्मीर में सोनमर्ग, गुरेज घाटी और जोजिला दर्रे में करीब एक से दो इंच बर्फ गिरी। विश्व विख्यात पर्यटन स्थल गुलमर्ग में भी हल्की बर्फबारी हुई। गुलमर्ग में शनिवार रात का तापमान माइनस 2.5 डिग्री तक पहुंच गया। घाटी के अधिकांश जिलों में दिन का तापमान भी सामान्य से दो से चार डिग्री नीचे चल रहा है। जम्मू संभाग के भी कई जिलों में न्यूनतम तापमान दो से चार डिग्री होने से ठंड बढ़ी है। हिमाचल में लाहुल स्पीति, रोहतांग और जलोड़ी जोत में बर्फ की सफेद चादर पर्यटकों को आकर्षित कर रही है। खासकर ऊंची चोटियों पर हुए हिमपात ने पर्यटन कारोबार को रफ्तार दी है।

दिल्ली एनसीआर में पॉल्यूशन को लेकर केंद्रीय मंत्री सख्त, नेहा बोरा के पत्र पर पर्यावरण मंत्रालय का जवाब





नई दिल्ली। दिल्ली और आस-पास के शहरों की खराब हवा के मुद्दे पर ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा) अध्यक्ष नेहा बोरा ने केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव को एक पत्र लिखा था। नेहा बोरा के पत्र का पर्यावरण मंत्रालय ने जवाब देते हुए कहा है कि केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव दिल्ली-एनसीआर राज्यों में वायु प्रदूषण की समस्या को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहे हैं।

मंत्रालय ने नेहा बोरा के पत्र का दिया जवाब: पर्यावरण मंत्रालय ने 12 नवंबर, 2026 को भेजे गए उनके ईमेल का संज्ञान लेते हुए स्पष्ट किया है कि केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव दिल्ली-एनसीआर राज्यों में वायु प्रदूषण की समस्या को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहे हैं। आधिकारिक जवाब में बताया गया है कि केंद्रीय मंत्री राज्य सरकारों और स्थानीय प्राधिकरणों द्वारा प्रदूषण नियंत्रण के लिए उठाए जा रहे कदमों की लगातार निगरानी और समीक्षा कर रहे हैं। बीते 14 नवंबर 2026 को दिल्ली-हृष्टक्र राज्यों के साथ हुई अपनी उच्चस्तरीय बैठक में उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि प्रदूषण नियंत्रण के उपायों को केवल कागजों तक सीमित न रखकर जमीनी स्तर पर सख्ती से लागू किया जाए।

तुर्किए दौरे पर केंद्रीय मंत्री: पर्यावरण मंत्रालय ने जवाब में यह भी स्पष्ट किया है कि केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव फिलहाल तुर्किए दौरे पर हैं, जहां वे संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। विदेश दौरे पर होने के बाद भी वे दिल्ली एनसीआर की वायु गुणवत्ता की स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।

नेहा बोरा ने पत्र में क्या लिखा था?: नेहा बोरा ने दिल्ली एनसीआर की खराब हवा को लेकर केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव को मेल लिखकर मुलाकात का समय मांगा था। यह मेल भवरीन कंधारी एक वॉरियर मॉम जो क्लाइमेट चेंज के खिलाफ लड़ रही हैं।

उर्वशी प्रसाद जो खुद एक कैंसर पीड़िता हैं और पर्यावरणीय मुद्दों पर लगातार काम कर रही हैं। रिटायर्ड कैप्टन आशीष जैकब जो लगातार एयर पॉल्यूशन के खिलाफ मुहिम चला रहे हैं की ओर से केंद्रीय मंत्री को लिखा गया था।

हर शहर में वरिष्ठ अधिकारियों की होगी तैनाती

प्रदूषण नियंत्रण के नियमों को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए केंद्रीय मंत्री ने निर्देश दिया है कि दिल्ली एनसीआर राज्यों के प्रत्येक शहर में सचिव स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों की तैनाती की जाए। ये अधिकारी अपने-अपने शहरों में प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े कार्यों और नियमों पर बारीकी से नजर रखेंगे, ताकि जमीनी स्तर पर ठोस परिणाम दिख सकें। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और आस-पास के इलाकों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिए गठित वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (CAQM) भी सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। CAQM दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान की राज्य सरकारों तथा स्थानीय निकायों के प्रयासों में बेहतर समन्वय स्थापित कर रहा है, जिससे जमीनी स्तर पर वायु प्रदूषण की चुनौती से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके।

खाद्य पदार्थों के भ्रामक दावों पर FSSAI सख्त, गलत लेबलिंग पर 10 लाख तक जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी। किसी फूड पैकेट पर 100 प्रतिशत शुद्ध फलों का रस, असली शहद या साबुत अनाज वाले बिस्कुट होने का दावा किया जाता है लेकिन भारत में अब यह आम बात हो गई है कि ऐसे दावों को बढ़ा-चढ़ाकर बताया जाता है।

एक और स्थिति यह है कि ऑनलाइन ग्रोसरी प्लेटफॉर्म पर बताई गई सामग्री और घर पर डिलीवर होने वाले सामान में अंतर होता है। ऑनलाइन ग्रोसरी शॉपिंग का चलन बढ़ने के साथ इस तरह की गड़बड़ियां खाद्य सुरक्षा और उपभोक्ता संरक्षण के लिए एक गंभीर चिंता का विषय बनती जा रही हैं।

तय की गई जिम्मेदारियां: खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006, उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 और विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 के तहत निर्माताओं, विक्रेताओं और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्मों के लिए कुछ जिम्मेदारियां तय की गई हैं। लेकिन इसके लिए यह जानना जरूरी है कि भ्रामक लेबलिंग क्या होती है, किस अथॉरिटी से संपर्क करना चाहिए और सही सबूत कैसे सुरक्षित रखने चाहिए।

FSSAI के हालिया आंकड़ों के अनुसार, 1,133 लाइसेंस सस्पेंड किए गए, 52 रद किए गए और 314 परिसरों को सील किया गया। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, FSSAI के नेशनल रिसोर्स पर्सन अश्विन भद्री का कहना है कि असली चुनौती तब शुरू होती है जब इंस्पेक्शन टीम वहां से चली जाती है। इंस्पेक्शन और दंडात्मक कार्रवाई जरूरी है क्योंकि इससे कारोबारियों को याद रहता है कि अधिकारी उन पर नजर रख रहे हैं, लेकिन ऐसे अस्थायी उपाय बार-बार होने वाले नियमों के उल्लंघन के मूल कारणों को दूर नहीं करते।

हिट एंड रन मामलों के 75 प्रतिशत पीड़ितों को नहीं मिल पा रहा मुआवजा

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में दुर्घटना और हिट एंड रन मामलों में पीड़ित और उनके परिवारों को मिलने वाले सरकारी मुआवजे को लेकर चौंकाने वाला खुलासा हुआ है।

सरकारी आंकड़ों के आधार पर तैयार रिपोर्ट के अनुसार, मोटर वाहन अधिनियम के तहत मुआवजे के पात्र लगभग 75 प्रतिशत पीड़ित और उनके परिजन इस आर्थिक सहायता से वंचित रह जाते हैं।

मैनेजमेंट कंसल्टेंसी फर्म प्रिमस पार्टनर्स की रिपोर्ट में खुलासा: मैनेजमेंट कंसल्टेंसी फर्म प्रिमस पार्टनर्स की रिपोर्ट से पता चलता है कि हर साल लगभग 70000 हिट-एंड-रन के मामले सामने आते हैं, जिनमें 30000 से ज्यादा लोगों की जान चली जाती है और 16000 लोग गंभीर रूप से घायल हो जाते हैं।

मोटर वाहन अधिनियम के मुआवजे के नियमों के हिसाब से सभी मामलों को देखते हुए कुल वार्षिक मुआवजा लगभग 600 करोड़ होना चाहिए। हालांकि, पिछले चार साल में 300 करोड़ रुपये से भी



मुआवजा दिया गया है, जो मुआवजे के वितरण में एक बड़ी कमी को दर्शाता है।

पीड़ितों तक नहीं पहुंच रहा है लाभ: केंद्र सरकार द्वारा फरवरी 2022 में शुरू की गई संशोधित मुआवजा योजना के तहत हिट एंड रन मामले में मृत्यु होने पर 2 लाख रुपये और गंभीर रूप से घायल होने पर 50000 रुपये की सहायता देने का प्रावधान है।

रिपोर्ट के आंकड़े बताते हैं कि सलाना 46000 से ज्यादा मौतों और गंभीर चोटों के बाद भी हर साल 10000 से भी कम दावे दाखिल किए जाते हैं।

इनमें से भी सलाना 8000 से कम आवेदकों को ही वास्तव में मुआवजा मिल पाता है। परिणामस्वरूप, योजना लागू होने के चार साल बाद भी सरकार की वार्षिक देनदारी का 25 प्रतिशत से कम हिस्सा ही पीड़ितों तक पहुंच पा रहा है।

जागरूकता का अभाव और जटिल प्रक्रिया: रिपोर्ट में मुआवजा वितरण की इस सुस्त रफ्तार के पीछे कई प्रमुख कारण बताए गए हैं, जैसे की जागरूकता की कमी, जानकारी का अभाव, जटिल और लंबी प्रक्रिया, प्रशासनिक अड़चनें, मुआवजे के वितरण में अनावश्यक चरण और लोगों को हतोत्साहित करने वाली शर्तें।

रिपोर्ट में पाया गया कि 80 प्रतिशत से ज्यादा लोगों को इस योजना के बारे में बिल्कुल भी जानकारी नहीं थी, और जो लोग इसके बारे में जानते थे उन्हें यह नहीं पता था कि इसके लए फॉर्म या दिशा-निर्देश कहां से प्राप्त करें।

रिपोर्ट में सुधार के दिए गए सुझाव: इस व्यवस्था को पारदर्शी और सुगम बनाने के लिए रिपोर्ट में कई महत्वपूर्ण सिफारिशें की गई हैं, जैसे कि इस योजना को जिला पुलिस विभाग के माध्यम से लागू किया जाना चाहिए ताकि जैसे ही किसी सड़क दुर्घटना को हिट-एंड-रन मामला माना जाए।

ठगने का नया तरीका, 2 के लालच में 41000 मोबाइल बने हथियार; दिल्ली पुलिस ने खोला 10 करोड़ की ठगी का राज

नई दिल्ली, एजेंसी। डिजिटल अरेस्ट और निवेश के नाम पर झांसा देकर ठगी करने वाले गिरोह तो हर दिन सामने आते हैं। लेकिन, दिल्ली पुलिस ने एक ऐसे गिरोह का पर्दाफाश किया है, जो ठगी का संदेश भेजने के लिए भी आम लोगों के मोबाइल का इस्तेमाल कर रहे थे।

खास बात ये है कि ठगी का संदेश भेजने वाले मोबाइल के स्वामी 2 रुपये के लालच में ठगों के जाल में फंस रहे थे और उन्हें भनक तक नहीं लग रही थी।

पुलिस की जांच में अब तक ऐसे ही 41 हजार लोगों के मोबाइल फोन इस्तेमाल कर 600 से अधिक लोगों को ठगे जाने की बात सामने आ चुकी है। गिरोह के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी पर ये संख्या और बढ़ सकती है।

10 करोड़ रुपये की ठगी: दक्षिण-पश्चिमी जिले की साइबर सेल थाना पुलिस ने एक नंबवर को 2.21 लाख रुपये की ठगी के मामले की जांच करते हुए देशभर में फैले साइबर ठग गिरोह का पर्दाफाश किया था। इसमें 10 करोड़ रुपये की ठगी का मामला सामने आया था।

रियासतकाल में रेल का सपना देखा, आजादी के 79 साल बाद भी पटरियों का इंतजार!

शाहपुरा को रेल नेटवर्क से जोड़ने की मांग फिर तेज, प्रधानमंत्री मोदी के नाम ज्ञापन; दिल्ली-जयपुर से उदयपुर-अहमदाबाद तक रेल कॉरिडोर बनाने का प्रस्ताव, रियासतकालीन रेल योजना के अवशेषों की जांच की उठी मांग...

स्मार्ट हलचल



शाहपुरा । कभी अपनी रियासत, इतिहास, संस्कृति और राजनीतिक पहचान के दम पर राजस्थान के नक्शे पर खास मुकाम रखने वाला शाहपुरा आज भी रेल के नक्शे पर अपनी जगह तलाश रहा है। आजादी से पहले शाहपुरा को रेल मार्ग से जोड़ने की योजना पर प्रारंभिक काम होने की ऐतिहासिक चर्चाएं और जानकारियां सामने आती रही हैं, लेकिन आजादी के इतने दशक गुजरने के बाद भी यहां रेल की सीटी सुनाई नहीं दी। अब शाहपुरा को रेल नेटवर्क से जोड़ने की पुरानी मांग ने एक बार फिर जोर पकड़ा है। शाहपुरा जन सेवा समिति ने इस मुद्दे को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक पहुंचाते हुए न केवल रेल लाइन की मांग उठाई है, बल्कि रियासतकालीन रेल योजना की फाइलों और उसके संभावित अवशेषों की जांच कराने की भी मांग की है। समिति की ओर से उपखंड अधिकारी शाहपुरा के माध्यम से प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया। इसमें शाहपुरा को प्रस्तावित दिल्ली-जयपुर-टोडारायसिंह-केकड़ी-शाहपुरा-गंगापुर-नाथद्वारा-उदयपुर-अहमदाबाद रेल कॉरिडोर से जोड़ने की मांग की गई है। इस प्रस्ताव ने शाहपुरा के विकास से जुड़े एक पुराने सवाल को फिर चर्चा के केंद्र में ला दिया है कि आखिर ऐतिहासिक महत्व रखने वाला यह नगर रेल सुविधा से कब जुड़ेगा?

रियासतकाल की योजना, आज भी अधूरा सपना!

ज्ञापन में समिति के जनसेवक शिवराज कोली ने शाहपुरा के ऐतिहासिक महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि आजादी से पूर्व शाहपुरा एक स्वतंत्र रियासत था। राजस्थान की 19 रियासतों में इसका अपना विशिष्ट स्थान रहा है। यहां की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, प्रशासनिक और राजनीतिक विरासत प्रदेश के इतिहास का महत्वपूर्ण हिस्सा रही है। समिति का कहना है कि स्थानीय ऐतिहासिक मान्यताओं और उपलब्ध जानकारियों के अनुसार रियासतकाल में शाहपुरा को रेल मार्ग से जोड़ने की योजना पर प्रारंभिक कार्य हुआ था। यदि इस प्रस्ताव से जुड़े पुराने अभिलेख, नक्शे और तकनीकी दस्तावेज उपलब्ध हैं तो उनकी पड़ताल की जानी चाहिए। इतना ही नहीं, पुराने प्रस्तावित मार्ग पर मिट्टी की पाल, पुलिया अथवा अन्य निर्माण अवशेषों की भी तकनीकी जांच कराई जाए, ताकि यह पता चल सके कि उस समय रेल लाइन को लेकर किस स्तर तक काम हुआ था। समिति ने इस ऐतिहासिक पहलू को केवल अतीत की चर्चा मानकर छोड़ने के बजाय इसे वर्तमान रेल विकास की संभावनाओं से जोड़ने की मांग की है।

दिल्ली से अहमदाबाद तक रेल कॉरिडोर में शाहपुरा को मिले स्थान

ज्ञापन में सबसे महत्वपूर्ण मांग दिल्ली-जयपुर-टोडारायसिंह-केकड़ी-शाहपुरा-गंगापुर-नाथद्वारा-उदयपुर-अहमदाबाद रेल कॉरिडोर की व्यवहार्यता जांचने की है। समिति का मानना है कि इस संभावित रेल मार्ग का सर्वे कराया जाए और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कराई जाए। प्रस्ताव के अनुसार शाहपुरा को इस कॉरिडोर में प्रमुख रेलवे स्टेशन के रूप में शामिल करने पर विचार किया जाना चाहिए। इससे न केवल शाहपुरा बल्कि आसपास के ग्रामीण और कस्बाई क्षेत्रों को भी रेल संपर्क का लाभ मिल सकता है। समिति ने मांग की है कि प्रस्तावित रेल मार्ग की तकनीकी, आर्थिक और यात्री परिवहन संबंधी संभावनाओं का अध्ययन कर इसे भविष्य की रेल योजनाओं में शामिल करने की दिशा में कदम उठाए जाएं।

व्यापार से पर्यटन तक बदल सकती है तस्वीर

रेल नेटवर्क से जुड़ना किसी भी क्षेत्र के लिए केवल यातायात की सुविधा नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक विकास का बड़ा माध्यम माना जाता है। शाहपुरा को रेल संपर्क मिलने पर व्यापारियों को माल परिवहन और बड़े बाजारों तक पहुंचने में सुविधा मिल सकती है। विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए बड़े शहरों तक आवागमन आसान हो सकता है। रोजगार की तलाश में बाहर जाने वाले युवाओं और नौकरीपेशा लोगों को भी लाभ मिल सकता है। इसके अलावा शाहपुरा की ऐतिहासिक विरासत, धार्मिक स्थलों और सांस्कृतिक पहचान को देखते हुए पर्यटन के क्षेत्र में भी नई संभावनाएं पैदा हो सकती हैं। रेल सुविधा मिलने से देश के विभिन्न हिस्सों से पर्यटकों का यहां पहुंचना आसान होगा। इससे होटल, परिवहन, व्यापार और स्थानीय रोजगार को भी प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है।

ज्ञापन के साथ नागरिकों की आवाज भी पहुंचाई

शाहपुरा जन सेवा समिति ने ज्ञापन के साथ ज्ञापन-पत्र संख्या 2 तथा शाहपुरा के नागरिकों के हस्ताक्षरयुक्त समर्थन-पत्र संख्या 3 भी संलग्न किए हैं। समिति का प्रयास है कि रेल परियोजना की मांग केवल कुछ लोगों की आवाज बनकर न रह जाए, बल्कि इसे शाहपुरा के नागरिकों की सामूहिक आवश्यकता के रूप में केंद्र सरकार तक पहुंचाया जाए। इस दौरान जन सेवा समिति के जनसेवक शिवराज कोली, अधिवक्ता रामप्रसाद जाट, विक्रम गुर्जर, अजय मेहता, धनराज जीनगर, छोटू खान, बसंतीलाल वैष्णव, हरिसिंह, गणपत कोली और चेतन कोली उपस्थित रहे।

अब सरकार के फैसले पर टिकी निगाहें

शाहपुरा के लिए रेल लाइन की मांग नई नहीं है, लेकिन इस बार समिति ने रियासतकालीन योजना की ऐतिहासिक पड़ताल से लेकर आधुनिक रेल कॉरिडोर की व्यवहार्यता और डीपीआर तक की मांग एक साथ उठाई है। इससे रेल परियोजना को लेकर चर्चा का दायरा भी व्यापक हुआ है। अब बड़ा सवाल यही है कि क्या रियासतकाल में देखे गए रेल संपर्क के सपने को आधुनिक विकास की योजनाओं में जगह मिल पाएगी? क्या पुराने अभिलेखों और संभावित अवशेषों की जांच होगी? क्या दिल्ली से अहमदाबाद तक प्रस्तावित रेल कॉरिडोर में शाहपुरा को स्थान मिल सकेगा फिलहाल शाहपुरा के लोगों की उम्मीदें ज्ञापन के साथ केंद्र सरकार तक पहुंची हैं। शहर को अब आश्वासन नहीं, बल्कि सर्वे, डीपीआर और रेल परियोजना की दिशा में ठोस पहल का इंतजार है। इतिहास में रियासत की पहचान रखने वाला शाहपुरा अब विकास के नक्शे पर रेल की पटरियों से अपनी नई पहचान जुड़ने की उम्मीद लगाए बैठा है।

गंगापुर में छठ महापर्व का समापन, उदयमान सूर्य को अर्घ्य देकर मांगी परिवार की सुख-समृद्धि



स्मार्ट हलचल

गंगापुर बिहार मैत्री संघ गंगापुर के तत्वावधान में धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया जा रहा सूर्य उपासना का चार दिवसीय महापर्व छठ सोमवार को उदयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर सहाड़ा चौराहा स्थित बावड़ी के बालाजी मंदिर परिसर में छठ माता की विधिवत पूजा-अर्चना की गई। व्रतधारी महिलाओं ने परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली और संतान की दीर्घायु की कामना की।महापर्व के अंतिम दिन सुबह श्रद्धालु पूजा सामग्री और प्रसाद के साथ आयोजन स्थल पर पहुंचे। महिलाओं ने तालाब के जल में खड़े होकर उगते सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित किया तथा छठी मैया की पूजा कर परिवार की खुशहाली की कामना की। सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही व्रतधारियों ने अपना कठिन व्रत पूर्ण किया। पूजा-अर्चना के पश्चात श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। इसके साथ ही भजन-कीर्तन का आयोजन हुआ, जिससे पूरा परिसर भक्तिमय हो गया। आयोजन में महेश माली, रोहित सिंह, राजेश सिंह, विक्की माली,विकास माली, सरोज ओझा, जज कुमार, मनीष चौधरी, धर्मदेव गणेश राय, राम सिंह,सहित बिहार मैत्री संघ के सदस्य एवं बड़ी संख्या में व्रतधारी श्रद्धालु उपस्थित रहे। छठ महापर्व को लेकर नगर में विशेष उत्साह देखने को मिला। बिहार मैत्री संघ के प्रयासों से आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में समाज के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। छठ पर्व ने एक बार फिर आस्था, सामाजिक एकता और सांस्कृतिक परंपराओं का सुंदर संदेश दिया।

सरकारी अस्पतालों में मरीजों की सुरक्षा और स्वच्छता होगी सर्वोच्च प्राथमिकता, लापरवाही पर होगी कार्रवाई

स्मार्ट हलचल

जयपुर/भीलवाड़ा प्रदेश के सभी सरकारी अस्पतालों में मरीजों की सुरक्षा, स्वच्छता और संक्रमण नियंत्रण की व्यवस्थाओं को और अधिक मजबूत किया जाएगा। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने प्रदेश के सभी राजकीय चिकित्सा संस्थानों में साफ-सफाई, नियमित पेस्ट कंट्रोल और सुरक्षा व्यवस्था की प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि अस्पतालों में उपचार के लिए आने वाले मरीजों को सुरक्षित, स्वच्छ और संक्रमणमुक्त वातावरण उपलब्ध करवाना चिकित्सा संस्थानों की जिम्मेदारी है। इस मामले में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। चिकित्सा मंत्री ने निर्देश दिए कि प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेजों से संबद्ध अस्पतालों, जिला अस्पतालों, उप जिला अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में नियमित रूप से पेस्ट कंट्रोल करवाया जाए। अस्पताल परिसरों में चूहों एवं अन्य कीटों की रोकथाम के लिए प्रभावी इंतजाम किए जाएं, ताकि मरीजों और उनके परिजनों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। उन्होंने अस्पतालों के सभी वार्डों, ऑपरेशन थिएटर, आईसीयू, प्रसूति कक्ष, शौचालयों सहित अन्य चिकित्सा इकाइयों में नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही इन व्यवस्थाओं की निरंतर निगरानी करने और सफाई व्यवस्था में किसी प्रकार की कमी पाए जाने पर तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने पर जोर दिया। मंत्री खींवसर ने कहा कि सरकारी अस्पतालों में आने वाले प्रत्येक मरीज को बेहतर उपचार के साथ स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण मिलना चाहिए। इसके लिए अस्पताल प्रशासन को व्यवस्थाओं के प्रति जवाबदेह रहना होगा। मरीजों की सुरक्षा, संक्रमण की रोकथाम और स्वच्छता व्यवस्था में सुधार के लिए सभी चिकित्सा संस्थानों को गंभीरता से कार्य करना होगा।

मोबाइल की दुनिया से किताबों की ओर बढ़े कदम, आचार्य प्रशांत की पुस्तक प्रदर्शनी में उमड़े शहरवासी...



ब्यावर में पहली बार सजी गीता कम्यूनिटी की पुस्तक प्रदर्शनी, दर्शन और सामाजिक चेतना से जुड़ी पुस्तकों ने खींचा लोगों का ध्यान

स्मार्ट हलचल

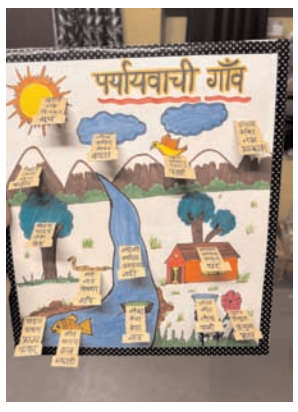
ब्यावर। किताबों के जरिए विचारों को नई दिशा देने की पहल के तहत रविवार शाम शहर के चांग गेट क्षेत्र में गीता कम्यूनिटी की ओर से पुस्तक प्रदर्शनी आयोजित की गई। धर्मगुरु एवं लेखक आचार्य प्रशांत के मार्गदर्शन में संचालित इस पहल में दर्शन, सामाजिक जागरूकता और जीवन से जुड़े विभिन्न विषयों पर आधारित पुस्तकों का संग्रह प्रदर्शित किया गया। प्रदर्शनी में शहरवासियों की अच्छी भागीदारी देखने को मिली। लोगों ने पुस्तकों को न केवल देखा, बल्कि मौके पर ही उनका अध्ययन कर अपने पसंदीदा विषयों की किताबें भी खरीदीं। खास बात यह रही कि कई लोगों ने बच्चों में पढ़ने की आदत विकसित करने और उन्हें जागरूक बनाने के उद्देश्य से भी पुस्तकें खरीदीं। गीता कम्यूनिटी से जुड़े भास्कर कुमार ने बताया कि ब्यावर में पहली बार इस पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। इसका उद्देश्य आचार्य प्रशांत के विचारों और उनके संदेशों को पुस्तकों के माध्यम से आमजन तक पहुंचाना है, ताकि लोग विचारों की गहराई को समझकर अपने जीवन को बेहतर दिशा दे सकें। आयोजन में अजमेर से आए पुस्तक विक्रेता नितिन अनंत सहित भास्कर कुमार, वर्षा मारोठिया, बबीता मोरवाल, चारू शर्मा एवं विनय अवस्थी ने सहयोग किया।

जिसे दुनिया समझती है कबाड़, आकांक्षा जैन उसी से गढ़ रही हैं बच्चों का भविष्य

अनुपयोगी वस्तुओं से तैयार किए 2500 से अधिक टीचिंग लर्निंग मटेरियल एवं वर्किंग मॉडल, सोशल मीडिया पर 5 लाख से अधिक लोगों तक पहुंचा हुनर; जैन संतों के हूबहू स्केच बनाकर प्राप्त किया आशीर्वाद

स्मार्ट हलचल







बिजौलियाँ । हुनर हो तो बेकार समझी जाने वाली चीजों से भी कुछ ऐसा बनाया जा सकता है, जो दूसरों के जीवन में बदलाव ला दे। इसी सोच को अपनी पहचान बना चुकी हैं आकांक्षा जैन। घर में पड़ी अनुपयोगी वस्तुएं उनके हाथों में पहुंचकर बच्चों की पढ़ाई का ऐसा माध्यम बन जाती हैं, जिससे मुश्किल विषय भी खेल-खेल में समझे जा सकते हैं। उनका प्रयास केवल मॉडल बनाना नहीं, बल्कि शिक्षा को देखने और समझने का नजरिया बदलना है।

कबाड़ से तैयार कर रहीं ज्ञान का खजाना

आकांक्षा जैन अब तक 2500 से अधिक टीचिंग लर्निंग मटेरियल (TLM) एवं वर्किंग मॉडल तैयार कर चुकी हैं। वे घरेलू और अनुपयोगी वस्तुओं का रचनात्मक इस्तेमाल कर बच्चों के लिए अलग-अलग विषयों की शिक्षण सामग्री बनाती हैं। विज्ञान, गणित, हिंदी और अंग्रेजी जैसे विषयों को आसान तरीके से समझाने के लिए वे ऐसे मॉडल तैयार करती हैं, जिनमें बच्चे केवल देखते ही नहीं, बल्कि स्वयं गतिविधियों और प्रयोगों के माध्यम से सीखते भी हैं। उनकी कोशिश है कि बच्चे किताबों में लिखी बातों को रटने के बजाय उन्हें वास्तविक रूप में देखकर समझें। खास बात यह है कि कम लागत में तैयार होने वाले ये मॉडल शिक्षकों के लिए भी उपयोगी शिक्षण संसाधन बन रहे हैं।

कला में भी बेमिसाल, जैन संतों के बनाए हूबहू स्केच

आकांक्षा की रचनात्मकता का दायरा केवल शिक्षा तक सीमित नहीं है। चित्रकला में भी उनकी विशेष रुचि है। उन्होंने मुनि श्री आदित्य सागर जी महाराज एवं आर्यिका श्री स्वस्ति भूषण माताजी के हूबहू स्केच तैयार किए और उन्हें भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। यह उनकी कला, एकाग्रता और आध्यात्मिक भावनाओं का सुंदर संगम है।

सोशल मीडिया पर लाखों लोगों तक पहुंचा हुनर

आकांक्षा के काम को सोशल मीडिया पर भी बड़ी पहचान मिली है। उनके यूट्यूब चैनल पर 60 हजार, फेसबुक पर 4.5 लाख और इंस्टाग्राम पर 40 हजार से अधिक फॉलोअर्स हैं। इस तरह उनके सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर 5 लाख से अधिक फॉलोअर्स जुड़े हुए हैं। वे अपने वीडियो के माध्यम से देशभर के शिक्षकों, अभिभावकों और विद्यार्थियों तक नए-नए टीएलएम एवं वर्किंग मॉडल बनाने की जानकारी पहुंचाती हैं।

हर मॉडल के पीछे बच्चों को सिखाने का एक नया विचार

आकांक्षा जैन का मानना है कि शिक्षा तभी प्रभावी बनती है, जब बच्चा उसे समझकर सीखता है। उनका प्रयास है कि संसाधनों की कमी किसी बच्चे की सीखने की राह में बाधा न बने। वे अपनी रचनात्मकता से यह संदेश दे रही हैं कि शिक्षा में नवाचार के लिए बड़े बजट की नहीं, बल्कि बड़े विचारों की जरूरत होती है। किसी के लिए जो अनुपयोगी है, वही आकांक्षा के लिए उपयोगी है। किसी के लिए कबाड़ है, तो उनके लिए बच्चों के भविष्य को संवारने का साधन। शिक्षा और कला के क्षेत्र में उनका यह अनूठा प्रयास निश्चित रूप से प्रेरणादायक है।

धर्मनगरी कोटड़ी में पहली बार होगा मनोज्ञाचार्य पुलक सागर महाराज का भव्य मंगल प्रवेश

18 नवंबर को मंगल प्रवेश, जैन समाज सहित श्रद्धालुओं में उत्साह

स्मार्ट हलचल

कोटड़ी धर्मनगरी कोटड़ी के इतिहास में 18 नवंबर 2026 का दिन एक ऐतिहासिक एवं अविस्मरणीय अवसर बनने जा रहा है। पहली बार गणाचार्य श्री 108 पुष्पदंत सागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य मनोज्ञाचार्य श्री 108 पुलक सागर जी महाराज का ससंघ भव्य मंगल प्रवेश होगा। इस आयोजन को लेकर जैन समाज सहित समस्त श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल है। श्री शीतलनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र कमेटी कोटड़ी के अध्यक्ष नेमीचंद पाटोदी ने बताया कि मुनि के पहली बार कोटड़ी आगमन पर इस भव्य मंगल प्रवेश कार्यक्रम को लेकर तैयारियां की जा रही हैं। आगामी 18 नवंबर को प्रातः 8:15 बजे भीलवाड़ा रोड स्थित हमारा पम्प से संतों का भव्य मंगल प्रवेश होगा।गणाचार्य श्री पुष्पदंत सागर जी महाराज के शिष्य मनोज्ञाचार्य श्री पुलक सागर जी महाराज के सानिध्य में होने वाला यह आयोजन कोटड़ी के धार्मिक इतिहास में विशेष महत्व रखेगा। कमेटी की ओर से धर्मनगरी कोटड़ी के समस्त श्रद्धालुओं एवं धर्मप्रेमी बंधुओं से मंगल प्रवेश में शामिल होकर संतों के दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त करने का आह्वान किया गया है। इससे पूर्व 17 नवम्बर को कोटड़ी की ओर विहार कार्यक्रम में सातोला का खेड़ा से कोटड़ी तहसील की सीमा में मंगल प्रवेश की अगुवानी को लेकर भी विशेष तैयारी की जारही है। उन्होंने अधिक से अधिक श्रद्धालुओ को प्रवेश व अन्य कार्यक्रमो में उपस्थित होने का आग्रह किया है। गुरुदेव के आगमन को लेकर युवाओं में विशेष उत्साह नजर आरहा है।

1051 वोटों से ऐतिहासिक जीत दर्ज करने वाली मीरा देवी ने किया सरपंच पद पर पदभार ग्रहण

वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना व हवन कर शुरू किया कार्यभार, पांच साल में विकास के नए आयाम स्थापित करने का संकल्प

स्मार्ट हलचल



शंभूगढ़। पंचायत समिति शंभूगढ़ की कालियास ग्राम पंचायत में सोमवार को नवनिर्वाचित सरपंच मीरा देवी पवार ने 16 नवंबर को दोपहर 12 बजकर 15 मिनट के शुभ मुहूर्त में सरपंच पद का पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत परिसर में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना एवं हवन का आयोजन किया गया। पंडित दिनेश शर्मा ने विधि-विधान से धार्मिक अनुष्ठान कार्यक्रम की शुरुआत पंचायत कार्यालय भवन में यज्ञ-हवन के साथ हुई। इसके बाद नवनिर्वाचित सरपंच मीरा देवी वार्ड पंचों एवं ग्रामीणों के साथ पंचायत कार्यालय पहुंचीं, जहां फीता काटकर भवन में प्रवेश किया। इस दौरान सबसे पहले भगवान श्रीराम की तस्वीर कुर्सी पर स्थापित कर ग्राम पंचायत में विधिवत प्रवेश किया गया। ग्राम विकास अधिकारी गोविंद कुमार रेगर ने सरपंच सहित नवनिर्वाचित वार्ड पंचों को विधिवत कार्यभार ग्रहण करवाया। ग्राम पंचायत की ओर से अतिथियों का साफा बंधवाकर एवं माला पहनाकर स्वागत-अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर सरपंच मीरा देवी ने कहा कि कालियास ग्राम पंचायत की देवतुल्य जनता ने अपना अमूल्य वोट देकर उन्हें इस जिम्मेदारी के योग्य बनाया है। इसके लिए वे हमेशा जनता की ऋणी रहेंगी। पांच वर्ष के कार्यकाल में विकास कार्यों में कोई कमी नहीं रखी जाएगी। बिजली, पानी, सड़क, शिक्षा, चिकित्सा, खेल एवं स्टेडियम सहित विभिन्न जनहित के कार्य प्राथमिकता से करवाए जाएंगे। ग्राम पंचायत में विकास के नए आयाम स्थापित करना उनका लक्ष्य रहेगा। उन्होंने मातृशक्ति एवं युवा साथियों का विशेष आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं और

संपन्न करवाया।

ग्रामीणों की दिन-रात की मेहनत से उन्हें ऐतिहासिक जीत मिली है।

सरपंच प्रतिनिधि शिव सिंह पंवार ने बताया कि मीरा देवी ने 30 अक्टूबर को ऐतिहासिक रिकॉर्ड कायम करते हुए 1051 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की थी। उन्होंने कहा कि पंचायत की ओर से अब किसी घर में बच्चे का जन्म होने पर जन्म प्रमाण पत्र बनवाकर घर तक पहुंचाने की व्यवस्था की जाएगी, ताकि ग्रामीणों को पंचायत कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ें। उन्होंने बताया कि पदभार ग्रहण से पहले ही दीपावली पर्व को देखते हुए पूरे गांव की बिजली व्यवस्था दुरुस्त करवाई गई थी, ताकि ग्रामीणों को त्योहार के दौरान परेशानी नहीं हो। कार्यक्रम में उपसरपंच सुनील कुमार रेगर, वार्ड पंच शारदा देवी खटीक (वार्ड 1), गोपाल लाल भील (वार्ड 2), कन्हैया लाल रावणा राजपूत (वार्ड 4), सुखदेव लोहार (वार्ड 5), जितेंद्र सिंह (वार्ड 6), ललिता देवी शर्मा (वार्ड 7), पारसी देवी जाट (वार्ड 8), दुर्गा देवी (वार्ड 9), रोशन गिरी (वार्ड 10) एवं रेखा व्यास (वार्ड 11) सहित ग्रामीण मौजूद रहे। इसके अलावा इरास सरपंच प्रतिनिधि महेंद्र जाट, नवगठित जोधरास पंचायत के सरपंच प्रतिनिधि महावीर गुर्जर तथा ब्राह्मणों की सरेरी मंडल अध्यक्ष पवन मुगड़ सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

299वें स्थापना दिवस पर रोशनी, शहनाई और कविताओं से गूंजेगी गुलाबी नगरी, 17-18 नवंबर को होंगे भव्य आयोजन

जयपुर के गौरवशाली इतिहास का मनेगा उत्सव, गणेश पूजन से दीप प्रज्वलन तक सजेगा स्थापना दिवस समारोह

स्मार्ट हलचल



जयपुर गुलाबी नगरी जयपुर अपने गौरवशाली इतिहास और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के 299 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में स्थापना दिवस के रंग में रंगने जा रही है। इस अवसर पर नगर निगम जयपुर की ओर से 17 एवं 18 नवंबर को दो दिवसीय भव्य समारोह आयोजित किया जाएगा। धार्मिक आस्था, साहित्य, संगीत और पारंपरिक संस्कृति के संगम से शहर में उत्सव का माहौल देखने को मिलेगा। समारोह को लेकर सोमवार को महापौर सुनील कोठारी ने राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात कर उन्हें स्थापना दिवस समारोह का निमंत्रण पत्र सौंपा। इस दौरान पूर्व महापौर पंकज जोशी, पार्षद प्रतिभा शर्मा, विमल अग्रवाल, शैलेंद्र भार्गव एवं सुभाष संघी मौजूद रहे। कार्यक्रमों की शुरुआत 17 नवंबर को आज सुबह 9 बजे मोती डूंगरी गणेश मंदिर में भगवान गणेश को स्थापना दिवस का प्रथम निमंत्रण अर्पित करने के साथ होगी। वहीं शाम 5 बजे बिरला ऑडिटोरियम में भव्य कवि सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इसमें देशभर के प्रसिद्ध कवि और कवयित्री अपनी प्रस्तुतियों से साहित्यप्रेमियों को भाव, हास्य और वीर रस से सराबोर करेंगे। कवि सम्मेलन में मेरठ के वीर रस के कवि हरिओम पंवार, मुंबई के हास्य-व्यंग्य कवि एहसान कुरैशी, फरीदाबाद के दिनेश रघुवंशी, कोटा के सुरेश अलबेला, बाराबंकी के प्रियांशु गजेंद्र, उदयपुर के राव अजातशत्रु एवं चित्तौड़गढ़ की कवयित्री दीपिका माही काव्य पाठ करेंगी। कार्यक्रम का संयोजन जयपुर के राकेश पाठक करेंगे। स्थापना दिवस के अवसर पर जयपुर की पारंपरिक पहचान को जीवंत करने के लिए विभिन्न प्रमुख स्थानों पर शहनाई वादन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें मोती डूंगरी गणेश मंदिर, न्यू गेट रामलीला मैदान, सांगानेरी गेट, अजमेरी गेट, जोरावर सिंह गेट, गंगापोल गेट, सूरजपोल गेट, चांदपोल गेट एवं घाटगेट शामिल हैं। शहनाई की मधुर धुनों से शहर की ऐतिहासिक विरासत और उत्सवी वातावरण को विशेष रंग मिलेगा। समारोह के दूसरे दिन 18 नवंबर को सुबह 9:30 से 10 बजे तक गंगापोल दरवाजे पर गणेश पूजन होगा। इसके बाद सुबह 10:30 से 11 बजे तक गोविंद देवजी मंदिर में दर्शन एवं पूजन का कार्यक्रम रखा गया है। वहीं शाम 5 बजे स्टेच्यू सर्किल पर दीप प्रज्वलन समारोह आयोजित होगा। दीपों की रोशनी से गुलाबी नगरी स्थापना दिवस की खुशियां मनाएगी। गौरतलब है कि महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय ने 18 नवंबर 1727 को जयपुर की स्थापना की थी। अपने सुनियोजित नगर विन्यास, ऐतिहासिक इमारतों, कला, संस्कृति और परंपराओं के लिए विश्वभर में पहचान रखने वाला जयपुर आज भी अपनी विशिष्ट विरासत को संजोए हुए है। महापौर सुनील कोठारी ने समस्त जयपुरवासियों से परिवार सहित समारोह में शामिल होकर स्थापना दिवस को भव्य एवं यादगार बनाने की अपील की है। दो दिवसीय आयोजन के जरिए जयपुर की ऐतिहासिक पहचान, सांस्कृतिक वैभव और परंपराओं को एक बार फिर उत्सव के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा।

भीलवाड़ा में अवैध निर्माणों पर कार्रवाई की मांग, 58 कॉम्प्लेक्सों का मामला फिर उठा

हाईकोर्ट के आदेश के तीन साल बाद भी पार्किंग और बेसमेंट अतिक्रमण पर कार्रवाई नहीं होने का आरोप, स्वायत्त शासन निदेशक को सौंपा परिवाद

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। शहर में व्यावसायिक कॉम्प्लेक्सों और बहुमंजिला भवनों में कथित अवैध निर्माण, बेसमेंट में पार्किंग की जगह दुकानों एवं गोदामों का संचालन, निर्धारित सेटबैक नहीं छोड़ने और स्वीकृत नक्शों के विपरीत निर्माण का मामला एक बार फिर गरमा गया है। इस संबंध में निवर्तमान पार्षद राजेश सिंह सिसोदिया ने अधिवक्ता सारांश चतुर्वेदी के माध्यम से राजस्थान सरकार के स्वायत्त शासन विभाग के निदेशक को विस्तृत परिवाद प्रस्तुत कर वर्ष 1993 से अब तक हुए निर्माणों की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। परिवाद में आरोप लगाया गया है कि भीलवाड़ा नगर पालिका, नगर परिषद और वर्तमान नगर निगम के क्षेत्राधिकार में लंबे समय से भवन निर्माण नियमों की अनदेखी होती रही है। अनेक व्यावसायिक कॉम्प्लेक्सों में निर्धारित पार्किंग व्यवस्था उपलब्ध नहीं करवाई गई, वहीं जिन भवनों में बेसमेंट पार्किंग स्वीकृत थी, वहां पार्किंग स्थल पर कथित रूप से दुकानें, गोदाम और अन्य व्यावसायिक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इसके चलते शहर की प्रमुख सड़कों पर वाहनों का दबाव बढ़ रहा है और लोगों को अपने वाहन सड़क किनारे खड़े करने पड़ते हैं। इससे यातायात व्यवस्था प्रभावित होने के साथ आमजन, व्यापारियों और आपातकालीन सेवाओं को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। परिवाद में इस पूरे मामले को लेकर राजस्थान हाईकोर्ट, जोधपुर में वर्ष 2021 में दायर डीबी सिविल रिट याचिका (पीआईएल) संख्या 15778/2021 का हवाला दिया गया है। इसमें भीलवाड़ा शहर में अतिक्रमण, बेसमेंट पार्किंग पर कब्जे और भवन निर्माण नियमों की अनदेखी का मुद्दा उठाया गया था। परिवाद के अनुसार, हाईकोर्ट ने 14 मार्च 2023 को पारित आदेश में शहर के 58 अतिक्रमणों को चिन्हित किए जाने तथा संबंधित निर्माणकर्ताओं को नोटिस जारी किए जाने का उल्लेख किया था। इनमें से 14 निर्माणकर्ताओं की ओर से नोटिस का जवाब दिया गया था, जबकि अन्य 36 निर्माणकर्ताओं ने बेसमेंट पार्किंग पुनः उपलब्ध करवाने के लिए समय मांगा था। न्यायालय के समक्ष नगर परिषद की ओर से राजस्थान नगरपालिका अधिनियम, 2009 की धारा 194 के तहत जब्ती और ध्वस्तीकरण संबंधी कार्रवाई का भी उल्लेख किया गया था। परिवाद में कहा गया है कि हाईकोर्ट ने संबंधित अधिकारियों को अधिकतम चार माह की अवधि में कार्रवाई पूरी करने के निर्देश दिए थे, लेकिन लगभग तीन वर्ष बीत जाने के बाद भी चिन्हित निर्माणों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई नहीं होने का आरोप है। इससे पहले 18 जुलाई 2022 को भी न्यायालय की ओर से आदेश पारित किया गया था। परिवाद के साथ दोनों न्यायिक आदेशों की प्रतियां संलग्न की गई हैं। राजेश सिंह सिसोदिया ने आरोप लगाया कि न्यायालय के निर्देशों के बाद कुछ भवनों को सीज किया गया था, लेकिन बाद में निर्माणकर्ताओं से शपथ-पत्र लेकर और पेनल्टी राशि जमा करवाकर सीज संपत्तियों को खोल दिया गया। जिन निर्माणकर्ताओं को 90 अथवा 60 दिन की समयावधि दी गई थी, उनमें से कुछ मामलों में निर्धारित अवधि बीतने के बावजूद पार्किंग और बेसमेंट से संबंधित अनियमितताएं दूर नहीं की गईं। परिवाद में सवाल उठाया गया है कि केवल शपथ-पत्र देने या पेनल्टी जमा कराने से किसी अवैध निर्माण को स्वतः वैध नहीं माना जा सकता। ऐसे मामलों में शपथ-पत्रों की शर्तों और उनके अनुपालन की जांच जरूरी है। परिवाद में राजस्थान नगरपालिका अधिनियम, 2009 की धारा 194 तथा राजस्थान भवन विनियमों का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि बिना स्वीकृत मानचित्र अथवा स्वीकृत मानचित्र के विपरीत निर्माण, अनिवार्य पार्किंग पर अतिक्रमण और निर्धारित सेटबैक का उल्लंघन गंभीर विषय हैं। साथ ही वर्ष 1993 से वर्तमान तक हुए निर्माणों की वैधता का परीक्षण संबंधित निर्माण के समय लागू नियमों और स्वीकृतियों के आधार पर करने की मांग की गई है। इसमें राजस्थान हाईकोर्ट के गुलाब कोठारी बनाम राज्य राजस्थान प्रकरण में 15 दिसंबर 2018 को दिए गए निर्णय का भी हवाला दिया गया है। परिवाद में तत्कालीन नगर निकायों में पदस्थापित आयुक्तों, अभियंताओं, भवन शाखा के अधिकारियों और निरीक्षण कर्मचारियों की भूमिका को भी जांच के दायरे में लेने की मांग की गई है। आरोप लगाया गया है कि यदि किसी अधिकारी ने जानबूझकर अवैध निर्माणों की अनदेखी की, गलत निरीक्षण रिपोर्ट तैयार की अथवा निर्माणकर्ताओं को अनुचित लाभ पहुंचाया तो उसकी जिम्मेदारी तय कर विभागीय एवं विधिक कार्रवाई की जानी चाहिए। प्रार्थी ने मांग की है कि नगर निगम भीलवाड़ा के संपूर्ण क्षेत्राधिकार में वर्ष 1993 से अब तक निर्मित व्यावसायिक कॉम्प्लेक्सों और अन्य भवनों का निर्माण स्वीकृति, नक्शे, बेसमेंट, पार्किंग तथा सेटबैक के आधार पर निष्पक्ष सर्वेक्षण करवाया जाए। हाईकोर्ट में प्रस्तुत 58 अवैध निर्माणों की सूची और नगर निगम की प्रगति रिपोर्ट तलब कर प्रत्येक भवन का वर्तमान भौतिक सत्यापन किया जाए। जिन भवनों में पार्किंग स्थल पर दुकानें या गोदाम संचालित हैं, वहां पार्किंग को अतिक्रमण मुक्त करवाकर आवश्यकतानुसार सीलिंग एवं ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जाए। इसके अलावा शपथ-पत्रों, पेनल्टी राशि, सीजिंग आदेशों और सील खोलने संबंधी आदेशों का पूरा रिकॉर्ड मंगवाकर जांच करने, संभावित राजस्व नुकसान का आकलन कर वसूली करने तथा दोषी अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की मांग भी की गई है। प्रार्थी ने यह भी कहा है कि जांच नगर निगम के उन्हीं अधिकारियों से नहीं करवाई जाए, जिनकी भूमिका स्वयं संदेह के दायरे में है, बल्कि स्वायत्त शासन निदेशालय के स्तर पर स्वतंत्र वरिष्ठ अधिकारियों की समिति गठित की जाए। इस समिति में प्रार्थी अथवा उसके प्रतिनिधि को भी शामिल करने का अनुरोध किया गया है। परिवाद में विभाग से 15 दिन के भीतर ठोस कार्रवाई प्रारंभ कर तथ्यात्मक एवं अभिलेख सहित अनुपालना रिपोर्ट उपलब्ध करवाने की मांग की गई है। साथ ही चेतावनी दी गई है कि निर्धारित समय में प्रभावी कार्रवाई नहीं होने पर प्रार्थीगण हाईकोर्ट में नई रिट याचिका, अवमानना संबंधी कार्यवाही सहित अन्य विधिक विकल्प अपनाने के लिए स्वतंत्र रहेंगे।

राजस्थान की इस ग्राम पंचायत में सरपंच पद के लिए मचा घमासान, 43 प्रत्याशी मैदान में

निर्वाचन आयोग को जारी करने पड़े अतिरिक्त चुनाव चिन्ह

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा (भीलवाड़ा) सवाई माधोपुर। पंचायत राज चुनाव 2026 में जिले की एक ग्राम पंचायत ने अपने नाम एक अनोखा रिकॉर्ड दर्ज कर लिया है। यहां सरपंच पद के लिए प्रत्याशियों की संख्या इतनी अधिक हो गई कि निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित अधिकतम 40 चुनाव चिन्ह भी कम पड़ गए। मामला सवाई माधोपुर पंचायत समिति की सूरवाल ग्राम पंचायत का है। करीब 6,566 मतदाताओं वाली सूरवाल ग्राम पंचायत में सरपंच पद के लिए जबरदस्त मुकाबला देखने को मिल रहा है। यहां सरपंच पद के लिए कुल 55 अभ्यर्थियों ने नामांकन दाखिल किए। नामांकन पत्रों की संवीक्षा एवं नाम वापसी की प्रक्रिया के बाद भी



43 प्रत्याशी चुनाव मैदान में डटे हुए हैं। गौरतलब है कि निर्वाचन आयोग की ओर से सरपंच पद के लिए अधिकतम 40 निर्वाचन प्रतीक चिन्ह निर्धारित किए गए हैं। लेकिन सूरवाल ग्राम पंचायत में प्रत्याशियों की संख्या 40 से अधिक होने के कारण शेष तीन प्रत्याशियों के लिए राज्य निर्वाचन आयोग से विशेष अनुमति लेनी पड़ी। आयोग की अनुमति के बाद तीन अतिरिक्त चुनाव चिन्ह आवंटित किए गए। प्रत्याशियों की इतनी बड़ी संख्या को देखते हुए मतदान प्रक्रिया के सुचारू संचालन के लिए अतिरिक्त मतदान कार्मिक भी लगाए गए हैं। इस तरह सूरवाल ग्राम पंचायत पंचायत राज चुनावों में जिले की सबसे चर्चित ग्राम पंचायत बन गई है। चर्चा यह भी है कि सरपंच पद के लिए 43 प्रत्याशियों के मैदान में होने के कारण यह प्रदेश की ऐसी एकमात्र ग्राम पंचायत हो सकती है, जहां इतनी बड़ी संख्या में उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। अब देखना दिलचस्प होगा कि इतने प्रत्याशियों के बीच सूरवाल की जनता किसे अपना सरपंच चुनती है।

सांवरिया इलेक्ट्रॉनिक्स का लकी ड्रॉ खुला, 121 ग्राहकों की चमकी किस्मत

स्मार्ट हलचल

मांडलगढ़। कस्बे के बैंक ऑफ बड़ौदा के सामने स्थित सांवरिया इलेक्ट्रॉनिक्स मोबाइल एंड फर्नीचर की ओर से ग्राहकों के लिए आयोजित विशेष ऑफर का लकी ड्रॉ निकाला गया। 15 अगस्त से 15 नवंबर तक चले इस ऑफर के तहत ग्राहकों को 10 हजार या उससे अधिक की खरीदारी पर लकी ड्रॉ में शामिल होने का अवसर दिया गया था। लकी ड्रॉ में कुल 121 आकर्षक पुरस्कार रखे गए, जिनमें दो इलेक्ट्रिक स्कूटी सहित विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक उपकरण एवं घरेलू उपयोग की सामग्री शामिल रही। इलेक्ट्रिक स्कूटी के विजेता टीना माली (बोलपुरिया) एवं अनिता देवी (श्यामपुरा) रहीं। इस अवसर पर विधायक गोपाल खंडेलवाल, नगर पालिका अध्यक्ष श्वेता डांगी, उपाध्यक्ष अनीता सुराणा, मंडल अध्यक्ष अशोक जीनगर सहित पार्षदगण एवं अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। प्रतिष्ठान के मालिक हरिशंकर सुखवाल ने अतिथियों एवं ग्राहकों का स्वागत सत्कार कर आभार व्यक्त किया।



सुरक्षित गुलाबपुरा की दिशा में नगर पालिका की पहल, CCTV कैमरों से शहर की सुरक्षा व्यवस्था पर रखी जा रही पैनी नजर बिजयनगर

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा (भीलवाड़ा)। गुलाबपुरा। शहर में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने, कानून व्यवस्था बनाए रखने एवं आमजन को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नगर पालिका गुलाबपुरा द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में नगर पालिका चेयरमैन प्रतिनिधि एवं सांवरिया मल्टीवेंचर्स लिमिटेड के चेयरमैन राजाराम वैष्णव ने शहर में विभिन्न स्थानों पर स्थापित सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से शहर की सुरक्षा व्यवस्थाओं एवं विभिन्न क्षेत्रों की गतिविधियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने सीसीटीवी कैमरों के जरिए शहर के प्रमुख मार्गों, चौराहों एवं विभिन्न क्षेत्रों में होने वाली गतिविधियों पर निगरानी व्यवस्था का अवलोकन किया। शहर में सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने, असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर नजर रखने तथा किसी भी अप्रिय घटना की स्थिति में त्वरित कार्रवाई में सहायता के उद्देश्य से सीसीटीवी निगरानी व्यवस्था को महत्वपूर्ण बताया। राजाराम वैष्णव ने कहा कि शहरवासियों की सुरक्षा और सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता है। गुलाबपुरा को सुरक्षित, स्वच्छ एवं व्यवस्थित शहर बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। आधुनिक तकनीक का उपयोग कर शहर की निगरानी व्यवस्था को मजबूत बनाना समय की आवश्यकता है। इससे आमजन में सुरक्षा का विश्वास बढ़ेगा और शहर में बेहतर कानून व्यवस्था बनाए रखने में भी सहयोग मिलेगा। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य केवल विकास कार्य करवाना ही नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक को सुरक्षित एवं बेहतर वातावरण उपलब्ध कराना भी है। हमारा संकल्प - सुरक्षित गुलाबपुरा, स्वच्छ गुलाबपुरा और समृद्ध एवं विकसित गुलाबपुरा।



कोठाज-पारोली मार्ग पर दर्दनाक सड़क हादसा, कांटी निवासी युवक की हुई मोत

स्मार्ट हलचल

आकोला कोठाज-पारोली सड़क मार्ग पर कोठाज और धनवाड़ा चौराहे के बीच हुए सड़क हादसे में एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे की खबर से क्षेत्र में शोक की लहर छा गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सड़क पर स्कूटर और बाइक की टक्कर में कांटी निवासी ब्राह्मा नाथ योगी गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद घायल युवक को तत्काल चिकित्सालय पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला चिकित्सालय रेफर किया गया। जिला चिकित्सालय में चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव का पोस्टमार्टम करवाया और पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया। युवक की असामयिक मौत से परिवार में मातम छा गया, वहीं कांटी सहित आसपास के गांवों में शोक का माहौल है। इस दुखद घटना ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा और सावधानीपूर्वक वाहन चलाने की आवश्यकता को उजागर किया है।



राजस्थान रेलवे ट्रैक ब्लास्ट मामले में ATS का एक और बड़ा खुलासा, पाकिस्तान से RDX आने से पहले ही रची गई थी साजिश

स्मार्ट हलचल

जयपुर /सीमावर्ती श्रीगंगानगर जिले में रेलवे ट्रैक पर विस्फोट और ड्रोन के जरिए आरडीएक्स व विदेशी हथियारों की खेप पहुंचाने के मामलों के बीच एक अहम खुलासा हुआ है। रेलवे ट्रैक को उड़ाने की साजिश आरडीएक्स की खेप बरामद होने से पहले ही तैयार कर ली गई थी। एटीएस के एडीजीपी दिनेश एमएन ने करीब एक माह की जांच के बाद इस घटनाक्रम से जुड़े अहम तथ्य सामने रखे हैं। जांच एजेंसियां अब दोनों मामलों के पीछे सक्रिय सीमा पार के नेटवर्क और स्थानीय मददगारों की भूमिका की पड़ताल कर रही हैं। रावला क्षेत्र में ड्रोन के जरिए गिराए गए तीन पैकेटों से साढ़े सात किलो आरडीएक्स और विदेशी हथियारों की बरामदगी के मामले में जांच का दायरा पंजाब तक पहुंच गया है। इस मामले के कथित मास्टरमाइंड पंजाब के फिरोजपुर जिले के अलीके निवासी कुलवंत सिंह



उर्फ सुक्खा से राजस्थान एटीएस पूछताछ करेगी। आरोपी को पंजाब पुलिस ने गिरफ्तार किया था।एटीएस के एडीजीपी दिनेश एमएन के अनुसार, कुलवंत उर्फ सुक्खा के पाकिस्तान में बैठे हैंडलर उमर चाचा और शहजाद भट्टी से कथित संपर्क सामने आए हैं। जांच एजेंसियां उससे पूछताछ कर यह पता लगाने का प्रयास करेंगी कि रावला क्षेत्र में आरडीएक्स और विदेशी हथियारों की खेप पहुंचाने में उसकी क्या भूमिका थी तथा सीमा पार से संचालित नेटवर्क में स्थानीय स्तर पर कौन-कौन लोग जुड़े हुए थे।

खेत में ड्रोन से गिराए थे तीन पैकेट: मामला 12 अक्टूबर की रात का है। रावला क्षेत्र की 12 केएनडी ग्राम पंचायत के चक 4 केएनएम स्थित एक खेत में ड्रोन के जरिए तीन पैकेट गिराए गए थे। इन पैकेटों से करीब साढ़े सात किलो आरडीएक्स और विदेशी हथियार बरामद हुए थे। इसके बाद एएनटीएफ और बीएसएफ की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए बरामदगी की थी। इस घटनाक्रम के बाद सुरक्षा एजेंसियां सीमा पार से संचालित हथियार और विस्फोटक तस्करी के नेटवर्क की जांच में जुट गई थीं। अब रेलवे ट्रैक ब्लास्ट की साजिश और आरडीएक्स खेप के मामले के बीच सामने आए समयक्रम को देखते हुए जांच एजेंसियां इनके संभावित आपसी संबंधों की भी पड़ताल कर रही हैं।

एक माह की जांच में सामने आई साजिश की टाइमलाइन: एटीएस की जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर रेलवे ट्रैक ब्लास्ट की योजना आरडीएक्स खेप की बरामदगी से पहले तैयार होने का खुलासा महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जांच एजेंसियों के सामने अब यह पता लगाने की चुनौती है कि दोनों घटनाओं के पीछे एक ही नेटवर्क सक्रिय था या अलग-अलग मॉड्यूल काम कर रहे थे। हालांकि एटीएस के दिनेश एमएन ने इस पहलू को साफ करते हुए बताया कि रेलवे ट्रैक ब्लास्ट की पटकथा पहले लिखी जा चुकी थी जबकि आरडीएक्स की खेप 12 अक्टूबर को पाक ड्रोन से आई थी।

अजमेर गले में 35 तोला चांदी, शाही ठाठ के साथ मेले में पहुंचा ऊंट. कीमत सुनकर रह जाएंगे हैरान

स्मार्ट हलचल

पुष्कर/अजमेर/अंतरराष्ट्रीय पुष्कर पशु मेले में इस बार एक खास नक्काशी अपनी शाही साज-सज्जा और कीमत को लेकर चर्चा में है। इस नक्काशी के गले में 35 तोला चांदी का मंडलिया ताबीज पहनाया गया है। शानदार कद-काठी और शाही अंदाज वाले इस नक्काशी को देखने के लिए मेले में लोगों की भीड़भाड़ रही है। खास बात यह है कि इसकी बोली अब तक 3.15 लाख रुपये तक पहुंच चुकी है। उत्साहित, कुचामन सिटी के इंदोखा गांव निवासी पशुपालक राजेंद्र सिंह राठौड़ अपने छह साल के बीकानेरी नस्ल के ऊंट को लेकर पुष्कर मेले में पहुंचे हैं। राजेंद्र सिंह पिछले करीब 40 साल से ऊंट पालन और खरीद-बिक्री के कारोबार से जुड़े हुए हैं। उन्होंने बताया कि करीब तीन साल पहले इस ऊंट को दो लाख रुपए में खरीदा था।



सात फीट से अधिक लंबाई और आकर्षक बनावट वाला यह ऊंट अब मेले में लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

35 तोला चांदी का ताबीज बना खास पहचान: राजेंद्र सिंह ने अपने इस खास झंडे को अलग पहचान देने के लिए इसके गले में 35 तोला चांदी का मंडलिया ताबीज पहनाया है। इसकी शाही सजावट और शानदार कद-काठी देखकर मेले में आने वाले लोग भी हैरान हैं. पशुपालक के हिसाब से, झंडे की कीमत को लेकर अब तक 3.15 लाख रुपये तक की बोली लग चुकी है।

1.30 लाख रुपए की खास खड़ी गाड़ी से पहुंचे मेला: अपने घुटने को लेकर पुष्कर पहुंचने के लिए राजेंद्र सिंह ने करीब 1 लाख 30 हजार रुपये खर्च कर विशेष घुटने की गाड़ी तैयार करवाई है। इसी गाड़ी के रास्ते वे कुचामन से पुष्कर तक पहुंचे हैं। उनका कहना है कि इस घुटने को मेले में लाने का मकसद सिर्फ इसकी बिक्री करना नहीं, बल्कि इसकी नस्ल और खूबसूरती को लोगों के सामने प्रदर्शित करना भी है।

40 साल से घुंघराले पालन से जुड़े हैं राजेंद्र सिंह: राजेंद्र सिंह पिछले चार दशकों से घुंघराले पालने और खरीदने-बेचने का काम कर रहे हैं। उन्हें घुंघरालों का खास शौक है और वे हर साल पुष्कर मेले में अपने पशुओं के साथ चित्रित हैं। उनका प्रजनन है किघुर्न राजस्थान की पहचान और ग्रामीण संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। बदलते समय में घुंघरालों की संख्या और उनके पालन को लेकर कई प्रतिभाशाली सामने आ रही हैं। ऐसे में इनके संरक्षण के लिए पशुपालकों को प्रोत्साहित करना जरूरी है। पुष्कर मेले में इस बार करोड़ों रुपए के घोड़ों और अलग-अलग नस्लों के पशुओं के बीच 35 तोला चांदी का ताबीज पहने यह घोड़ा भी लोगों के आकर्षण का बड़ा केंद्र बना हुआ है।

15 किलो अफीम तस्करी में अभियुक्त को 12 वर्ष कठोर कारावास व 1 लाख 20 हजार जुर्माना

स्मार्ट हलचल

चित्तौड़गढ़ विशिष्ठ न्यायाधीश एनडीपीएस बेगूं के न्यायाधीश नीरज कुमार द्वारा 15 किलो अफीम में अभियुक्त को 12 वर्ष के कठोर कारावास एवं 1 लाख 20 हजार के जुर्माने की सजा सुनाई। सीबीएन बेगूं विशेष लोक अभियोजक उमा शंकर दाधीच ने बताया कि प्रकरण में सीबीएन नीमच द्वारा 25 मार्च 2023 को मिली मुखबीर की सूचना पर 26 मार्च को जब्ती अधिकारी द्वारा ग्राम खरड़ी, थाना व तहसील बेगूं में अभियुक्त सुरेशचन्द्र धाकड़ पिता शंभूलाल द्वारा अवैध मादक पदार्थ की तस्करी बाबत् 15 किलो अफीम की 8 प्लास्टिक की थैलियाँ एक प्लास्टिक के कट्टे में छुपा रखी थी। जिनको तस्करी बाबत् रखी गई थी। जो अभियुक्त के मकान से अंतर्गत धारा 1985 एनडीपीएस एक्ट में आज्ञामत प्रावधानों की पालना करते हुए विधि सम्मत कार्यवाही कर अभियुक्त के घर से जब्त किया गया। जिसमें विशिष्ठ न्यायाधीश बेगूं द्वारा प्रकरण में अभियुक्त को दोष सिद्ध मानते हुए 16-10-2026 को न्यायाधीश द्वारा 12 वर्ष का कठोर कारावास एवं 1 लाख 20 हजार के जुर्माना सहित अदम अदायगी एक वर्ष कठोर कारावास से दंडित किया गया। विशेष लोक अभियोजक सीबीएन बेगूं की ओर से उमा शंकर दाधीच द्वारा प्रभावी पैरवी करते हुए 102 प्रदर्श पेश किये गये जिन्हें बतौर साक्ष्य मानते हुए अभियुक्त को दोष सिद्ध किया गया।

पांच दिवसीय सिद्धि चक्र मंडल महाविधान का हुआ समापन



स्मार्ट हलचल

बिजौलियाँ बिजोलिया दिगंबर जैन पारसनाथ तपोदय तीर्थ क्षेत्र पर आयोजित पांच दिवसीय सिद्ध चक्र मंडल महाविधान का समापन मंत्र के साथ और हवन के साथ पूर्णाहुति हुई और इस कार्यक्रम में ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने भी शिरकत की तीर्थ क्षेत्र कमेटी की तरफ से उनका सम्मान किया गया इस अवसर पर उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन से मन को शांति मिलती है और आपसे प्रेम भाव को बढ़ावा मिलता है और क्षेत्र की प्रभाव ना भी होती है पूजन समाप्ति के पश्चात तीर्थ क्षेत्र पर बैंड बाजा के साथ शोभायात्रा निकाली गई जिसमें महिलाएं कलश लेकर नृत्य करती हुई चल रही थी कार्यक्रम में चंद्रप्रकाश विकास संदीप सुरल।।या परिवार कैथून का तीर्थ क्षेत्र कमेटी की तरफ से समृद्धि चिन्ह देकर सम्मानित किया गया साथ ही इस आयोजन में विशेष योगदान देने वाले कमलेश सावला विजय दुगेरिया बंटी जैन क। सम्मान किया गया जिनके निर्देशन में पूजा का कार्यक्रम संपन्न हुआ पंडित अभिषेक जैन और उनकी टीम का भी सुरल।य। परिवार द्वारा विशेष सम्मान किया गया पांच दिवसीय विधान में दिगंबर जैन श्रद्धालुओं ने 250000 म।ल।ओ का जाप किया कार्यक्रम में कोटा भाजपा शहर अध्यक्ष राकेश मडिया देवली नगर पालिका के उपसभापति नेमीचंद जैन तीर्थ कमेटी अध्यक्ष लालचंद जैन प्रकाश जैन दिनेश क।ला के अलावा बिजोलिया कोटा बूंदी रामगंज मंडी सिंगोली एरोली डाबी छोटी बिजोलिया सिंगोली ज।तला आदि कई जगह से भी श्रद्धालु गण इस कार्यक्रम में शामिल हुए

उगते सूर्य को अर्घ्य के साथ छठ महापर्व का समापन, तीनों घाटों पर उमड़ा आस्था का सैलाब

सूर्य की पहली किरण के साथ व्रतियों ने की पूजा-अर्चना, छठी मैया के जयकारों और पारंपरिक गीतों से गूंजे घाट

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा । लोकआस्था, श्रद्धा और अटूट विश्वास के महापर्व छठ का सोमवार सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ विधि-विधानपूर्वक समापन हुआ। शहर के मानसरोवर झील, वाटर वर्क्स टैंक और लव गार्डन स्थित नेहरू तलाई पर अलसुबह से ही श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। सूर्य की पहली किरण के साथ ही जल में खड़े होकर व्रती महिलाओं और पुरुषों ने भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया तथा छठी मैया की पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली और आरोग्य की कामना की। चार दिवसीय इस महापर्व के अंतिम दिन तीनों घाटों पर भक्ति, उल्लास और पारंपरिक लोक संस्कृति का अद्भुत संगम देखने को मिला। सोमवार तड़के से ही छठ घाटों पर श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में सजकर सिर पर दउरा और हाथों में पूजा के सूप



लेकर घाटों पर पहुंचीं। सूप और दउरा में फल, नारियल, गन्ना तथा विभिन्न पूजन सामग्री सजाकर सूर्य उपासना की तैयारियां की गईं। जैसे ही पूर्व दिशा में सूर्य की पहली किरण दिखाई दी, व्रतियों ने जल में खड़े होकर भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। इसके बाद छठी मैया की विधिवत पूजा-अर्चना कर पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार व्रत का पारण किया गया। घाटों पर गूंजते छठी मैया के जयकारों और 'केलवा के पात पर उगेलन सूरजमल' जैसे पारंपरिक छठ गीतों ने वातावरण को पूरी तरह भक्तिमय बना दिया। छठ महापर्व की सबसे बड़ी विशेषता इसकी कठिन साधना, पवित्रता, अनुशासन और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का भाव है। इस पर्व में डूबते और उगते दोनों सूर्य की उपासना की जाती है। चार दिनों तक चलने वाले इस अनुष्ठान में व्रती पूरी निष्ठा और कठोर नियमों के साथ पूजा-अर्चना करते हैं। भीलवाड़ा में पूर्वांचल समाज के साथ अन्य समाजों के लोगों की सहभागिता ने इस महापर्व को सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक एकता का व्यापक स्वरूप प्रदान किया। पूर्वांचल जन चेतना सेवा समिति के मीडिया प्रभारी विक्रम झा ने बताया कि तीनों छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं की गई थीं। उन्होंने कहा कि छठ महापर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आस्था, तपस्या, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। भीलवाड़ा में रहने वाले पूर्वांचल समाज के लोगों के लिए यह पर्व अपनी जन्मभूमि, परंपराओं और संस्कृति से जुड़ने का विशेष अवसर है। समिति का प्रयास है कि नई पीढ़ी भी अपनी लोकपरंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को समझे तथा उनसे जुड़ी रहे। समिति अध्यक्ष अरुण राय ने कहा कि छठ महापर्व हमारी आस्था, संस्कृति और सामाजिक एकता का प्रतीक है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से पूर्वांचल की समृद्ध परंपराओं को जीवंत बनाए रखने के साथ नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने आयोजन में सहयोग करने वाले सभी श्रद्धालुओं, समाजजनों और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। चार दिवसीय महापर्व के समापन पर तीनों छठ घाटों पर श्रद्धा और उल्लास का वातावरण रहा। श्रद्धालुओं ने एक-दूसरे को छठ पर्व की शुभकामनाएं दीं। सूर्य उपासना, छठी मैया के जयकारों और पारंपरिक लोकगीतों के बीच संपन्न हुए इस आयोजन ने वस्त्रनगरी भीलवाड़ा में पूर्वांचल की सांस्कृतिक विरासत, धार्मिक आस्था और सामाजिक एकता की अनुपम छटा बिखेरी। इस अवसर पर पूर्वांचल जन चेतना सेवा समिति के डॉ. अशोक सिंह, एच.एल. बघेल, आनंद राय, विजयानंद झा, सचिव ओमप्रकाश सिंह, रोशन सिंह, कामेश्वर सिंह, सूरज गुप्ता सहित समिति के अनेक पदाधिकारी, सदस्य एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मादक पदार्थ तस्कर शंकर सिंह व सह-अभियुक्त नाहर सिंह की काली कमाई से अर्जित करोड़ों की चल-अचल सम्पत्तियां एनडीपीएस एक्ट की धारा 68 एफ के तहत स्थाई फ्रीज

अब ड्रग माफिया नही कर सकेंगें काली कमाई से अर्जित सम्पत्तियों का उपयोग, बिक्री व हस्तांतरण





स्मार्ट हलचल

भवानी मंडी. झालावाड़ जिला पुलिस द्वारा ऑपरेशन दिव्य प्रहार के तहत मादक पदार्थों की तस्करी से कमाए गए संपत्ति पर शिकंजा कसते हुए दो तस्करों की करोड़ों रुपए की स ंपत्ति एनडीपीएस एक्ट के धारा 68 के तहत स्थाई फ्रिज की गई पुलिस अधीक्षक झालावाड़ अमित कुमार ने बताया कि मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' क ी नीति अपनाते हुए झालावाड़ पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के अपराधों से अर्जित सम्पत्तियों के विरुद्ध पुन: ऐतिहासिक क ार्यवाही की है। मादक पदार्थ तस्करी के समूल नाश की परिकल्पना के साथ आरंभ कि ए गए ऑपरेशन दिव्य प्रहार-1 के माध्यम से मादक पदार्थ तस्करों/नशा माफियाओं की जड़ों पर गहरा वार किये जाने की सफल क्रियान्विति के उपरान्त झालावाड़ पुलिस द्वारा नशा तस्करों को जड़ से समाप्त करने के उद्देश्य को लक्षित कर सतत रूप से पुन: क ठोर प्रहार करने हेतु माह जनवरी, 2026 से ऑपरेशन दिव्य प्रहार-2.0 प्रारंभ कि या गया। इस अभियान में पूर्व की भांति ही मादक पदार्थ तस्करों की गिरफ्तारियां के साथ-साथ ऐसे अपराधों से अर्जित की गई उस 'काली कमाई' को भी नष्ट किये जाने का अभूतपूर्व कार्य किया गया है, जिसके दम पर नशा तस्कर समाज में आमजन पर अपना रसूख जमाते थे।

अभियान की पृष्ठभूमि और रणनीति:-
जिले में निवासरत मादक पदार्थ तस्कर शंकर सिंह व सह-अभियुक्त नाहर सिंह के द्वारा अवैध तस्करी से अर्जित की गई चल-अचल संपत्तियों का पुलिस अधीक्षक कार्यालय की एमओबी शाखा में गोपनीय रूप से डेटाबेस तैयार किया गया तथा यह जानकारी सम्बन्धित थानाधिकारी थाना डग से साझा की गई जिनके द्वारा समस्त गोपनीय आसूचनाओं के आधार पर अपराधी व उनके सहयोगियों की इन अवैध आर्थिक सम्पत्तियों को फ्रीज किये जाने हेतु अग्रिम जांच व फ्रीजिंग कार्यवाही सम्पादित की गई।

गठित टीम :-
इस ऑपरेशन को सफल बनाने हेतु ऑपरेशन दिव्य प्रहार-1 के दौरान गठित की गई टीम के सदस्यों 1. श्री हेमन्त शर्मा स0उ0नि0, 2. श्री पिंकू मैरोठा हैड कानि0 377, 3. श्री वीकेश कुमार शर्मा कानि0 994 एवं 4. श्री नितेश यादव कानि0 376 द्वारा पुलिस अधीक्षक महोदय के निर्देशन में कार्य करते हुए थानाधिकारी थाना डग का सहयोग कर जांच प्रक्रिया के दौरान चरणबद्ध रूप से कार्यवाही सम्पादित करवाई गई।

जांच प्रक्रिया का आरंभ
जांच प्रक्रिया के दौरान थानाधिकारी थाना डग द्वारा सर्वप्रथम अपने थाना क्षेत्र में निवासरत मादक पदार्थ तस्कर शंकर सिंह व सह-अभियुक्त नाहर सिंह के नाम पर मादक पदार्थ तस्करी से प्राप्त आय से क्रय की गई स ंपत्तियों का चिन्हीकरण किया गया।

प्रशासनिक समन्वय:-
इस कार्यवाही के दौरान जिला कलेक्टर अजय सिंह राठौड़ के निर्देशन में राजस्व विभाग और सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों द्वारा पुलिस विभाग का समुचित सहयोग किया गया तथा पुलिस विभाग द्वारा चिन्हित की गई संपत्तियों का राजस्व रिकॉर्ड से मिलान करवाया और सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा उनके वर्तमान बाजार मूल्य का आंकलन कर त्वरित मूल्यांकन रिपोर्ट प्रदान की गई।

पृष्ठभूमि, प्रस्ताव एवं स्थाई फ्रीजिंग कार्यवाही:-
मादक पदार्थ तस्कर शंकर सिंह व उनके सह-अभियुक्त नाहर सिंह के विरुद्ध पूर्व में पंजीबद्ध मादक पदार्थ तस्करी से सम्बन्धित आपराधिक प्रकरणों की कार्यवाही के दौरान निम्नलिखित मादक पदार्थ एवं अपराध में प्रयुक्त वाहन जप्त किये गये हैं-

एनडीपीएस एक्ट के दर्ज कुल प्रकरण	मादक पदार्थ का प्रकार व उसकी मात्रा	अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में मादक पदार्थ का मूल्य (रुपये)	मादक पदार्थ तस्करी के दर्ज प्रकरणों में जब्त वाहन	
			दुपहिया वाहन	चौपहिया वाहन
01.	05 किलो 400 ग्राम डोडाचूरा	81,000/- रु	11,00,000/- रु	77,000 रु
02	किलो 200 ग्राम अफीम	11,81,000/- रु	77,000/-रुपये	

जिला पुलिस द्वारा चलाये जा रहे ऑपरेशन दिव्य प्रहार-2.0 के तहत पिछले 08 माह में की गई कार्यवाहियों के लगातार क्रम में इन मादक पदार्थ तस्करों शंकर सिंह पुत्र गोवर्धन सिंह जाति सौन्धिया राजपुत निवासी देवगढ थाना डग तहसील डग जिला झालावाड़ राज0 व सह-अभियुक्त नाहर सिंह पिता शंकर लाल जाति आँजना पटेल निवासी पटेलों का मौहल्ला कचनारा थाना नागेश्वर उन्हेल जिला झालावाड राज0 की चल-अचल सम्पत्तियों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट की धारा-68एफ के तहत तैयार कर प्रस्तुत किये गये प्रस्ताव में सक्षम प्राधिकारी द्वारा उनकी निम्नलिखित चल-अचल सम्पत्तियों को स्थाई रूप से फ्रीज किया गया है।

मकान की सं.	मूल्य	कृषि भूमि की संख्या	मूल्य	वाहन की संख्या	मूल्य
दुपहिया (05)				चौपहिया (01)	
01	02	03	04	05	06
07					
कुल मकान-01	बाजार मूल्य 83,22,247/- रुपये	-	-	4,61,567/- रुपये	16,31,900/- रुपये

20,93,467/- रुपये
कॉलम सं0 02, 04 व 07 का कुल बाजार मूल्य 1,04,15,714/- (एक करोड़ चार लाख पन्द्रह हजार सात सौ चौदह रुपये)

पुलिस कार्यवाही का प्रभाव:-
थानाधिकारी थाना डग ने एनडीपीएस एक्ट की धारा-68 (एफ) के प्रावधानों के तहत इन संपत्तियों को फ्रीज़ करवाने की कार्यवाही की, जिसे सक्षम प्राधिकारी द्वारा विधिक रूप से अनुमोदित किया जा चुका है। अब मादक पदार्थ तस्कर शंकर सिंह व उसके सहयोगियों द्वारा अवैध आय से अर्जित अपनी ही संपत्तियों का उपभोग या विक्रय नहीं कर सकेंगे, जिससे समाज में यह सन्देश स्पष्ट रूप से जायेगा कि यदि मादक पदार्थ तस्करी से अनुचित रूप से सम्पत्तियां अर्जित कर भी ली जायें तो ऐसी सम्पत्तियां स्थायी नहीं रहती और विधिक कार्यवाही के अधीन बनी रहती हैं।

झालावाड़ पुलिस का मादक पदार्थ तस्करों को कड़ा संदेश:
झालावाड़ पुलिस के ऑपरेशन दिव्य प्रहार-2.0 के लगातार क्रम में की गई इस उल्लेखनीय कार्यवाही पर प्रसारित सन्देश यह कि 'हम ना केवल मादक पदार्थ तस्करों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही करेंगे बल्कि उनकी और उनके सहयोगियों की अवैध आय से अर्जित सम्पत्तियों के खिलाफ भविष्य में भी इसी प्रकार प्रभावी कुर्की कार्यवाही करवायेंगें' की पुन: पुष्टि कर जिला पुलिस की दृढ़ भावना को साकार रूप प्रदान करती है और मादक पदार्थ तस्करों द्वारा अवैध आय से अर्जित चल-अचल सम्पत्तियों के विरुद्ध भविष्य में इसी प्रकार कार्यवाही जारी रखने के संकल्प को दोहराती है।

विशेष भूमिका:-
इस कार्यवाही में निम्न पुलिस कार्मिकों की विशेष भूमिका रही है-
हेमन्त शर्मा, स0उ0नि0, विभागीय जांच शाखा, एस0पी0ओ0 झालावाड़।
पिंकू मैरोठा, हैड कानि0 377 एम0ओ0बी0 शाखा झालावाड़।
वीकेश कुमार शर्मा कानि0 994 सायबर थाना झालावाड़।
नितेश यादव कानि0 376 सायबर टीम झालावाड़।

एसआईआर को लेकर एसडीएम ने ली बैठक, नवविवाहिताओं के नाम जोड़ने के निर्देश

स्मार्ट हलचल

पुष्कर/ अजमेर/एसडीएम गुरू प्रसाद तंवर ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों व 31 सुपरवाइजर्स की बैठक ली। बैठक में नगर परिषद सभापति राजेंद्र बाकोलिया सहित भाजपा, कांग्रेस व आरएलपी के प्रतिनिधि मौजूद रहे। 12 नवंबर से 11 दिसंबर तक दावे-आपत्ति लिए जाएंगे। प्रत्येक बुधवार को मतदान केन्द्रों पर क्लस्टर कैंप लगाकर नवविवाहिताओं व महिलाओं के नाम वोटर लिस्ट में जोड़ने के निर्देश दिए गए। बीएलओ को संवेदनशीलता से काम करने और पर्यवेक्षकों को सघन पर्यवेक्षण के निर्देश दिए गए।



पुष्कर में परशुराम सर्किल किए जाने पर ब्राह्मण समाज में हर्ष की लहर

सभापति उपसभापति का किया सम्मान

स्मार्ट हलचल

(हरिप्रसाद शर्मा) धार्मिक नगरी पुष्कर में नगर परिषद के निर्वाचित बोर्ड की प्रथम बैठक में ही पुष्कर के बांगड़ तिराया का नाम परशुराम सर्किल बनायें जाने प्रस्ताव किये जाने पर पुष्कर में सर्व ब्राह्मण समाज में हर्ष की लहर दौड़ गई । इस अवसर पर विप्र फाउंडेशन एवं सर्व ब्राह्मण समाज की तरफ से सभापति रोहन बाकोलिया एवं उपसभापति लक्ष्मी देवी पाराशर का माला एवं साफा पहना कर शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया गया ।



गांवों की चौपाल से मतदान केंद्रों तक लोकतंत्र का उत्साह, व्यवस्थाएं परखने पहुंचे जिला निर्वाचन अधिकारी

100 ग्राम पंचायतों में सरपंच-पंच चुनाव के बीच कमल राम मीना ने संभाला मोर्चा, आधा दर्जन से अधिक मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

स्मार्ट हलचल । अनिल खींची

ब्यावर । पंचायतीराज आम चुनाव के चतुर्थ चरण में सोमवार को जिले की तीन पंचायत समितियों की 100 ग्राम पंचायतों में सरपंच एवं पंच पदों के लिए मतदान हुआ। गांवों में सुबह से ही मतदान को लेकर उत्साह दिखाई दिया। लोकतंत्र के इस महापर्व में ग्रामीणों की भागीदारी के बीच जिला प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क नजर आया। मतदान को निष्पक्ष, स्वतंत्र एवं शांतिपूर्ण संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला निर्वाचन अधिकारी कमल राम मीना ने पिपलिया, लीलाम्बा, शेरगढ़, जसवंतपुरा लहरी, पिपलाज एवं कुशालपुरा सहित विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने मतदान प्रक्रिया का जायजा लेते हुए निर्वाचन व्यवस्थाओं की जमीनी हकीकत परखी। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मतदान केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था, मतदाताओं की सुविधाओं तथा बिजली, पेयजल, स्वच्छता और छाया जैसी मूलभूत व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदान करने पहुंचे ग्रामीणों से बातचीत कर व्यवस्थाओं का फीडबैक भी लिया। जिलेभर में मतदान प्रक्रिया पर लगातार निगरानी रखी गई। प्रशासन का प्रयास रहा कि प्रत्येक मतदाता बिना किसी दबाव और परेशानी के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके तथा चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हों।



गायत्री परिवार की मुख्य ट्रस्टी अनुसूईया पाटीदार का नेत्रदान, दो नेत्रहीनों को मिलेगी नई नेत्रज्योति

नेत्रदान बना परम्परा, भवानीमंडी से 168 वाँ नेत्रदान-

स्मार्ट हलचल

भवानी मंडी नेत्रदान के माध्यम से हमारी ज्योति मृत्यु के बाद भी जीवित रहकर इस संसार को देखती है। यह नश्वरता से अमरता की ओर एक कदम है। गीता के इसी भाव को लेकर भवानीमंडी में नेत्रदान अब परिवारों की परंपरा बनता जा रहा है।

परिवार ने दिखाई अनुकरणीय पहल
रविवार देर रात्रि को गायत्री परिवार ट्रस्ट भवानीमंडी की मुख्य ट्रस्टी अनुसूईया पाटीदार के निधन के पश्चात परिवार ने उनकी नेत्रदान की इच्छा को पूरा कर परोपकार की अनूठी मिसाल प्रस्तुत की। इससे पूर्व उनके पति एवं ट्रस्ट के तत्कालीन मुख्य ट्रस्टी स्वर्गीय शिवलालजी पाटीदार का नेत्रदान भी परिवार की पहल से हो चुका है।

पुत्र-पुत्रियों ने लिया निर्णय
भारत विकास परिषद के नेत्रदान प्रभारी एवं शाइन इंडिया फाउंडेशन के नगर संयोजक कमलेश गुप्ता दलाल ने बताया कि निधन के पश्चात पुत्र विकास पाटीदार तथा पुत्रियां मीनाक्षी एवं अंजना पाटीदार ने माता के नेत्रदान का निर्णय लिया। दामाद डॉ. शैलेंद्र पाटीदार (वरिष्ठ फिजीशियन, मनासा) द्वारा सूचना देने पर शाइन इंडिया फाउंडेशन के डॉ. कुलवंत गौड़ कोटा से ज्योति-रथ द्वारा रात्रि 2 बजे भवानीमंडी पहुंचे और परिवार के सामने नेत्रदान प्रक्रिया संपादित कर कॉर्निया प्राप्त किया। इस दौरान गायत्री परिवार के ट्रस्टी महेश सोनी सहित ट्रस्ट के अधिकांश सदस्य उपस्थित रहे।

कार्यक्रम छोड़कर पहुंचे डॉ. गौड़
जिस समय डॉ. गौड़ को सूचना मिली, उस समय वे अपने स्वसुर राष्ट्रीय कवि विश्वामित्र दाधीच के साथ एक संगीत आयोजन में प्रस्तुति दे रहे थे। सूचना मिलते ही वे कार्यक्रम अधूरा छोड़कर भवानीमंडी के लिए रवाना हुए और समय पर पहुंचकर कॉर्निया संकलित कर दो लोगों के लिए नई नेत्र ज्योति का प्रबंध किया।



कॉर्निया जयपुर भेजा गया
आई बैंक सोसाइटी ऑफ राजस्थान के कोऑर्डिनेटर डॉ. कुलवंत गौड़ के अनुसार अनुसूईया पाटीदार का कॉर्निया अच्छा पाया गया है, जिसे आई बैंक जयपुर भिजवा दिया गया है। वहां से यह दो नेत्रहीनों को नई नेत्र-ज्योति प्रदान करेगा।

भवानीमंडी बना नेत्रदान में मिसाल
नेत्रदान प्रभारी कमलेश गुप्ता दलाल ने बताया कि 3 वर्ष पूर्व गायत्री परिवार ट्रस्ट के तत्कालीन मुख्य ट्रस्टी एवं पंजाब नेशनल बैंक के पूर्व शाखा प्रबंधक शिवलालजी पाटीदार का नेत्रदान हुआ था। उसके पश्चात से उनकी पत्नी अनुसूईया पाटीदार ट्रस्ट के मुख्य ट्रस्टी के दायित्व का निर्वहन कर रही थीं। भवानीमंडी में नेत्रदान अब परंपरा बन चुका है। नगर में 19 परिवार ऐसे हैं, जहां एक से अधिक सदस्य का नेत्रदान हुआ है। यही कारण है कि झालावाड़ जिले का भवानीमंडी कस्बा आज पूरे राजस्थान में नेत्रदान के क्षेत्र में अपनी अनूठी पहचान बना रहा है, जहां शोक की घड़ी में भी परिवार स्वयं आगे आकर नेत्रदान के लिए पहल कर रहे हैं।

उगते सूर्य को अर्घ्य देकर पूरा हुआ छठ महापर्व

महिलाओं ने बच्चों की लंबी उम्र की कामना की, घाट पर गूंजे छठी मैया के पारंपरिक गीत

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा भीलवाड़ा में सोमवार सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही चार दिवसीय छठ महापर्व का समापन हुआ। व्रत करने वाली महिलाओं और पुरुषों ने घाटों पर पानी में खड़े होकर सूर्य देव को दूध और जल अर्पित किया। इस दौरान छठी मैया के पारंपरिक गीत गूंजते रहे। श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली और संतान की लंबी उम्र की कामना की। शहर के मानसरोवर झील, वाटर वर्क्स और लव गार्डन स्थित नेहरू तलाई सहित छठ घाटों पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी। व्रती महिलाएं पूजा सामग्री से सजी टोकरी और सूप लेकर घाटों पर पहुंचीं। उन्होंने विधि-विधान से पूजा की और उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत का पारण किया।

पूर्वांचल लोकसंस्कृति का संगम देखने को मिला
छठ घाटों पर पूर्वांचल समाज के लोगों में जबरदस्त उत्साह नजर आया। आतिशबाजी के बीच पारंपरिक कपड़े पहने महिलाओं ने छठी मैया के गीत गाए।

तीनों घाटों पर उमड़े श्रद्धालु
मानसरोवर झील, वाटर वर्क्स और लव गार्डन स्थित नेहरू तलाई पर आयोजित छठ पूजा में हजारों श्रद्धालु पहुंचे। महिलाएं पारंपरिक कपड़ों में परिवार के साथ घाटों पर पहुंचीं। बांस के सूप में फल, ठेकुआ और पूजन सामग्री सजाकर सूर्य देव को अर्घ्य दिया। इस दौरान व्रती महिलाओं और पुरुषों ने परिवार की सुख-समृद्धि और संतान की लंबी उम्र की कामना की।





छठी मैया के पारंपरिक गीत गाए
सूर्योदय के साथ व्रतियों ने जल में खड़े होकर सूर्य देव को दूध और जल से अर्घ्य दिया। घाटों पर छठी मैया के पारंपरिक गीत गूंजते रहे। अर्घ्य देने के बाद व्रतियों ने छठी मैया की पूजा की और परिवार के बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद लिया। इसके बाद प्रसाद ग्रहण कर व्रत का पारण किया। चार दिनों तक चलने वाले छठ महापर्व का सोमवार को विधि-विधान के साथ समापन हुआ। इस दौरान घाटों पर बच्चे, महिलाएं और पुरुष भी मौजूद रहे।

नेत्रदान महायज्ञ में नेत्रदान का सिलसिला यथावत

लायंस क्लब निम्बाहेडा द्वारा दो जोड़ी नेत्रदान से अंधत्व से ग्रसित चार व्यक्तियों की जिंदगी होगी रोशन

स्मार्ट हलचल

निम्बाहेडा निम्बाहेडा नगर परिषद क्षेत्र में जैन समाज में गत 24 घंटे में दो परिवारों में आकस्मिक निधन होने पर लायंस क्लब निम्बाहेडा द्वारा नेत्रदान करवाया गया। लायंस के आई डोनेशन चेयरमैन डॉ. जेएम जैन ने कंपाउंडर आशाराम सेन के सहयोग से शल्यक्रिया द्वारा नेत्र उत्साहित कर प्रत्यारोपण हेतु तत्काल लायंस सदस्यों द्वारा नीमच गोमाबाई नेत्रालय को सुपुर्द किये। आदर्श कॉलोनी क्षेत्र में जोरावर सिंह मेहता उम्र 83 वर्ष का रविवार रात्रि 8 बजे आकस्मिक निधन हुआ तथा सोमवार को तड़के 4:30 बजे सुशीला देवी पत्नी स्व. मनोहरलाल चेलावत उम्र 90 वर्ष का निधन हो गया। दोनों परिवारों के परिजनों ने दुखद घड़ी में राजेश, पिंकेश एवं संस्कार मेहता तथा चेलावत परिवार के दोनों पुत्र प्रकाश एवं अनिल चेलावत ने राष्ट्रीय अंधत्व निवारण कार्यक्रम के तहत नेत्रदान करवा कर समाज को प्रेरणा प्रदान की। उक्त कार्य में क्लब अध्यक्ष अरविंद मूंदड़ा, आर.के रायपुरिया, नानालाल भूतड़ा, मनोहरलाल वासवानी, विजय आगार, विनोद माहेश्वरी, अशोक जैन, अशोक मारू, दिलीप पामेचा, श्यामलाल भराडिया, गोपाल शर्मा, अनिल सोमानी, सुशील नागौरी, किशनलाल जोशी, सुरेशचंद्र कुदाल, दिनेश धींग, अश्विनी बेसर, के.बी अग्रवाल, सूरज सोनी, सुरेश सिंघवी, नवीन मारू, उमेश तोतला, सुरेश कुमावत, श्यामलाल सोनी, एस.एन चेचानी सहित परिजनों ने सहयोग प्रदान किया।



मंडावर में सफाई व्यवस्था का निकला दम! सड़कों पर कचरे के पहाड़, नगर पालिका कार्यालय में खाली कुर्सियों का खेल

सफाई कर्मचारियों की हड़ताल से कस्बे की स्वच्छता व्यवस्था बेपटरी, गली-मोहल्लों में कचरे का अंबार; जनता परेशान, जिम्मेदारों की कार्यशैली पर उठे गंभीर सवाल...

स्मार्ट हलचल

मंडावर (दौसा)। कस्बे में इन दिनों स्वच्छता व्यवस्था की जो तस्वीर सामने आ रही है, वह नगर पालिका के दावों और जमीनी हकीकत के बीच के अंतर को उजागर कर रही है। शहर की सड़कों और गली-मोहल्लों में जगह-जगह कचरे के ढेर लगे हैं। मुख्य मार्गों से लेकर चौराहों तक गंदगी का साम्राज्य दिखाई दे रहा है। हालात ऐसे बन गए हैं कि स्वच्छता अभियान की बातें अब कागजों तक सीमित नजर आने लगी हैं। जिस नगर पालिका पर पूरे कस्बे को साफ-सुथरा रखने की जिम्मेदारी है, उसी की व्यवस्थाओं को लेकर अब आमजन सवाल पूछने लगे हैं।

सफाई कर्मचारी हड़ताल पर, जनता भुगत रही खामियाजा
मंडावर में सफाई व्यवस्था बिगड़ने का एक बड़ा कारण सफाई कर्मचारियों की हड़ताल बताई जा रही है। कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर आंदोलनरत हैं। उनकी मांगों में वेतन, पीएफ (PF) और काम से जुड़े अन्य मुद्दे शामिल बताए जा रहे हैं। कर्मचारियों और प्रशासन के बीच समाधान नहीं निकलने का सीधा असर शहर की सफाई व्यवस्था पर पड़ रहा है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि कर्मचारियों और प्रशासन के बीच चल रहे विवाद में आम नागरिकों का क्या दोष है? आखिर कब तक कस्बे के लोगों को सड़कों पर जमा कचरे, दुर्गंध और गंदगी के बीच रहने को मजबूर होना पड़ेगा? प्रशासन को कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान निकालने के साथ-साथ वैकल्पिक सफाई व्यवस्था भी सुनिश्चित करनी चाहिए।

नगर पालिका कार्यालय में खाली कुर्सियां, जिम्मेदारी संभालने वाला कौन?
इस पूरे मामले का सबसे दिलचस्प पहलू नगर पालिका कार्यालय की तस्वीर है। कार्यालय में खाली पड़ी कुर्सियां और मेजों पर रखी फाइलें नगर पालिका की कार्यप्रणाली को लेकर चर्चा का विषय बनी हुई हैं। स्थानीय स्तर पर यह सवाल उठ रहा है कि जब कस्बे की सफाई व्यवस्था बदहाल है और जनता परेशान है, तब जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही कौन तय करेगा? जनता को उम्मीद रहती है कि नगर पालिका कार्यालय में उनकी समस्याएं सुनी जाएंगी और उनका समाधान होगा, लेकिन जब जिम्मेदारों की मौजूदगी और कार्यप्रणाली पर ही सवाल उठने लगें तो आमजन की परेशानी बढ़ना स्वाभाविक है।

सफाई निरीक्षक की कुर्सी खाली, शहर की सफाई व्यवस्था बेहाल!
सफाई व्यवस्था की निगरानी और कर्मचारियों के कार्यों को व्यवस्थित करने की जिम्मेदारी संबंधित अधिकारियों की होती है। ऐसे में सफाई निरीक्षण और नियमित मॉनिटरिंग को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। यदि शहर में लगातार कचरा जमा हो रहा है तो इसकी जिम्मेदारी तय होना जरूरी है। केवल कर्मचारियों की हड़ताल का हवाला देकर नगर की स्वच्छता व्यवस्था से मुंह नहीं मोड़ा जा सकता।

कचरे के ढेर से बीमारी फैलने का खतरा
सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर लंबे समय तक कचरा जमा रहने से दुर्गंध, मच्छरों और अन्य संक्रमण फैलने की आशंका बढ़ जाती है। इससे बच्चों, बुजुर्गों, दुकानदारों और राहगीरों को परेशानी हो सकती है। बाजारों और आबादी वाले क्षेत्रों में गंदगी का जमा होना आमजन के स्वास्थ्य के लिहाज से भी चिंता का विषय है।

जनता के तीखे सवाल, जवाब कब मिलेगा?
मंडावर के नागरिक अब नगर पालिका प्रशासन से कुछ सीधे सवालों के जवाब चाहते हैं–
1. सफाई कर्मचारियों की मांगों का समाधान निकालने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं?
2. हड़ताल के दौरान शहर की सफाई के लिए वैकल्पिक व्यवस्था क्यों नहीं दिखाई दे रही?
3. सड़कों और गली-मोहल्लों में जमा कचरे को हटाने की जिम्मेदारी किसकी है?
4. नगर पालिका कार्यालय में अधिकारियों की नियमित उपस्थिति और जनसुनवाई सुनिश्चित कौन करेगा?
5. शहर की सफाई व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए प्रशासन की कार्ययोजना क्या है?

अब आश्वासन नहीं, धरातल पर काम चाहिए
मंडावर के लोगों को स्वच्छ शहर चाहिए, न कि कागजों में चलने वाला स्वच्छता अभियान। सफाई कर्मचारियों की मांगों का समाधान निकालना भी जरूरी है और शहर की सफाई व्यवस्था को बनाए रखना भी प्रशासन की जिम्मेदारी है। दोनों पक्षों के बीच संवाद स्थापित कर जल्द से जल्द गतिरोध समाप्त किया जाना चाहिए। नगर पालिका प्रशासन को चाहिए कि वह वार्डवार सफाई अभियान चलाकर जमा कचरे को हटवाए, नियमित निगरानी की व्यवस्था करे और जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करे। कुल मिलाकर मंडावर में इस समय तस्वीर कुछ ऐसी है कि सड़कों पर कचरे के ढेर लगे हैं, सफाई कर्मचारी हड़ताल पर हैं और नगर पालिका की खाली कुर्सियां व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रही हैं। अब देखना यह है कि जिम्मेदार अधिकारी कब जागेंगे और मंडावर की जनता को गंदगी से कब राहत मिलेगी। मंडावर की आवाज अब यही पूछ रही है–आखिर शहर की सफाई व्यवस्था का जिम्मेदार कौन?

लखारा समाज का अन्नकूट महोत्सव 18 को प्रात

स्मार्ट हलचल

चित्तौड़गढ़। आदर्श लखारा समाज सेवा संस्थान चित्तौड़गढ़ के तत्वावधान में बुधवार 18 नवम्बर को लालजी महाराज मंदिर, लखारी घाटी पर अन्नकूट महोत्सव एवं छप्पन भोग का आयोजन किया जाएगा। मीडिया प्रभारी सत्यनारायण लखारा ने बताया कि शहर की लखारी घाटी स्थित लखारा समाज के भगवान श्रीलाल जी महाराज मंदिर पर बुधवार को प्रात: 10 बजे महाआरती व 56 भोग के पश्चात् प्रसाद वितरण होगा। इस धार्मिक आयोजन सम्पूर्ण आयोजन की व्यवस्था संस्थान अध्यक्ष गोपाल लाल सहित विजय कुमार, कौशल कुमार, उपाध्यक्ष कैलाशचन्द्र, अनिल कुमार, दुर्गेश कुमार कन्नोज की ओर से की जाएगी। आयोजन को लेकर महामंत्री मदनलाल, कोषाध्यक्ष राधेश्याम, महासचिव दुर्गेश पुठोली, युवा संगठन अध्यक्ष सुधीर कुमार, महामंत्री धीरज गणेशपुरा, दुर्गेश चिकारड़ा, संगठन मंत्री सुरेश, सत्यनारायण गांधीनगर सहित समस्त लखारा समाजजनों द्वारा तैयारिया की जा रही है।

ऊकरूंद में पुलिस की बड़ी कार्रवाई

घर में अनाज की टंकी से मिली अवैध 12 बोर बंदूक, आरोपी गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल

मंडावर (दौसा)। मंडावर थाना पुलिस ने अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए ग्राम ऊकरूंद में एक मकान से अवैध 12 बोर बंदूक बरामद की है। पुलिस ने मौके से हथियार जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध हथियार रखने वालों में हड़कंप मच गया। जिला पुलिस अधीक्षक कुंदन कंवरिया आईपीएस एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शंकरलाल मीना के निर्देशन तथा महवा वृत्ताधिकारी अनूपसिंह के सुपरविजन में मंडावर थानाधिकारी हरिओम मीना के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा यह कार्रवाई की गई। पुलिस प्रेस नोट के अनुसार 15 नवंबर 2026 को मंडावर थाना पुलिस की टीम गश्त पर थी। इसी दौरान ड्यूटी ऑफिसर हेड कांस्टेबल विनोद कुमार को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम ऊकरूंद निवासी लाखन सिंह मीना के मकान में अवैध 12 बोर बंदूक रखी हुई है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम मुखबिर के बताए स्थान पर पहुंची और मकान की तलाशी ली। तलाशी के दौरान घर के अंदर रखी अनाज की टंकी में बिना लाइसेंस अथवा अनुमति के रखी 12 बोर बंदूक बरामद हुई। पुलिस ने हथियार को नियमानुसार जब्त कर आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 3/25 के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

ये पुलिसकर्मी रहे कार्रवाई में शामिल

कार्रवाई में मंडावर थानाधिकारी हरिओम मीना, हेड कांस्टेबल विनोद कुमार नंबर 89, कांस्टेबल प्रताप सिंह नंबर 241 तथा कांस्टेबल चालक पप्पूराम नंबर 427 शामिल रहे।

पुलिस अब मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

पुष्कर मेले में दुकान लगाने की जगह को लेकर विवाद, मारपीट की नौबत

लोहार कॉलोनी के बाहर मेला ग्राउंड के मुख्य द्वार पर दो पक्षों में हुआ विवाद, मौके पर हंगामे का लाइव वीडियो सामने आया।

स्मार्ट हलचल



पुष्कर/ अजमेर/ अंतरराष्ट्रीय पुष्कर मेले में दुकान लगाने के लिए जगह आवंटन को लेकर विवाद सामने आया है। लोहार कॉलोनी के बाहर मेला ग्राउंड के मुख्य द्वार पर जगह को लेकर दो पक्षों के बीच कहासुनी हो गई, जो देखते ही देखते झगड़े में बदल गई। मौके पर दोनों पक्षों के लोग एक-दूसरे के साथ हाथापाई करते नजर आए। विवाद के चलते मौके पर हंगामे और तनाव की स्थिति बन गई। घटना का लाइव वीडियो भी सामने आया है, जिसमें लोग आपस में मारपीट करते दिखाई दे रहे हैं। मेले में दुकान लगाने के लिए जगह को लेकर हुए इस विवाद ने मेला व्यवस्थाओं पर भी सवाल खड़े किए हैं।

आड़ीवली गांव में लगातार हो रही चोरियों से ग्रामीणों में आक्रोश, पुलिस की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल

खेरवाड़ा डिप्टी की मौजूदगी में ग्रामीणों और महिलाओं ने की नारेबाजी, एसपी कार्यालय के बाहर धरने की चेतावनी

स्मार्ट हलचल

खेरवाड़ा/नयागांव। नयागांव के आड़ीवली गांव में लगातार हो रही चोरी की वारदातों से ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। चोरियों का खुलासा नहीं होने और आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने से ग्रामीणों ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। इसको लेकर खेरवाड़ा डिप्टी की मौजूदगी में ग्रामीणों एवं महिलाओं ने विरोध प्रदर्शन कर पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। ग्रामीणों का कहना है कि लगातार हो रही चोरियों से गांव में भय का माहौल बना हुआ है, लेकिन पुलिस अब तक अपराधियों तक पहुंचने में नाकाम रही है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही चोरियों का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया गया तो समस्त ग्रामीण जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय के बाहर धरना-प्रदर्शन करेंगे।

दिल्ली में उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ छठ महापर्व संपन्न, घाटों पर गूंजे छठी मैया के गीत

श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ व्रतियों ने किया 36 घंटे के निर्जला व्रत का पारण, सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना के साथ चार दिवसीय अनुष्ठान का हुआ समापन

स्मार्ट हलचल



नई दिल्ली। लोक आस्था, पवित्रता और प्रकृति उपासना का महापर्व छठ पूजा सोमवार को राजधानी दिल्ली में उगते सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित करने के साथ श्रद्धा और भक्तिभाव से संपन्न हो गया। सुबह तड़के ही दिल्ली के विभिन्न छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ जुटनी शुरू हो गई थी। व्रती महिलाओं और पुरुषों ने जल में खड़े होकर भगवान सूर्य की पहली किरण के साथ अर्घ्य अर्पित किया तथा छठी मैया से परिवार की सुख-समृद्धि, आरोग्य, संतान की दीर्घायु और खुशहाली की कामना की। दिल्ली के मंगल बाजार, गली नंबर 6 स्थित छठ घाट पर भी सुबह से ही श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही। व्रती अपने परिवार के सदस्यों के साथ पारंपरिक पूजा सामग्री लेकर घाट पहुंचे। सूप और दउरा में फल, नारियल, गन्ना, ठेकुआ और अन्य प्रसाद सजाकर उगते सूर्य देव को अर्घ्य दिया गया। सूर्य की पहली किरण के साथ घाट पर शंखध्वनि, छठी मैया के पारंपरिक गीतों और भक्तिमय जयकारों से वातावरण आध्यात्मिक हो उठा। श्रद्धालुओं ने पूरे विधि-विधान और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ पूजा-अर्चना की। छठ महापर्व का अंतिम दिन उषा अर्घ्य के नाम से जाना जाता है। संध्या अर्घ्य में अस्ताचलगामी सूर्य की उपासना के बाद सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रती अपने कठिन व्रत का समापन करते हैं। यह परंपरा जीवन में निरंतरता, आशा, ऊर्जा और सकारात्मकता का संदेश देती है। छठ व्रती कई दिनों तक कठिन नियमों, संयम और पवित्रता का पालन करते हुए इस अनुष्ठान को पूरा करते हैं। चार दिवसीय छठ महापर्व की शुरुआत नहाय-खाय से होती है। इसके बाद खरना, संध्या अर्घ्य और अंत में उषा अर्घ्य का आयोजन किया जाता है। इस दौरान व्रती लगभग 36 घंटे तक निर्जला उपवास रखते हैं। उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद व्रती प्रसाद ग्रहण कर व्रत का पारण करते हैं। परिवार के सदस्य और श्रद्धालु एक-दूसरे को प्रसाद वितरित कर पर्व की खुशियां साझा करते हैं। राजधानी दिल्ली में छठ पूजा का आयोजन धार्मिक आस्था के साथ-साथ सामाजिक एकता और सांस्कृतिक समरसता का भी प्रतीक बन चुका है। बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश सहित देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों ने इस पर्व के माध्यम से अपनी लोक परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को जीवंत रखा है। दिल्ली के विभिन्न इलाकों में बने घाटों पर परिवारों, मित्रों और स्थानीय निवासियों की सहभागिता देखने को मिली। छठ महापर्व सूर्य, जल और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अनूठा पर्व है। यह हमें स्वच्छता, अनुशासन, सादगी, पर्यावरण संरक्षण और सामूहिक सहयोग का संदेश देता है। इस पर्व में किसी भेदभाव के बिना सभी लोग एक साथ पूजा-अर्चना में शामिल होते हैं, जो सामाजिक सद्भाव और भाईचारे की भावना को मजबूत करता है। इस प्रकार उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ राजधानी दिल्ली में चार दिवसीय छठ महापर्व का समापन हो गया। श्रद्धा, समर्पण और लोक संस्कृति से जुड़ा यह पर्व एक बार फिर परिवार, समाज और प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारियों का संदेश देकर विदा हुआ।

कोली मोहल्ला के शिव मंदिर पर कोली समाज द्वारा लगाया अन्नकूट का भोग



स्मार्ट हलचल

शाहपुरा (भीलवाड़ा) शाहपुरा - कोली मोहल्ला स्थित शिव जी की छतरी पर कोली समाज द्वारा पहली बार श्रद्धा पूर्वक भव्य अन्नकूट का भोग लगाया गया। शिव मंदिर प्रांगण में आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में कोली समाज के महिला-पुरुषों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। सुबह से ही मंदिर में भक्तों का आना-जाना लगा रहा। महिलाओं ने भजन-कीर्तन कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। अन्नकूट के अवसर पर भगवान शिव को विभिन्न प्रकार के पकवान, फल, मिठाई सहित सैकड़ों व्यंजनों का भोग अर्पित किया गया। मंदिर को फूलों और रोशनी से आकर्षक ढंग से सजाया गया था। भोग के बाद उपस्थित सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। कोली समाज के लोगों ने बताया कि पहली बार आयोजित इस अन्नकूट महोत्सव को आगे भी हर वर्ष और भी भव्य रूप में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर समाज के लोगों ने एक-दूसरे को बधाई दी और समाज में एकता व भाईचारे को बनाए रखने का संकल्प लिया। इस अन्नकूट के कार्यक्रम में महेश भांकरिया,रामप्रताप तलाया, दीपक बछारीया,रामचन्द्र बोधेड़ीया,रामकिशन बोधेड़ीया, कैलाश भांकरीया,कन्हैया लाल शंकरवाल,सुंदर लाल भांकरिया,मोहन स्वरूप सकरवाल, कमलेश भांकरिया,ललिता देवी-अमरचन्द भांकरिया,रामस्वरूप बछापरिया,राजेन्द्र गेंडामार,मुरली तलाया,नरेश आमेरिया,नोरत भोपा,दौलत आमेरिया,सोहन रोदिया, सीताराम बछपरिया व हेमराज सुनारिया उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायत रेलगांव सरपंच लोकेश तिवारी का पदभार ग्रहण समारोह संपन्न...

स्मार्ट हलचल



दिगोद : ग्राम पंचायत रेलगांव मे नवनिर्वाचित सरपंच लोकेश तिवारी का पदभार कार्यक्रम आयोजित किया गया! जिसमे राजस्थान सरकार के ऊर्जा मंत्री सांगोद विधायक हीरालाल नागर रहे मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद विशिष्ट अतिथि के तौर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष उचमा मीणा दीगोद के नवनिर्वाचित सरपंच मनीष शर्मा, सिमलिया सरपंच ओम नागर, सुरेला सरपंच हेमलता मीणा, भाडाहेड़ा सरपंच मुस्कान कुमारी, मोतीकुआ सरपंच मिना कुमारी, हेमराज नागर जुगल शर्मा मौजूद रहे! सुल्तानपुर क्षेत्र की रेलगांव ग्राम पंचायत के नवनिर्वाचित सरपंच लोकेश तिवारी हनोतिया का पदभार ग्रहण समारोह रविवार को रेलगांव पंचायत परिसर में अत्यंत उत्साह एवं गरिमामय वातावरण के बीच संपन्न हुआ उसमें सभी ग्रामीण और प्रबुद्ध जन सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे पदभार ग्रहण के पहले अखंड रामायण पाठ का आयोजन किया गया और विधि विधान से आचार्य श्याम बिहारी शर्मा की सानिध्य में तीन कुंडी महायज्ञ का आयोजन हुआ जिसमें सरपंच उपसरपंच सभी वार्ड पंचों ने हावती दी उसके बाद रेल गांव के पंचायत के आसपास के लोगों ने सामूहिक भोजन कर समरसता का भाव स्थापित किया ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करते हुए नवनिर्वाचित सरपंच लोकेश तिवारी को पदभार ग्रहण करवाया और उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी इस दौरान उन्होंने आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए राज्य और केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में बताया उन्होंने कहा कि सरकार ग्रामीण बुनियादी ढांचे स्टूडेंट बिजली आपूर्ति पेयजल व्यवस्था सड़क निर्माण तथा किसानों के सशक्तिकरण गौ सेवार्थ चारागाह भूमि का क्रियान्वय व वन के लिए कार्य कर रही है कार्यक्रम में मुख्य रूप से दीगोद के नवनिर्वाचित सरपंच मनीष शर्मा सामाजिक कार्यकर्ता हेमराज नगर जुगल शर्मा कपिल शर्मा ने भी संबोधित किया और कहा कि लोकेश तिवारी जैसे सामाजिक कार्यकर्ता का सरपंच बनना क्षेत्र के लिए बहुत ही गौरव की बात है समाज सेवा में अग्रणी रहने वाले समाजसेवी लोकेश तिवारी जो आमजन के बीच लगातार कार्य करते हुए आ रहे हैं उनको रेल गांव की सरपंच की जिम्मेदारी मिलना गौरव की बात है नवनिर्वाचित सरपंच लोकेश तिवारी ने कहा कि डबल इंजन की सरकार की नीतियों को धरातल पर उतारकर रेल गांव ग्राम पंचायत को एक आदर्श ग्राम पंचायत के रूप में विकसित किया जाएगा! नवनिर्वाचित सरपंच लोकेश तिवारी ने जनसेवा और पारदर्शी कार्यप्रणाली का संकल्प लेते हुए कहा कि रेलगांव ग्राम पंचायत की जनता ने जो जिम्मेदारी सौंपी है उसे पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ निभाऊंगा! चारागाह भूमि को मुक्त कराया जाएगा सभी को साथ लेकर ग्राम पंचायत में स्वच्छता शिक्षा पेयजल सड़क सामाजिक सुरक्षा पेंशन सफाई जैसी मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता दी जाएगी! बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि ग्राम पंचायत के वार्ड पंच गणमान्य नागरिक युवा सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मंच संचालन ओम प्रकाश मीणा ने किया

सभी ने नवनिर्वाचित सरपंच लोकेश तिवारी का माल्यार्पण कर स्वागत किया और शुभकामनाएं दी ! इस दौरान मुख्य रूप से ओम प्रकाश मीणा हेमराज नागर जुगल शर्मा मंडल अध्यक्ष हेमराज मीणा मंडल प्रतिनिधी भीमराज मीणा मंडल अध्यक्ष चेतराम मनोज तिवारी धनराज,हरिओम पुरी कृष्णकुमार शर्मा, हरीश मीणा कपिल शर्मा, हरिओम मीना सहित अनेक कार्यकर्ता आमजन और सामाजिक क्षेत्र के कार्यकर्ता मौजूद रहे

भीलवाड़ा की नृत्यांगना स्तुति बिड़ला ने एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज कराया नाम

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। रमा कत्थक संस्थान, भीलवाड़ा की युवा नृत्यांगना स्तुति बिड़ला ने अपनी प्रतिभा, कठिन अभ्यास और निरंतर साधना के दम पर एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज करवाकर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। स्तुति, श्रीमती सुनीता एवं सत्यनारायण बिड़ला की पुत्री हैं। इससे पूर्व स्तुति इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में भी अपना नाम दर्ज करवा चुकी हैं। इसके बाद उन्होंने कत्थक नृत्य की पारंपरिक हस्त मुद्राओं का निरंतर अभ्यास किया और अपनी प्रस्तुति में गति एवं सटीकता बढ़ाने के लिए मेहनत जारी रखी। इसी का परिणाम रहा कि उन्होंने पूर्व निर्धारित 26 सेकंड 20 मिलीसेकंड के रिकॉर्ड समय को पीछे छोड़ते हुए मात्र 18 सेकंड 89 मिलीसेकंड में हस्त मुद्राओं का प्रदर्शन पूरा कर नया कीर्तिमान स्थापित किया। स्तुति की यह उपलब्धि भारतीय शास्त्रीय नृत्य कत्थक के प्रति उनकी निष्ठा, गुरुजनों के मार्गदर्शन, माता-पिता के संस्कार और वर्षों की साधना एवं समर्पण का परिणाम है। उनकी सफलता से रमा कत्थक संस्थान सहित भीलवाड़ा और राजस्थान का गौरव बढ़ा है। स्तुति पिछले दस वर्षों से कत्थक गुरु रमा पचीसिया के निर्देशन में विधिवत प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। गुरु के मार्गदर्शन में उन्होंने शास्त्रीय नृत्य की बारीकियों को सीखते हुए अपनी प्रतिभा को लगातार निखारा है। वर्तमान में वे नृत्य की निपुण पूर्ण की छात्रा हैं। रमा कत्थक संस्थान भीलवाड़ा की ऐसी संस्था है, जो पूरी तरह कत्थक नृत्य को समर्पित है और नई पीढ़ी को इस शास्त्रीय नृत्य विधा की पारंपरिक शैली में प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए कार्यरत है। संस्थान की नृत्यांगनाओं ने अब तक कुल छह रिकॉर्ड उपलब्धियां हासिल की हैं। इनमें चार इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और दो एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज हैं। स्तुति बिड़ला की यह सफलता उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि के साथ-साथ भारतीय शास्त्रीय नृत्य परंपरा के प्रति नई पीढ़ी के बढ़ते समर्पण का प्रेरणादायी उदाहरण है।



शक्करगढ़ आश्रम में ब्रह्मलीन संत अमराव जी महाराज का द्वितीय निर्वाण महोत्सव 10 व 11 दिसंबर को

देशभर के संत-महात्माओं का होगा समागम, नेत्र चिकित्सा शिविर, विराट धर्मसभा एवं विद्यार्थी सम्मान समारोह होंगे आयोजित

स्मार्ट हलचल



शाहपुरा श्री अमर ज्ञान निरंजनी आश्रम, शक्करगढ़ के संस्थापक ब्रह्मलीन संत अमराव जी महाराज का द्वितीय निर्वाण महोत्सव आगामी 10 एवं 11 दिसंबर को श्रद्धा, भक्ति एवं आध्यात्मिक उल्लास के साथ मनाया जाएगा। दो दिवसीय इस महोत्सव में देश के विभिन्न क्षेत्रों से संत-महात्मा एवं महामंडलेश्वर शिरकत करेंगे। इस दौरान धार्मिक, सामाजिक एवं सेवा से जुड़े विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। महोत्सव के आयोजन को लेकर सोमवार को आश्रम परिसर में महामंडलेश्वर स्वामी जगदीश पुरी जी महाराज की अध्यक्षता में आश्रम ट्रस्ट की बैठक आयोजित हुई। बैठक में सर्वसम्मति से महोत्सव के कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई। आश्रम के मीडिया प्रभारी सुरेंद्र जोशी ने बताया कि महोत्सव के प्रथम दिन 10 दिसंबर को सुबह आश्रम परिसर में विशाल नेत्र चिकित्सा शिविर आयोजित किया जाएगा। इसके पश्चात दोपहर में देश के विभिन्न स्थानों से पधारे ख्यातनाम महामंडलेश्वरों एवं संत-महात्माओं की गरिमामयी उपस्थिति में विराट धर्मसभा का आयोजन होगा। इसी अवसर पर विद्यार्थी सम्मान समारोह भी आयोजित किया जाएगा। इसमें शक्करगढ़ गांव के समस्त सरकारी एवं निजी विद्यालयों में कक्षा 6 से 12वीं तक अपनी-अपनी कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि महोत्सव के दूसरे दिन 11 दिसंबर को आश्रम परिसर में पुनः विराट श्रद्धांजलि सभा आयोजित होगी। इसमें संत-महात्माओं एवं श्रद्धालुओं द्वारा ब्रह्मलीन संत अमराव जी महाराज को श्रद्धासुमन अर्पित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी जाएगी।

चारों धामों में भागवत कथा के संकल्प की पूर्णता पर जताया आभार

बैठक में आश्रम ट्रस्ट के महत्वपूर्ण धार्मिक संकल्प के तहत देश के चारों प्रमुख धामों श्री द्वारकाधीश, श्री रामेश्वरम, श्री जगन्नाथ पुरी एवं श्री बद्रीनाथ धाम में श्रीमद्भागवत कथा के भव्य आयोजन की पूर्णता पर हर्ष व्यक्त किया गया। विशेष रूप से गत 1 से 8 अक्टूबर तक श्री बद्रीनाथ धाम में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा को सफलतापूर्वक संपन्न कराने पर आश्रम ट्रस्ट की ओर से तीर्थ भागवत कमेटी के अध्यक्ष संजय निमोदिया एवं महामंत्री सुरेंद्र जोशी के प्रति धन्यवाद एवं कृतज्ञता व्यक्त की गई। बैठक के प्रारंभ में आश्रम ट्रस्ट के दिवंगत ट्रस्टी भेरूलाल शाह एवं हेमचंद सुरतानिया के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। वहीं बैठक के अंत में आश्रम के सहकार मंडल के सदस्य महेंद्र गर्ग के कालेड़ा कृष्ण गोपाल ग्राम पंचायत के सरपंच निर्वाचित होने पर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। बैठक में आश्रम के ब्रह्मचारी आचार्य हंस चैतन्य, ब्रह्मचारी नारायण चैतन्य, महेंद्र चैतन्य, वरिष्ठ ट्रस्टी टी.सी. चौधरी, सुरेश चंद्र रुइया, भंवरलाल झंवर, रमेश सोमानी, संजय निमोदिया, किशोर कुमार शर्मा, सुरेंद्र जोशी, भगवान मंडोवरा, नाथूलाल पंचोली, दामोदर शाह, महेंद्र गर्ग, भवानी शंकर पाराशर, मुकेश कुमार बांगड़ सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

बूथों पर पहुंचकर संभागीय आयुक्त-आईजी ने परखी चुनावी व्यवस्थाएं, सुरक्षा

मसूदा-बदनोर के मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण, बुजुर्गों और दिव्यांग मतदाताओं की सुविधा सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

स्मार्ट हलचल । अनिल खींची



ब्यावर। पंचायती राज आम चुनाव के चतुर्थ चरण में मतदान को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के लिए सोमवार को प्रशासन और पुलिस के आला अधिकारी मैदान में नजर आए। संभागीय आयुक्त शक्ति सिंह राठौड़ एवं पुलिस महानिरीक्षक डॉ. रवि ने मसूदा और बदनोर क्षेत्र के विभिन्न मतदान केंद्रों पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मसूदा क्षेत्र के बाड़ी, हनुतिया, सथाना, पीपलाज एवं झाक खास तथा बदनोर क्षेत्र के रामपुरा और पाटन सहित विभिन्न मतदान केंद्रों का दौरा किया। उन्होंने मतदान केंद्रों पर पेयजल, छाया, रैंप, व्हीलचेयर और मतदाताओं के लिए कतार प्रबंधन जैसी मूलभूत सुविधाओं की स्थिति देखी। संभागीय आयुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांग मतदाताओं को मतदान के दौरान किसी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने पीठासीन अधिकारियों से मतदान प्रतिशत और ईवीएम मशीनों के संचालन की जानकारी भी ली। वहीं पुलिस महानिरीक्षक ने सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए पुलिस जाब्ते को पूरी मुस्तैदी से ड्यूटी निभाने के निर्देश दिए। उन्होंने संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील मतदान केंद्रों पर विशेष निगरानी रखने, लगातार मोबाइल पेट्रोलिंग करने तथा आदर्श आचार संहिता की सख्ती से पालना सुनिश्चित करने पर जोर दिया। इस दौरान संभागीय आयुक्त एवं आईजी ने मतदान केंद्रों पर कतार में खड़े मतदाताओं से बातचीत कर उन्हें निर्भीक होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया। अधिकारियों ने मतदान प्रक्रिया को शांतिपूर्ण बनाए रखने के लिए प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी कमल राम मीना, रिटर्निंग अधिकारी मसूदा दीपशिखा, पुलिस उप अधीक्षक शिवराज सिंह, तहसीलदार भींवराज परिहार, सीआई राजवीर सिंह सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

युवा विरासत महोत्सव के तहत मांडलगढ़ विधानसभा के विद्यालयों में निबंध प्रतियोगिताओं का आयोजन, विजेता विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र देकर किया सम्मानित

स्मार्ट हलचल



मांडलगढ़। भारतीय युवा कांग्रेस द्वारा आयोजित युवा विरासत महोत्सव के अंतर्गत मांडलगढ़ विधानसभा क्षेत्र के मांडलगढ़ एवं बिजौलिया ब्लॉक के विभिन्न विद्यालयों में निबंध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा अपनी लेखन प्रतिभा, रचनात्मक सोच और विचारों को निबंध के माध्यम से प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह संपूर्ण आयोजन मांडलगढ़ विधानसभा युवा कांग्रेस अध्यक्ष अजय राज सिंह के नेतृत्व में आयोजित किया गया। उनके मार्गदर्शन में विधानसभा क्षेत्र के दोनों ब्लॉकों में युवा विरासत महोत्सव की गतिविधियों को विद्यालय स्तर तक पहुंचाने का प्रयास किया गया, जिससे अधिक से अधिक विद्यार्थियों को इस आयोजन से जोड़ा जा सके। बिजौलिया ब्लॉक के विभिन्न विद्यालयों में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन ब्लॉक अध्यक्ष ऋतुराज मीणा के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। वहीं मांडलगढ़ ब्लॉक के विद्यालयों में धर्मराज गुर्जर के प्रतिनिधित्व में प्रतियोगिता आयोजित करवाई गई। दोनों ब्लॉकों में विद्यार्थियों की सहभागिता उत्साहजनक रही तथा विजेता विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया। युवा विरासत महोत्सव का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों एवं युवाओं को देश के गौरवशाली इतिहास, स्वतंत्रता आंदोलन के मूल्यों, लोकतांत्रिक परंपराओं तथा राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले महान व्यक्तित्वों के विचारों से परिचित कराना है। इस महोत्सव के माध्यम से पंडित जवाहरलाल नेहरू एवं पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी के जीवन, संघर्ष, विचारों और देश के विकास में उनके योगदान को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। विधानसभा अध्यक्ष अजय राज सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, आवश्यकता केवल उन्हें उचित मंच और अवसर प्रदान करने की है। निबंध जैसी प्रतियोगिताएं बच्चों की लेखन क्षमता, विचार शक्ति, आत्मविश्वास और रचनात्मकता को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। युवा कांग्रेस का प्रयास है कि युवाओं को केवल प्रतियोगिताओं तक सीमित न रखकर उन्हें देश के इतिहास, महापुरुषों के विचारों और सामाजिक जिम्मेदारियों से भी जोड़ा जाए। उन्होंने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी विद्यार्थियों, विद्यालयों के शिक्षकों एवं सहयोग करने वाले कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया तथा कहा कि युवा विरासत महोत्सव के अंतर्गत आगे भी विभिन्न रचनात्मक एवं वैचारिक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी, जिससे विधानसभा क्षेत्र के अधिक से अधिक युवाओं और विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिल सके। इस आयोजन के माध्यम से मांडलगढ़ एवं बिजौलिया ब्लॉक के विद्यालयों में विद्यार्थियों के बीच रचनात्मक एवं शैक्षणिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिला। युवा कांग्रेस पदाधिकारियों ने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विद्यालयों के सहयोग की सराहना की। युवा विरासत महोत्सव के माध्यम से मांडलगढ़ विधानसभा युवा कांग्रेस का उद्देश्य युवाओं को अपनी विरासत, इतिहास और विचारों से जोड़ते हुए उनमें जागरूकता, नेतृत्व क्षमता एवं रचनात्मक अभिव्यक्ति को बढ़ावा देना है।

भगवान बिरसा मुंडा के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प, आदिवासी समाज से उनके पदचिह्नों पर चलने का आह्वान

151वीं जयंती पर देशभर में जनजातीय गौरव दिवस के आयोजन, शिक्षा, एकता, सामाजिक जागरूकता, स्वाभिमान और जल-जंगल-जमीन के अधिकारों की रक्षा का संदेश...

स्मार्ट हलचल

नई दिल्ली। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती एवं जनजातीय गौरव दिवस देशभर में हर्षोल्लास, उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर देश के विभिन्न राज्यों में आदिवासी समाज, सामाजिक संगठनों, युवाओं और जनप्रतिनिधियों ने अनेक कार्यक्रम आयोजित कर भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धासुमन अर्पित किए। कहीं शोभायात्राएं निकाली गईं तो कहीं विचार गोष्ठियां, सांस्कृतिक कार्यक्रम, जनसभाएं और सामाजिक जागरूकता अभियान आयोजित किए गए। पूरे देश में भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष, बलिदान और ऐतिहासिक योगदान को याद करते हुए उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर आदिवासी समाज से आह्वान किया गया कि भगवान बिरसा मुंडा के बताए मार्ग और उनके पदचिह्नों पर चलकर समाज में शिक्षा, संगठन, एकता और जागरूकता को मजबूत किया जाए। बिरसा मुंडा का जीवन केवल इतिहास का एक अध्याय नहीं है, बल्कि यह संघर्ष, स्वाभिमान, सामाजिक चेतना और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने की प्रेरणा है। उन्होंने अपने समय में आदिवासी समाज को संगठित कर अन्याय, शोषण और दमन के विरुद्ध



आवाज बुलंद की थी। उनका संघर्ष आज भी समाज को अपने अधिकारों, संस्कृति और पहचान के संरक्षण के लिए प्रेरित करता है। भगवान बिरसा मुंडा ने आदिवासी समाज को आत्मसम्मान और सामूहिक शक्ति का महत्व समझाया। उनका जीवन बताता है कि जब समाज जागरूक और संगठित होता है तो वह कठिन से कठिन परिस्थितियों का सामना कर सकता है। आज उनके विचारों को समझने और नई पीढ़ी तक पहुंचाने की आवश्यकता है। केवल जयंती मनाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके आदर्शों को व्यवहार में उतारना भी जरूरी है।

शिक्षा को बनाना होगा समाज के विकास का सबसे बड़ा आधार

इस अवसर पर आदिवासी समाज के लोगों से विशेष रूप से शिक्षा के क्षेत्र में आगे आने की अपील की गई। समाज के प्रत्येक परिवार को अपने बच्चों की शिक्षा को प्राथमिकता देनी चाहिए। आर्थिक कठिनाइयों के कारण किसी भी आदिवासी विद्यार्थी की पढ़ाई बीच में नहीं छूटनी चाहिए। गांवों में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने, प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने, पुस्तकालय और अध्ययन केंद्र स्थापित करने तथा युवाओं को आईएएस, आईपीएस, आरएएस, चिकित्सा, इंजीनियरिंग और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में सामूहिक प्रयास किए जाने चाहिए। विशेष रूप से बेटियों की शिक्षा पर ध्यान देने की जरूरत है। शिक्षित बेटी न केवल अपने परिवार को आगे बढ़ाती है, बल्कि समाज में भी सकारात्मक परिवर्तन की आधारशिला रखती है। आदिवासी समाज के युवाओं को आधुनिक शिक्षा, तकनीक, रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ना समय की आवश्यकता है।

जल, जंगल और जमीन आदिवासी समाज की पहचान

आदिवासी समाज की पहचान उसकी संस्कृति, परंपराओं, प्राकृतिक संसाधनों और प्रकृति के साथ उसके गहरे संबंधों से जुड़ी हुई है। जल, जंगल और जमीन केवल प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि आदिवासी जीवन, आजीविका और सांस्कृतिक विरासत के महत्वपूर्ण आधार हैं। इनके संरक्षण के साथ आदिवासी समाज के संवैधानिक और कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाना भी आवश्यक है। पेसा कानून, वन अधिकार अधिनियम और संविधान में जनजातीय समुदायों को दिए गए प्रावधानों की जानकारी गांव-गांव तक पहुंचनी चाहिए। पात्र परिवारों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिले और किसी भी व्यक्ति को जानकारी के अभाव में अपने अधिकारों से वंचित नहीं रहना पड़े, इसके लिए सामाजिक संगठनों को जागरूकता अभियान चलाने चाहिए।

सामाजिक एकता और संगठन से मजबूत होगा समाज

भगवान बिरसा मुंडा के जीवन से सबसे बड़ी प्रेरणा समाज को एकजुट करने की मिलती है। वर्तमान समय में आदिवासी समाज को आपसी मतभेद, सामाजिक दूरी और छोटी-छोटी बातों से ऊपर उठकर शिक्षा, सामाजिक विकास और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य के लिए एकजुट होना होगा। समाज के युवाओं को सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ना, नशामुक्ति को बढ़ावा देना, अंधविश्वास और सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जागरूकता फैलाना तथा अपनी भाषा, बोली, संस्कृति और परंपराओं का संरक्षण करना सामूहिक जिम्मेदारी है। देश के अलग-अलग राज्यों में रहने वाले जनजातीय समुदायों के बीच आपसी संवाद, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और संगठनात्मक समन्वय भी मजबूत किया जाना चाहिए। आदिवासी समाज की विविध भाषाएं, परंपराएं और सांस्कृतिक विरासत उसकी विशिष्ट पहचान हैं। इस विरासत को सुरक्षित रखते हुए नई पीढ़ी को आधुनिक शिक्षा और विकास के अवसरों से जोड़ना ही आगे बढ़ने का रास्ता है।

युवाओं से नेतृत्व और सामाजिक जिम्मेदारी निभाने की अपील

जयंती के अवसर पर युवाओं से आह्वान किया गया कि वे भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष और विचारों से प्रेरणा लेकर समाज के विकास में सक्रिय भूमिका निभाएं। युवा केवल अपने व्यक्तिगत भविष्य तक सीमित न रहें, बल्कि अपने गांव, समाज और क्षेत्र के जरूरतमंद विद्यार्थियों की मदद करें। शिक्षा से वंचित बच्चों को विद्यालय से जोड़ने, प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने और सरकारी योजनाओं की जानकारी जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचाने में योगदान दें। आदिवासी समाज के युवाओं को प्रशासनिक सेवाओं, राजनीति, शिक्षा, पत्रकारिता, खेल, विज्ञान और उद्यमिता सहित हर क्षेत्र में अपनी भागीदारी बढ़ानी चाहिए। समाज में ऐसे नेतृत्व का निर्माण होना चाहिए जो संविधान, लोकतांत्रिक मूल्यों और सामाजिक न्याय के प्रति प्रतिबद्ध हो।

विचारों को अभियान में बदलना ही सच्ची श्रद्धांजलि

भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती का संदेश केवल एक दिन के आयोजन तक सीमित नहीं रहना चाहिए। इस अवसर पर समाज को संकल्प लेना चाहिए कि प्रत्येक गांव में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाई जाएगी, जरूरतमंद विद्यार्थियों की सहायता की जाएगी, सामाजिक एकता को मजबूत किया जाएगा और आदिवासी संस्कृति एवं संवैधानिक अधिकारों के संरक्षण के लिए शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से प्रयास किए जाएंगे। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा ने अपने संघर्ष और बलिदान से जो इतिहास रचा, वह सदियों तक समाज को प्रेरणा देता रहेगा। आज जरूरत उनके नाम के साथ-साथ उनके विचारों को भी आत्मसात करने की है। जब आदिवासी समाज शिक्षित, संगठित, जागरूक और आत्मनिर्भर बनेगा, तभी उनके संघर्ष और सपनों को आगे बढ़ाने की दिशा में सार्थक कदम उठाया जा सकेगा। बिरसा मुंडा सिर्फ एक नाम नहीं, बल्कि एक विचार, एक चेतना और सामाजिक स्वाभिमान की पहचान हैं। उनके पदचिह्नों पर चलकर शिक्षा, एकता और अधिकारों की रक्षा का संकल्प लेना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा अमर रहें! जय जोहार! जय आदिवासी!

हजरत काजी चल फिर शाह साहब की दरगाह में फिक्हीं क्विज़ मुकाबला हुआ

स्मार्ट हलचल



चित्तौड़गढ। चित्तौड़गढ़ में हजरत काजी चल फिर शाह साहब की रहमतुल्लाह अलैह की दरगाह में दरगाह सदर एडवोकेट अलहाज सैय्यद दौलत अली साहब की सरपरस्ती व दरगाह सेक्रेटरी सैय्यद अमानत अली की सदारत में एक फिक्की क्विज मुकाबला हुआ दरगाह के ट्रस्टी रफीक मर्चेंट उर्फ बोबी भाई दरगाह के खादिम सैय्यद इनायत अली एडवोकेट और शाही इमाम मौलाना मुफ्ती उस्मान अल अजहरी अशरफी की जेरे निगरानी में फिक्हीं क्विज़ मुकाबला हुआ जिसमें 70 मर्द और 120 खवातीन (लडकियों) ने हिस्सा लिया। शाही इमाम मोलाना मुफ्ती उस्मान अशरफी ने बताया कि इस प्रोग्राम का मकसद तालिम के जरिया लोगों को बेदार करना है। प्रोफेट हजरत मोहम्मद साहब ने फरमाया इल्म (एज्युकेशन) हासिल करना हर मर्द औरत पर फर्ज है। तालीम इंसान को अन्धेरे से निकाल कर उजाले मे लाती है। इल्म हासिल करो मां की गोद से कब्र की आखरी मंजिल तक। इस मौके पर मोलाना अब्दुल रशीद बरकाती, मोलाना खलील बरकाती, सज्जादानशीन सलीम अशरफी, मोलाना उमेर अशरफी, मोलाना आबीद, मोलाना अहसान चंदेरिया, मोलाना हफी बोदियाना, मोलाना इकबाल, हाफिज जावेद, हाफीज शमशुल हसन, कारी नसीम, मोलाना कलीम हशमत कोलोनी ने खिदमत अंजाम दी व खवातीन लड़कियों मे सय्यदा फिरोज बेगम,सनाफात्मा,शाहीन, एम पी एस स्कूल की टीचर जीनत छीपा,एडवोकेट असमा खानम,एम पी एस स्कूल की टीचर आफरीन,शबीया ने खिदमत अंजाम दी।

नामदेव दर्जी समाज का अन्नकूट व दीपावली मिलन समारोह



स्मार्ट हलचल

चित्तौड़गढ़ । श्रीनामदेव दर्जी समाज, चित्तौड़गढ़ का अन्नकूट महोत्सव व दीपावली मिलन समारोह समाज के नामदेव भवन पर रविवार को आयोजित हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि सांसद सीपी जोशी थे। अध्यक्ष नगर परिषद सभापति अनिल ईनाणी ने की। अति विशिष्ठ अतिथि उपसभापति सुदर्शन रामपुरिया, विशिष्ठ अतिथि हर्षवर्द्धनसिंह रूद, गौरव त्यागी, पार्षद शैलेन्द्र झंवर, वार्ड पार्षद प्रदीप काबरा मंच पर उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत श्रीनामदेव दर्जी समाज सेवा संस्थान के अध्यक्ष रमनलाल ठाडा, मंत्री देवेन्द्र गोठवाल, कोषाध्यक्ष कैलाशचन्द्र कांवलिया, संरक्षक शिवलाल बादू, प्रहलाद मेहर, जमनालाल लुहाड़िया, रमेशचन्द्र ठाडा, राजकुमार तोलम्बिया, कैलाशचन्द्र हरगण, मनीष मेहर ने किया। स्वागत उद्बोधन संस्थान अध्यक्ष रतनलाल ठाडा ने दिया। सर्वप्रथम अतिथियों ने ठाकुरजी की महाआरती में भाग लिया। मुख्य अतिथि सांसद सीपी जोशी ने समस्त समाजजनों को अपने उद्बोधन में आराध्य देव संत शिरोमणी नामदेव जी के जीवन पर प्रकाश डाला तथा उनकी भक्ति, आदर्शों को अपने जीवन में अंगीकार करने का संदेश दिया। इस अवसर पर इन्द्रमल रूणवाल सावा, भीलवाड़ा दर्जी समाज अध्यक्ष संदीप टेलर, मातृकुण्डिया समिति अध्यक्ष गोवर्धनलाल तोलम्बिया, पूर्व अध्यक्ष शांतिलाल ठाडा व समस्त दर्जी समाज के पुरुष, महिला, युवा तथा बच्चे बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। अंत में सभी ने भगवान लक्ष्मीनाथ के अन्नकूट महाप्रसाद को ग्रहण किया। संचालन पारस टेलर ने किया। आभार कैलाशचन्द्र कांवलिया ने व्यक्त किया।

दाधीच समाज ने फिर जताया रविन्द्र जोशी पर भरोसा, 133 मतों से दूसरी बार अध्यक्ष निर्वाचित

जोशी को 905 मतों के साथ मिली जीत; 1689 मतदाताओं ने किया मतदान

स्मार्ट हलचल



कोटा। श्री महर्षि दधीचि छात्रावास समिति, कोटा संभाग के अध्यक्ष पद के चुनाव में रविन्द्र जोशी (देहित) ने लगातार दूसरी बार जीत दर्ज कर समाज का विश्वास हासिल किया। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी नितेश दाधीच को 133 मतों से पराजित कर अध्यक्ष पद पर पुनर्निर्वाचन का गौरव प्राप्त किया। चुनाव में कुल 2084 मतदाता पंजीकृत थे, जिनमें से 1689 ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतगणना के दौरान 12 मत निरस्त घोषित किए गए। घोषित परिणामों के अनुसार रविन्द्र जोशी को 905 मत प्राप्त हुए, जबकि नितेश दाधीच के पक्ष में 772 मत पड़े। इस प्रकार जोशी ने 133 मतों के अंतर से विजय हासिल की। चुनाव में संपूर्ण हाड़ौती क्षेत्र के दाधीच समाजबंधुओं ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। मतदान के प्रति समाज के लोगों का रुझान समिति के नेतृत्व और भविष्य की कार्ययोजना को लेकर उनकी सक्रियता को दर्शाता है। पुनर्निर्वाचित अध्यक्ष रविन्द्र जोशी ने अपनी जीत का श्रेय समस्त दाधीच समाज, मतदाताओं और समर्थकों को देते हुए कहा कि यह व्यक्तिगत विजय नहीं, बल्कि समाज के विश्वास, एकता और सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने आगामी कार्यकाल में छात्रावास समिति के विकास, सामाजिक एकजुटता, युवा एवं महिला सशक्तीकरण तथा समाज कल्याण से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता देने की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने कहा कि सभी समाजबंधुओं को साथ लेकर पारदर्शिता, निष्पक्षता और समर्पण के साथ जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगे।

संगठन के उद्देश्यों के विपरीत कार्य करने पर नवनीत महर्षि की सदस्यता समाप्त

जिला कोटा के उपाध्यक्ष पद पर वर्ष 2016 में हुए थे मनोनीत, संविधान के नियम 7(ख) के तहत निष्कासन आदेश जारी

स्मार्ट हलचल



कोटा। संगठन के उद्देश्यों के विपरीत कार्य करने और संविधान के नियमों का उल्लंघन करने के मामले में जिला कोटा के उपाध्यक्ष रिटायर्ड पुलिसकर्मी नवनीत महर्षि को संगठन की सदस्यता से निष्कासित कर दिया गया है। संगठन के जिला अध्यक्ष महावीर सिंह शेखावत ने इस संबंध में आदेश जारी कर उनकी सदस्यता समाप्त करने की घोषणा की है। आदेश के अनुसार नवनीत महर्षि ने 15 फरवरी 2011 को संगठन की आजीवन सदस्यता ग्रहण की थी। इसके लिए उन्होंने 1100 रुपए सदस्यता शुल्क जमा कराया था, जिसकी रसीद संख्या 77 जारी की गई थी। वर्ष 2016 में उन्हें जिला कोटा का उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया था। आदेश में उल्लेख किया गया है कि वर्ष 2022 से नवनीत महर्षि संगठन के उद्देश्यों के विपरीत कार्य कर रहे थे, जो संगठन के संविधान के नियम 7(ख) का उल्लंघन है। इसी के आधार पर संविधान के प्रावधानों के तहत उनकी सदस्यता समाप्त कर संगठन से निष्कासित किया गया है।

रेलवे स्टेशन पर बाल भिक्षावृत्ति और गुमशुदा बच्चों की सुरक्षा को लेकर RPF की बैठक

बाल संरक्षण एवं चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर हुई चर्चा; बच्चों से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए आपसी समन्वय पर दिया जोर

भीलवाड़ा। रेलवे पुलिस फोर्स (RPF) की ओर से आयोजित मासिक बैठक में रेलवे स्टेशन परिसर में बाल भिक्षावृत्ति की रोकथाम, गुमशुदा बच्चों की पहचान और बाल संरक्षण से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में रेलवे स्टेशन परिसर में बाल भिक्षावृत्ति रोकने, गुमशुदा एवं घर से बिछड़े बच्चों की पहचान करने तथा ऐसे बच्चों के संबंध में तत्काल चाइल्ड हेल्पलाइन के टोल फ्री नंबर 1098 पर सूचना देने को लेकर जानकारी साझा की गई। साथ ही बच्चों की सुरक्षा एवं संरक्षण सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभागों और इकाइयों के बीच आपसी समन्वय से कार्य करने पर जोर दिया गया। बैठक में रेलवे पुलिस फोर्स (RPF) प्रभारी विक्रम सिंह, मानव तस्करी विरोधी यूनिट के एएसआई मुकेश कुमार पारिख, ईश्वर सिंह तथा चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 के परियोजना समन्वयक राधेश्याम गुर्जर उपस्थित रहे।

अजमेर में 13 साल से रह रहा बांग्लादेशी पकड़ा

2011 में अवैध तरीके से भारत आया; दिल्ली-हरियाणा में रहने के बाद यहां बनाया ठिकाना

स्मार्ट हलचल

अजमेर अजमेर के दरगाह इलाके में अवैध रूप से रह रहे एक बांग्लादेशी नागरिक को पुलिस ने पकड़ा। जहीदुल उर्फ जाहिद (35) पुत्र मोहम्मद रजबुलहक बांग्लादेश के जमालपुर जिले का रहने वाला है। वह करीब 13 साल से अजमेर सहित देश के अलग-अलग शहरों में खानाबदोश बनकर रह रहा था। दरगाह थाना पुलिस और सीआईडी जोन अजमेर की टीम ने सोमवार को उसे डिटेन कर पूछताछ की। पुलिस की विशेष टीम से पूछताछ में उसने खुद को बांग्लादेशी नागरिक होना स्वीकार किया। साथ ही अवैध तरीके से बॉर्डर पार कर भारत आने की बात भी कबूली। पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला के निर्देश पर जिले में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान और धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हिमांशु जागिड़ और दरगाह सीओ हर्षित शर्मा के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम में दरगाह थाना प्रभारी दिनेश जीवनानी सहित अन्य जाप्ता है। पुलिस के अनुसार- जहीदुल उर्फ जाहिद (35) पुत्र मोहम्मद रजबुलहक बांग्लादेश के जमालपुर जिले का रहने वाला है। पूछताछ में सामने आया कि वह साल 2011 में बेनापोल बॉर्डर के रास्ते अवैध रूप से भारत में आया था। इसके बाद दिल्ली पहुंचा और करीब 6 महीने तक वहां रहा। फिर हरियाणा में करीब एक साल खानाबदोश के रूप में रहा। वर्ष 2013-14 में वह अजमेर आया और दरगाह शरीफ क्षेत्र में रहने लगा। इस दौरान वह बेंगलुरु, पुणे, दिल्ली और गुजरात सहित कई स्थानों पर भी रहा। करीब 2 से 3 साल अलग-अलग जगहों पर खानाबदोश के रूप में रहने के बाद वापस अजमेर आ गया। पुलिस टीम ने मुखबिरों से सूचना जुटाकर तकनीकी संसाधनों और अन्य जानकारियों के आधार पर दरगाह बाजार, जालियान कब्रिस्तान, अंडरकोट, नई सड़क, तारागढ़ की पहाड़ी, सिलावट मोहल्ला, बड़े पीर का चिल्ला, लंगरखाना गली, चश्मा ए नूर, त्रिपोलिया गेट और आसपास के क्षेत्रों में तलाश की। इसके बाद संदिग्ध को डिटेन किया गया। पुलिस के अनुसार- विशेष अभियान के तहत अब तक 67 बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ कार्रवाई की जा चुकी है। यह 29वीं कार्रवाई है।

डॉ. प्रियंका 'सौरभ' को 2.82 लाख के सम्मान, भिवानी गौरव पुरस्कार-2026 से अलंकृत

नारायणी देवी भग्गनका ओजस्विनी सम्मान भी प्रदान किया गया; साहित्य, पत्रकारिता एवं सामाजिक चिंतन में योगदान को मिली विशिष्ट पहचान

स्मार्ट हलचल



नई दिल्ली/हिसार/भिवानी/सिवानी मंडी, 15 नवंबर। साहित्य, पत्रकारिता एवं सामाजिक चिंतन के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए हरियाणा की साहित्यकार एवं स्तंभकार डॉ. प्रियंका 'सौरभ' को भिवानी गौरव पुरस्कार-2026 से सम्मानित किया गया। दिल्ली के रोहिणी सेक्टर-10 स्थित होटल क्राउन प्लाजा में आयोजित समारोह में उन्हें ?2,51,000 की आजीवन गौरव सदस्यता तथा ?31,000 का भिवानी गौरव साहित्य पुरस्कार प्रदान किया गया। इस प्रकार उन्हें कुल ?2,82,000 की सम्मान राशि से अलंकृत किया गया। इसके अतिरिक्त उन्हें प्रतिष्ठित नारायणी देवी भग्गनका ओजस्विनी सम्मान भी प्रदान किया गया। रविवार, 15 नवंबर 2026 को दिल्ली के क्राउन प्लाजा होटल, रोहिणी में आयोजित इस समारोह में परम संत हुजूर कंवर साहिब जी महाराज का पावन सानिध्य प्राप्त हुआ। उनके सानिध्य ने आयोजन को आध्यात्मिक गरिमा प्रदान की। समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान के लिए अन्य विभूतियों को भी सम्मानित किया गया। इनमें लोक प्रशासन एवं ग्राम विकास के लिए सांसद एन.डी. गुप्ता, शिक्षा के लिए डॉ. नरेश कौशिक, पत्रकारिता के लिए श्री बलवान शर्मा, साहित्य के लिए डॉ. जोगेंद्र कुमार, खेल के लिए श्री पूनम शर्मा, सेवा के लिए श्री रामदेव तायल, कला एवं संगीत के लिए श्री दिनेश रहन तथा राष्ट्रसेवा के लिए श्री जीताराम गुप्ता (एडवोकेट) शामिल रहे। इसके अतिरिक्त सेवामूर्ति श्री सूरजमल कागड़िया, श्री कुलदीप राज महाजन और श्री जगन्नाथ सर्राफ के नाम से स्मृति सत्र भी आयोजित किए गए।

साहित्यिक एवं सामाजिक योगदान का सम्मान

राजनीति विज्ञान में पीएच.डी. डॉ. प्रियंका 'सौरभ' कवयित्री, साहित्यकार, स्वतंत्र पत्रकार, स्तंभकार एवं सामाजिक चिंतक हैं। हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में सक्रिय लेखन करते हुए उनके हजारों संपादकीय, लेख एवं विचार-आलेख प्रकाशित हो चुके हैं। उनके लेखन के प्रमुख विषय महिला सशक्तिकरण, स्त्री-अस्मिता, शिक्षा, ग्रामीण विकास, लोकतांत्रिक मूल्य और समसामयिक सामाजिक सरोकार हैं।

14 पुस्तकों से समृद्ध साहित्यिक यात्रा

डॉ. प्रियंका 'सौरभ' की 12 व्यक्तिगत तथा दो संपादित पुस्तकें प्रकाशित हैं। उनकी प्रमुख कृतियों में 'दीमक लगे गुलाब', 'चूल्हे से चाँद तक', 'मौन की मुस्कान', 'खिड़की से झाँकती ज़िंदगी', 'परियों से संवाद', 'बच्चों की दुनिया', 'समय की रेत पर', 'निर्भयें', OFearlessÓ और 'आँचल की चुप्पी' शामिल हैं। हरियाणवी भाषा एवं लोकसाहित्य के संरक्षण के लिए भी वे निरंतर सक्रिय हैं। 'म्हारी माट्टी, म्हारे आखर' का संकलन एवं संपादन उनके इस योगदान को रेखांकित करता है।

राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिली पहचान

उन्हें पूर्व में नारी रत्न पुरस्कार, विश्व हिंदी साहित्य रत्न पुरस्कार, सुपर वुमन अवार्ड, ग्लोबल सुपर वुमन अवार्ड, महिला रत्न सम्मान, नागरिक पत्रकारिता नारद पुरस्कार तथा साहित्यांचल राष्ट्रीय पुरस्कार सहित अनेक सम्मानों से सम्मानित किया जा चुका है। उन्हें यूनाइटेड किंगडम, फिलीपींस एवं बांग्लादेश से अंतरराष्ट्रीय मानद डॉक्टरेट उपाधियाँ भी प्राप्त हुई हैं।

सफलता का श्रेय माता-पिता, परिवार और जीवनसाथी को

अपनी इस उपलब्धि पर डॉ. प्रियंका 'सौरभ' ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, परिवार के सभी सदस्यों तथा जीवनसाथी डॉ. सत्यवान सौरभ को दिया। उन्होंने कहा कि माता-पिता के संस्कार, परिवार का स्नेह, सहयोग और जीवनसाथी का निरंतर प्रोत्साहन उनकी साहित्यिक एवं रचनात्मक यात्रा की सबसे बड़ी ताकत रहे हैं। डॉ. सत्यवान सौरभ ने प्रत्येक परिस्थिति में उनके लेखन, साहित्यिक गतिविधियों और वैचारिक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित किया है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि उन सभी लोगों के विश्वास, त्याग, सहयोग और प्रेरणा का प्रतिफल है, जो हर कदम पर उनके साथ खड़े रहे।

भिवानी परिवार मैत्री संघ के प्रति जताया आभार

इस उपलब्धि पर डॉ. प्रियंका 'सौरभ' ने भिवानी परिवार मैत्री संघ के अध्यक्ष श्री राजेश चेतन, संयोजक श्री प्रमोद शर्मा तथा संघ के समस्त पदाधिकारियों, सदस्यों और पूरे भिवानी परिवार के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने निर्णायक मंडल एवं आयोजन से जुड़े सभी सहयोगियों का भी धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि भिवानी की माटी, यहाँ के संस्कार और साहित्यिक परिवार का स्नेह उनकी सबसे बड़ी पूँजी है। यह सम्मान उनकी साहित्यिक यात्रा को नई ऊर्जा और समाज के प्रति अपनी रचनात्मक जिम्मेदारियों को और अधिक समर्पण से निभाने की प्रेरणा देगा। डॉ. प्रियंका 'सौरभ' की इस उपलब्धि को भिवानी, सिवानी मंडी और हिसार सहित पूरे हरियाणा के साहित्यिक जगत के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

क्रिकेटर मो. शोयब का राजस्थान अंडर-23 कैंप में चयन, शानदार प्रदर्शन का मिला इनाम, जिला क्रिकेट संघ में खुशी की लहर

स्मार्ट हलचल



गंगापुर सिटी । जिला क्रिकेट संघ सवाई माधोपुर के प्रतिभाशाली विकेटकीपर बल्लेबाज मो. शोयब का राजस्थान अंडर-23 क्रिकेट कैंप में चयन हुआ है। विभिन्न प्रतियोगिताओं में लगातार शानदार प्रदर्शन और अंडर-23 टी-20 चैलेंजर प्रतियोगिता में बेहतरीन बल्लेबाजी एवं विकेटकीपिंग के दम पर उन्होंने यह उपलब्धि हासिल की है।मो. शोयब ने प्रतियोगिता के दौरान नाबाद 69 रन की शानदार पारी खेलकर अपनी बल्लेबाजी प्रतिभा का परिचय दिया। इसके साथ ही विकेटकीपर के रूप में भी उनका प्रदर्शन सराहनीय रहा। उनके निरंतर बेहतर प्रदर्शन को देखते हुए राजस्थान अंडर-23 कैंप के लिए उनका चयन किया गया है। उनके चयन पर जिला क्रिकेट संघ में खुशी की लहर है। संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रजनीकांत जैन, कोषाध्यक्ष विनोद कुमार गुप्ता, उपाध्यक्ष मनोज बंसल एवं शरद माथुर, संयुक्त सचिव सूर्यप्रकाश शर्मा और जितेंद्र उपाध्याय सहित वरिष्ठ खिलाड़ियों एवं क्रिकेट प्रेमियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी।इस अवसर पर नरेंद्र गोगा, अमिताभ सिंह राठौड़, मो. अनीश, सुरेंद्र चौधरी, रवि गुर्जर, रूपा चाचा, राजेंद्र महावर, केशव पीटीआई, अरुण चौधरी, लोकेश मीना, मलूका जैन, विजय पाठक, सफी पीटीआई, मुजम्मिल पीटीआई एवं वीरेंद्र गुर्जर सहित अन्य लोगों ने शोयब के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कोटा सिटी राउंड टेबल 358 द्वारा चार नए कक्षाओं एवं टॉयलेट ब्लॉक के नवीनीकरण का भूमि पूजन

स्मार्ट हलचल

रायथल (बारां)। कोटा सिटी राउंड टेबल 358 द्वारा आज राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, रायथल, बारां में चार नए कक्षाओं के निर्माण कार्य का विधिवत भूमि पूजन किया गया। इस अवसर पर कोटा सिटी राउंड टेबल 358 के अध्यक्ष रोहित जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि लगभग 27 लाख रुपये की लागत से विद्यालय में चार नए कक्षों का निर्माण एवं मौजूदा टॉयलेट ब्लॉक का नवीनीकरण करवाया जाएगा। इस परियोजना का उद्देश्य विद्यालय के आधारभूत ढांचे को मजबूत करना तथा विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण और स्वच्छता संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि कोटा सिटी राउंड टेबल 358 शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर सराहनीय कार्य कर रहा है तथा सरकारी विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं के विकास और जरूरतमंद बच्चों को बेहतर शिक्षा का अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर एरिया 12 वाइस चेयरमैन किन्शुक जैन, सचिव रमन भाटिया तथा टेबल के सदस्य उमंग गोयल एवं सिद्धार्थ गौतम उपस्थित रहे। कोटा सिटी राउंड टेबल 358 की इस पहल से विद्यालय के विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और उनके लिए स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुविधाजनक शैक्षणिक वातावरण तैयार करने में मदद मिलेगी।



वल्कन रॉकेट धमाके में उड़ा : अमेजन के 40 सैटेलाइट तबाह

● यूएलए का 20 साल में पहला मिशन फेल

कैपकेनवेरल,एजेंसी। फ्लोरिडा से लांच किया गया अमेरिका का वल्कन रॉकेट अपनी उड़ान के महज 10 मिनट बाद ही धमाके के साथ फट गया। इस दुर्घटना में रॉकेट में ले जाए जा रहे अमेजन के 40 लियो ब्रॉडबैंड इंटरनेट सैटेलाइट पूरी तरह नष्ट हुए। यह बोइंग और लॉकहीड मार्टिन की संयुक्त कंपनी यूनाइटेड लांच अलायंस (यूएलए) के 20 साल के इतिहास में पहला ऐसा मिशन फेलियर है, जिसमें पूरी तरह विफलता मिली हो। वल्कन रॉकेट की यह मात्र पांचवीं उड़ान थी, और नौ महीने के अंतराल के बाद यह उसकी पहली उड़ान थी। इससे पहले भी इसकी दो उड़ानों में सॉलिड बूस्टर के नोजल में तकनीकी दिक्कतें आ चुकी थीं, जिन्हें ठीक करने में खासा वक्त लगा था। इस विफलता से अमेजन को बड़ा झटका लगा है। कंपनी को जुलाई 2029 तक कुल 3,232 सैटेलाइट ऑर्बिट में स्थापित करने हैं। अब तक अमेजन ने सिर्फ 396 सैटेलाइट ही लांच किए हैं, यह मिशन सफल होता, तब यह संख्या 436 तक पहुंच जाती और वल्कन के साथ 38 लांच की डील भी शुरू हो जाती। अमेजन ने 2026 के अंत तक अमेरिका और ब्रिटेन में अपनी लियो (लिया) सेवा शुरू करने की योजना बनाई है, लेकिन अब यह शेड्यूल जांच के नतीजों पर निर्भर करेगा। 2006 में स्थापित यूएलए बोइंग और लॉकहीड मार्टिन का एक संयुक्त उद्यम है। वल्कन रॉकेट को कंपनी के पुराने एटलस-5 रॉकेट की जगह लेने के लिए विकसित किया गया था। इस गंभीर विफलता के बाद, वल्कन रॉकेट को लंबे समय तक ग्राउंडेड रहना पड़ सकता है, जब तक इंजीनियर टेलीमेट्री डेटा की गहन जांच कर खराबी का पता नहीं लगा लेते।

अफगानिस्तान में 5.1 तीव्रता का आया भूकंप

● दुनिया में बढ़ रहीं हैं भूकंप की घटनाएं

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत सहित दुनिया के कई देशों में हाल के समय में भूकंप की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। इस प्राकृतिक आपदा ने बीते कुछ समय में हजारों लोगों की जान ली है, जिससे लोगों के मन में भूकंप को लेकर भय बढ़ रहा है। इसी क्रम में भारत के पड़ोसी देश अफगानिस्तान में भी हाल ही में सोमवार को तड़के धरती भूकंप के झटकों से हिल उठी। यह झटका 5.1 तीव्रता का था, जिसने एक बार फिर वैश्विक चिंता को बढ़ा दिया है। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के अनुसार, यह भूकंप सोमवार सुबह 3 बजकर 7 मिनट पर आया। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 5.1 मापी गई। भूकंप का केंद्र धरती से 179 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। राहत की बात यह है कि अब तक इस भूकंप के कारण किसी भी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई खबर सामने नहीं आई है। यह पहला मौका नहीं है जब अफगानिस्तान में भूकंप के झटके महसूस किए गए हों। इससे पहले, सितंबर महीने में भी दो बार देश में धरती हिली थी। 7 सितंबर को आए भूकंप की तीव्रता 4.1 थी, जिसका केंद्र धरती से 130 किलोमीटर नीचे था। इसके दो दिन बाद, 9 सितंबर को भी 4.2 तीव्रता का एक और भूकंप अफगानिस्तान में दर्ज किया गया था, जिसने लगातार बढ़ती भूकंपीय गतिविधियों की ओर इशारा किया था।

सऊदी अरब में हूती हमलों का दावा, मक्का पर आरोपों की जंग

रियाद। यमन के हूती विद्रोहियों ने रविवार शाम सऊदी अरब की राजधानी रियाद में किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को दो बैलिस्टिक मिसाइलों से निशाना बनाने का दावा किया। सऊदी अधिकारियों ने अब तक इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है। हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सरी ने यह भी बताया कि उनके समूह ने रियाद के पास सऊदी अरब की ईस्ट-वेस्ट तेल पाइपलाइन के दो पंपिंग स्टेशनों पर भी ड्रोन हमले किए। यह दावा ऐसे समय आया है जब सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन ने मक्का और मदीना की ओर बढ़ रहे तीन ड्रोन मार गिराने की बात कही थी। गठबंधन के प्रवक्ता तुर्की अल-मालिकी ने हूतियों पर मक्का को निशाना बनाने की कोशिश का आरोप लगाया।

किसी मित्र देश के आंतरिक मामलों में विदेशी राजनीतिक को दखल नहीं देना चाहिए

इटली की सांसद बर्गमिनी ने की फिलिबेक के वोट चोर, गद्दी छोड़ नारा लगाने की आलोचना

रोम, एजेंसी। इटली की सांसद डेबोरा बर्गमिनी ने पार्टी ऑफ यूरोपियन सोशलिस्ट्स के महासचिव जियाकोमो फिलिबेक के बीजेपी पर निशाना साधते हुए वोट चोर, गद्दी छोड़ के नारे लगाने की आलोचना की है। बर्गमिनी ने कहा कि किसी मित्र देश के आंतरिक राजनीतिक मामलों में विदेशी राजनीतिक प्रतिनिधियों को दखल नहीं देना चाहिए। एक्स पर एक पोस्ट में इटली सांसद बर्गमिनी ने कहा कि भारत के पास अपने आंतरिक राजनीतिक विवादों को सुलझाने के लिए अपनी राजनीतिक संस्थाएं और न्यायपालिका मौजूद हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बर्गमिनी ने इटली और भारत के बीच विशेष रणनीतिक साझेदारी का भी जिक्र किया और कहा कि यूरोपीय प्रतिनिधियों का भारत को लोकतंत्र पर सीख देना सही नहीं है। डेबोरा बर्गमिनी फोर्जा इटालिया की सदस्य और राष्ट्रीय उप-महासचिव हैं। यह एक मध्य-दक्षिणपंथी राजनीतिक दल है, जो इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी की सरकार का समर्थन करने वाले गठबंधन का हिस्सा है। बर्गमिनी की यह टिप्पणी तब आई है, जब फिलिबेक ने हैदराबाद में कांग्रेस द्वारा आयोजित भारत समिट 2026 में हिस्सा लेते हुए बीजेपी के नेतृत्व वाली सरकार पर लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाया।



उन्होंने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस के प्रति अपना समर्थन भी जताया। यूरोपियन सोशलिस्ट्स एंड डेमोक्रेट्स समूह के एक इतालवी प्रतिनिधि ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए पीएम मोदी और बीजेपी पर हमला बोला और कहा- वोट चोरों, गद्दी छोड़। बर्गमिनी ने कहा कि यह मामला भारतीय विपक्ष द्वारा सत्ताधारी दल की आलोचना से जुड़ा है। यह आलोचना मतदाता सूची में लंबे समय से लंबित संशोधन को लेकर है एक ऐसी प्रक्रिया जिसका उद्देश्य दोहरी प्रविष्टियों, मृत व्यक्तियों के नामों और अपनी जगह बदल चुके लोगों के नामों को सूची से हटाना है।

उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि लोकतंत्र में हर किसी को अपनी बात रखने या आरोप लगाने की पूरी आजादी है बशर्ते वे अपने दावों को सही साबित कर सकें। भारत के पास अपनी राजनीतिक संस्थाएं और न्यायपालिका है; किसी भी तरह के टकराव या विवाद का समाधान लोकतंत्र के स्थापित नियमों के अनुसार ही किया जाना चाहिए।

बता दें हैदराबाद में आयोजित भारत समिट 2026 से शुरू होता है। जहां राहुल गांधी समेत कई विदेशी नेता भी शामिल हुए थे। इस कार्यक्रम में फिलिबेक ने राहुल गांधी का समर्थन किया था। फिलिबेक ने कहा था कि भारतीय लोकतंत्र के सामने मौजूद चुनौतियों की ओर दुनिया का ध्यान खींचने के लिए अंतरराष्ट्रीय मंच अहम हैं। इन टिप्पणियों की भाजपा नेताओं ने आलोचना की। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने भारत के आंतरिक मामलों में विदेशी राजनीतिक हस्तियों के दखल को लेकर कांग्रेस पर परोक्ष रूप से निशाना साधा। उन्होंने एक्स पर लिखा- क्या आपने कभी किसी को तब हंसते हुए देखा है, जब कोई विदेशी भारत का अपमान करता हो? मैं यह नहीं पूछ रहा कि कौन सा भारतीय विदेश जाकर भारत का अपमान करता है। तेलंगाना बीजेपी अध्यक्ष एन रामचंद्र राव ने भी शिखर सम्मेलन में लोकतंत्र पर राहुल गांधी की टिप्पणी की आलोचना की और उनसे माफी की मांग की।

नियमों के उल्लंघन पर मेटा पर लगा 8,360 करोड़ रुपए का जुर्माना

● बिना मंजूरी लिए यूजर्स की फोटो और वीडियो देखने का है आरोप

रोम,एजेंसी। फेसबुक और इंस्टाग्राम की पैरेंट कंपनी मेटा की मुश्किलें बढ़ गई हैं। इटली की डेटा प्रोटेक्शन अथॉरिटी ने फेसबुक के गैलरी एक्सेस फीचर पर नियमों के उल्लंघन के चलते मेटा पर 805 मिलियन यूरो यानी करीब 8,360 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया है। इटली की डेटा प्रोटेक्शन अथॉरिटी ने कंपनी पर 805 मिलियन यूरो यानी करीब 8,360 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। आरोप है कि फेसबुक ऐप के एक फीचर के जरिए एंड्राइड यूजर्स के फोन की निजी फोटो और वीडियो तक पहुंच बनाई गई, जबकि इसके लिए यूजर्स से अलग और साफ मंजूरी नहीं ली गई थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस मामले से इटली के करीब 2 करोड़ एंड्राइड यूजर्स प्रभावित हो सकते हैं। यह जुर्माना मेटा के ग्लोबल रेवेन्यू का करीब 0.47 फीसदी है। यह मामला फेसबुक ऐप के गेट सिच्युएशन फार्म गैलेरी फीचर से जुड़ा है। इस फीचर का काम यूजर्स को उनके फोन की गैलरी में मौजूद फोटो और वीडियो पोस्ट करने के लिए सुझाना था। मीडिया रिपोर्ट में इटली की अथॉरिटी के मुताबिक यह फीचर डिफॉल्ट रूप से चालू था। फेसबुक ने पूरे ऐप के लिए एक ही परमिशन मांगी थी, लेकिन यूजर्स को साफ तौर पर नहीं बताया गया कि इस परमिशन से ऐप उनकी निजी गैलरी के फोटो और वीडियो के आधार पर सुझाव भी तैयार करेगा। इटली की डेटा प्रोटेक्शन अथॉरिटी ने मेटा को 60 दिन का समय दिया है। कंपनी को इस फीचर को डिफॉल्ट रूप से बंद करना होगा, साथ ही इसे इस्तेमाल करने से पहले यूजर्स से अलग और मंजूरी लेनी होगी। अथॉरिटी ने कहा है कि वह मेटा के एक दूसरे फीचर की भी अलग से जांच कर सकती है। यह फीचर 2026 में लॉन्च हुआ था और यूजर्स की गैलरी के कंटेंट को क्लाउड पर प्रोसेस करता है। मेटा ने इस फैसले से असहमति जताई और इसके खिलाफ अपील करने की बात कही है। कंपनी का कहना है कि यह एक सामान्य फीचर है, जो लोगों को फेसबुक पर फोटो और वीडियो पोस्ट करने में मदद करता है। कंपनी के मुताबिक यूजर्स अपने फोन की सेटिंग में जाकर इसकी परमिशन बदल सकते हैं। इस मामले की जांच में यह पता नहीं लगाया गया कि यूजर्स की फोटो और वीडियो का इस्तेमाल एआई मॉडल को ट्रेन करने के लिए हुआ था या नहीं। मेटा ने ऐसे इस्तेमाल से इनकार किया है।

ब्रिटेन के प्रिंस हैरी ने की युद्ध में यूक्रेन के घायल पूर्व सैनिकों के जज्बे की सराहना

कीव,एजेंसी। ब्रिटेन के प्रिंस हैरी ने यूक्रेन के घायल पूर्व सैनिकों की रविवार को सराहना करते हुए उन्हें समाज के लिए आदर्श बताया और कहा कि कीव को इन सैनिकों को लगातार सहयोग देना चाहिए। हैरी ने युद्धग्रस्त यूक्रेन की अपनी अघोषित सप्ताहांत यात्रा पूरी की। युद्ध शुरू होने के बाद हैरी की यह यूक्रेन की चौथी यात्रा थी। वहीं पश्चिमी शहर लीव का उनका यह दूसरा दौरा था। उन्होंने लीव में 'सुपरह्यूमन्स सेंटर' में मरीजों और कर्मचारियों से मुलाकात की। यह एक हड्डी रोग एवं पुनर्वास केंद्र है, जहां घायल सैन्यकर्मियों और आम नागरिकों का इलाज किया जाता है। हैरी ने 'इन्विक्टस गेम्स' के लिए चयन ट्रायल के दौरान कहा कि हमने इन सैनिकों के वर्दी पहनने से पहले ही उनमें निवेश किया है और जब वे वर्दी उतार दें, तब भी हमें उनका साथ देना और उन पर निवेश करना जारी रखना चाहिए।



'इन्विक्टस गेम्स' पैरालंपिक खेलों की तर्ज पर आयोजित होने वाला एक खेल आयोजन है। इसकी शुरुआत हैरी ने दुनिया भर के पूर्व सैनिकों को युद्ध में लगी चोटों से उबरने और जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से की थी। अफगानिस्तान में सेवा दे चुके ब्रिटिश सेना के पूर्व सैनिक हैरी ने शनिवार को व्हीलचेयर पर बैठे रग्बी के खिलाड़ियों के बीच मुकाबला देखा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने पिकलबॉल खिलाड़ियों का मुकाबला भी देखा। इनमें से कई खिलाड़ी कृत्रिम अंगों का इस्तेमाल करते हैं। ये खिलाड़ी अगले साल इंग्लैंड के बर्मिंघम में होने वाले 'इन्विक्टस गेम्स' में यूक्रेन का प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे थे। 'ड्यूक ऑफ ससेक्स' हैरी ने यूक्रेन के लोगों के धैर्य और मुश्किल हालात का सामना करने की उनकी क्षमता की सराहना की। उन्होंने उम्मीद जताई कि युद्ध जल्द ही समाप्त होगा। उन्होंने कहा कि दुनिया के बाकी देश आपका समर्थन करते रहेंगे।

भारत और सोमालिया के बीच 'विदेश कार्यालय परामर्श' बैठक का पहला दौर खत्म

दोनों देशों ने व्यापार, स्वास्थ्य, रक्षा और समुद्री सुरक्षा में सहयोग बढ़ाने संभावनाएं तलाशीं

मोगादिशु, एजेंसी। भारत और सोमालिया ने रविवार को मोगादिशु में 'विदेश कार्यालय परामर्श' बैठक का पहला दौर आयोजित हुआ। इस दौरान दोनों देशों ने द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा की और व्यापार, स्वास्थ्य, रक्षा और समुद्री सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की संभावनाएं तलाशीं। विदेश मंत्रालय के एक बयान के मुताबिक बैठक की सह-अध्यक्षता विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुरेश कुमार एम और सोमालिया के विदेश एवं अंतरराष्ट्रीय सहयोग मंत्रालय के स्थायी सचिव हमजा अदन हादू ने की।



मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नई दिल्ली और मोगादिशु ने शनिवार को सोमालिया की राजधानी में एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इसके तहत द्विपक्षीय संबंधों की नियमित समीक्षा के लिए एक व्यवस्थित तंत्र स्थापित किया गया। इस समझौते पर हस्ताक्षर के बाद रविवार को 'विदेश कार्यालय परामर्श' बैठक का पहला दौर हुआ। बयान में कहा गया है कि बैठक में दोनों पक्षों ने व्यापार एवं निवेश, स्वास्थ्य एवं दवा, एसएमई, विकास साझेदारी, रक्षा, सुरक्षा, वाणिज्य दूतावास संबंधी मामलों, संस्कृति और लोगों के बीच आपसी संपर्क समेत द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा की। इसमें कहा गया कि चर्चा के दौरान क्षेत्र में समुद्री डकैती की बढ़ती घटनाओं से प्रभावी ढंग से निपटने और जहाजों और नाविकों की सुरक्षा को लेकर विचार-विमर्श किया गया।

बयान के मुताबिक दोनों पक्षों ने आतंकवाद की स्पष्ट रूप से निंदा की। दोनों देशों ने आपसी हित के क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र और अन्य बहुपक्षीय मंचों पर अपने करीबी समन्वय और सहयोग की सराहना की। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत और सोमालिया के बीच लंबे समय से मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। भारत सोमालिया के शीर्ष तीन व्यापारिक साझेदारों में शामिल है। इसने कहा कि भारत एक भरोसेमंद विकास साझेदार भी है और चिकित्सा उपचार और उच्च शिक्षा के लिए सोमालिया के नागरिकों की पसंदीदा जगह है। दोनों पक्षों ने 'विदेश कार्यालय परामर्श' बैठक का अगला दौर आपसी सहमति से तय तारीख पर भारत में आयोजित करने पर सहमति जताई। यह बैठक विदेश मंत्रालय में सचिव रंगनाथन की सोमालिया यात्रा का हिस्सा थी।

रिपोर्ट के मुताबिक रंगनाथन ने सोमालिया के रक्षा मंत्री अहमद मुअल्लिम फिकी से भी मुलाकात की और विशेष रूप से समुद्री सुरक्षा, आतंकवाद से मुकाबले तथा क्षमता निर्माण के क्षेत्रों में रक्षा सहयोग मजबूत करने पर चर्चा की। उन्होंने उपविदेश मंत्री हसन मोहम्मद अली से भी मुलाकात की। इस दौरान व्यापार, चिकित्सा सहयोग, शिक्षा, क्षमता निर्माण और क्षेत्र के हालिया भू-राजनीतिक घटनाक्रमों पर चर्चा हुई। रंगनाथन ने मोगादिशु में भारतीय समुदाय के सदस्यों से भी बातचीत की और उन्हें आश्वासन दिया कि सरकार भारतीय प्रवासियों के कल्याण के लिए पूरा सहयोग देगी।

धरती की पुकार और गरीबों की पुकार को एक-दूसरे से अलग नहीं किया जा सकता

पोप लियो ने अमेजन के जंगलों की रक्षा करते मारे गए लोगों के लिए मांगा न्याय

पुकाल्पा, एजेंसी। 14वें पोप लियो ने अमेजन के जंगलों की रक्षा करते हुए मारे गए पर्यावरण कार्यकर्ताओं के लिए रविवार को न्याय की मांग की और स्थानीय आदिवासी समुदायों की उन कोशिशों का समर्थन किया जिनका उद्देश्य उनकी जमीन को पेड़ों की कटाई, अवैध खनन एवं ''वर्चस्व कायम करने की कभी न खत्म होने वाली लालसा'' से होने वाले नुकसान से बचाना है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण अमेरिका की अपनी यात्रा के अंतिम चरण में पोप लियो पेरू के अमेजन वर्षावन क्षेत्र पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पोप फ्रांसिस की उन प्रमुख शिक्षाओं को दोहराया जिनमें समाज के सबसे कमजोर वर्गों की देखभाल को ईश्वर की सृष्टि की रक्षा करने के समान बताया। पोप लियो ने पुकाल्पा शहर में उकायाली नदी के किनारे एकत्र आदिवासी समुदायों के प्रतिनिधियों और मिशनरियों को संबोधित करते हुए कहा कि धरती की पुकार और गरीबों की पुकार को एक-दूसरे से अलग नहीं किया जा सकता।

रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने कहा कि वह न्याय और शांति की तलाश कर रहे आदिवासी समुदायों का समर्थन करने के लिए पुकाल्पा आए हैं। उन्होंने पर्यावरण संगठनों के अनुमानों का हवाला देते हुए कहा कि 2010 से 2024 के बीच पर्यावरण की रक्षा करने वाले 57 कार्यकर्ताओं की हत्या की गई। पोप लियो ने कहा कि इन भाइयों का खून ईश्वर से न्याय की गुहार लगा रहा है। उनकी इस टिप्पणी पर वहां मौजूद लोगों ने तालियां बजाईं। अमेजन में दशकों से जारी वनों की कटाई के अलावा सोने का अवैध खनन तेजी से मुनाफे वाला कारोबार बन गया है। कटाई से जंगलों को भारी नुकसान पहुंच रहा है और नदियां प्रदूषित हो रही हैं। खनन करने वाले सोना निकालने के लिए अस्थायी उपकरणों और पारे जैसी जहरीली धातु का इस्तेमाल करते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक आदिवासी समुदायों के साथ मुलाकात और इसके बाद पुकाल्पा में आयोजित प्रार्थना सभा में पोप लियो ने आर्थिक विकास का ऐसा मॉडल अपनाने का आह्वान किया जो बाहरी लोगों द्वारा प्राकृतिक संसाधनों के ''गैरजिम्मेदाराना दोहन'' के बजाय धरती और उसकी देखभाल करने वाले आदिवासी समुदायों का सम्मान करे। उन्होंने कहा कि बुराइयों का सामना करते हुए हमें ईश्वर के उपहारों को व्यर्थ नहीं जाने देना चाहिए, क्योंकि वही हमें वर्चस्व कायम करने की कभी न खत्म होने वाली लालसा से पैदा हुई पीड़ा को दूर करने और नुकसान की भरपाई करने की शक्ति देते हैं। पोप लियो ने उत्तरी अमेजन के कोंडोरकानकी प्रांत में अवाजुन और वाम्पिस आदिवासी समुदायों की स्कूली छात्राओं के खिलाफ यौन हिंसा के मामलों में हुई चिंताजनक वृद्धि का भी उल्लेख किया।



ऑस्ट्रेलिया में मना छठ महापर्व, दो हजार से ज्यादा प्रवासी बिहारी परिवार हुए शामिल

भारतीय संस्कृति, लोक आस्था और बिहार की समृद्ध परंपराओं की अनूठी छाप छोड़ी

सिडनी,एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में बसे प्रवासी बिहारी समुदाय ने छठ महापर्व को पूरे उत्साह, श्रद्धा और पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया। बिहार झारखंड कम्युनिटी ऑस्ट्रेलिया (बीजेसीए) के सहयोग से सिडनी में 25 से ज्यादा स्थानों पर छठ पूजा का आयोजन किया गया। इस आयोजन में दो हजार से ज्यादा बिहारी परिवारों ने भाग लिया। इस आयोजन ने ऑस्ट्रेलिया की धरती पर भारतीय संस्कृति, लोक आस्था और बिहार की समृद्ध परंपराओं की अनूठी छाप छोड़ी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बीजेसीए समिति के सदस्यों ने आयोजन को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई। समिति की



सदस्य ने कहा कि छठ पर्व बिहारियों के दिलों में बसता है। सिडनी में बिहारी परिवारों का एकजुट होकर इस पर्व को मनाना हमारी संस्कृति और परंपरा की ताकत को दर्शाता है। वैश्विक बिहारी समुदाय के नेता ने छठ को बिहारी पहचान और अस्मिता का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि सिडनी में जिस भव्यता और श्रद्धा के साथ छठ मनाया गया, वह साबित करता है कि बिहारी दुनिया के किसी भी कोने में रहें, बिहार हमेशा उनके दिल में बसता है।

बीजेसीए सिडनी के बिहारी परिवारों का प्रतिनिधित्व करने वाला प्रमुख सामुदायिक संगठन बन चुका है। संगठन बिहार, पूर्वांचल और झारखंड की सांस्कृतिक विरासत को ऑस्ट्रेलिया में आगे बढ़ाने के लिए काम कर रहा है। बता दें छठ पर्व भारत के सबसे पवित्र और कठिन लोक पर्वों में से एक है, जो मुख्य रूप से बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश और नेपाल के तराई क्षेत्रों में मनाया जाता है। यह पर्व सूर्य देव और छठी माता को समर्पित है। इसमें डूबते और उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है, जो प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और अटूट आस्था का अनूठा प्रतीक है।

थाईलैंड के फुकेट में लगी आग, 11 की जिंदा जलकर मौत, 36 घायल

बैंकॉक , एजेंसी। थाईलैंड के लोकप्रिय पर्यटक स्थल फुकेट के पातोंग में तड़के भीषण आग लगने से कम से कम 11 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है, जबकि 36 लोग घायल हुए हैं। यह दर्दनाक हादसा तड़के करीब 3:20 बजे फांग मुआंग साई कोर रोड स्थित एक कमर्शियल बिल्डिंग में हुआ। आग इतनी तेजी से फैली कि गहरी नींद में सो रहे लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला और इसने देखते ही देखते आसपास की अन्य इमारतों को भी अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंचीं। दमकलकर्मियों ने लगभग 40 से 50 मिनट की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया। सभी घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। स्थानीय प्रशासन और पुलिस ने आग लगने के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए गहन जांच शुरू कर दी है।

हसीना के पैतृक गृह जिले गोपालगंज में हिंसा, डीसी,एसपी का तबादला

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के पैतृक जिले गोपालगंज में प्रतिबंधित आवामी लीग और उससे जुड़े संगठनों के समर्थकों के प्रदर्शनों के बाद हिंसा और अशांति की कई घटनाएं सामने आई हैं। शेख हसीना और आवामी लीग से जुड़े होने के कारण इस जिले का राजनीतिक महत्व काफी है। हाल ही में यहां रैलियां, तोड़फोड़ और झड़पें हुई हैं, जिनमें प्रदर्शनकारियों को कथित तौर पर लाठी और चाकू जैसे स्थानीय हथियारों से लैस देखा गया। इन घटनाओं के बाद, बांग्लादेश सरकार ने गोपालगंज के डिप्टी कमिश्नर (डीसी) और सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस (एसपी) का तबादला कर दिया है। एक स्थानीय अखबार ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से आवामी लीग के नेता और कार्यकर्ता गोपालगंज में सड़कें ब्लॉक कर रहे हैं और जुलूस निकाल रहे हैं। रविवार को उन्हें डंडे और चप्पू सहित कई लोकल हथियारों से लैस होकर विरोध मार्च और रैलियां करते देखा गया। रिपोर्ट में आगे कहा गया कि इन जुलूसों में से एक पुलिस आर्मर्ड पर्सनल कैरियर (एपीसी) और एक पुलिस बॉक्स में तोड़फोड़ की गई। पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जुलाई मॉन्यूमेंट और हादी स्क्वायर की पट्टिकाओं को भी क्षतिग्रस्त किया। सरकार ने स्थिति नियंत्रण में लाने के लिए गोपालगंज में बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के छह टुकड़ियों को तैनात किया है। अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के दिसंबर में बांग्लादेश लौटने की घोषणा के बाद, गोपालगंज में आवामी लीग की गतिविधियां बढ़ी हैं। बांग्लादेश के कानून मंत्री मोहम्मद असदुज्जमां ने कहा है कि शेख हसीना की वापसी प्रत्यर्पण संधि के तहत कानूनी प्रक्रिया से होगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल के फैसले के खिलाफ अपील की निर्धारित समयसीमा समाप्त होने के बाद देरी माफ करने का कोई कानूनी प्रावधान नहीं है। ट्रिब्यूनल के मुख्य अभियोजक अमीनुल इस्लाम के मुताबिक, फैसले के प्रकाशन के 30 दिनों के भीतर अपील दाखिल करने का प्रावधान है। गौरतलब है कि 17 नवंबर 2025 को इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल-1 ने जुलाई 2024 के विद्रोह के दौरान मानवता के खिलाफ अपराधों से जुड़े मामले में शेख हसीना को मौत की सजा सुनाई थी, जिसका पूरा विवरण 13 जनवरी 2026 को प्रकाशित किया गया था।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com